रांची, सोमवार
03.03.2025
वर्ष : 10, अंक : 92 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से की शिष्टाचार भेंट

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवान ने रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

पीएम मोदी ने की सोमनाथ महादेव की पूजा-आरती

सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार शाम सोमनाथ महादेव की पूजा-आरती की। इससे पूर्व सोमनाथ गीतामंदिर हेलिपैड पर प्रधानमंत्री का हेलिकॉप्टर उतरा। यहां से प्रधानमंत्री मंदिर तक वाहन में गए। इस दौरान सड़क के दोनों ओर लोगों का हुजूम उमड़ा रहा। लोग प्रधानमंत्री के एक झलक पाने को बेताब थे। मंदिर में सोमनाथ महादेव का दर्शन के बाद विद्वान पुरोहितों ने शास्त्रोक्त विधि और मंत्रोच्चारण के साथ सोमनाथ महादेव का पूजन कराया।

प्रधानमंत्री ने रमजान के पवित्र महीने की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। रमजान का पवित्र महीना शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पवित्र अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ह्ररमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है, यह हमारे समाज में शांति और सद्भाव लाए। यह पवित्र महीना चिंतन, कृतज्ञता और भक्ति का प्रतीक है, साथ ही हमें करुणा, दया और सेवा के मूल्यों की भी याद दिलाता है। रमजान मुबारक!

विधानसभा में आज पेश होगा वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में तीन मार्च को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगे। इस बार के बजट के आकार में सात से 10 प्रतिशत की वृद्धि की आशंका है। इससे इसका कुल आकार लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। पिछले पांच वर्षों के बजट को देखें तो हर साल वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में झारखंड का बजट 1,28,900 करोड़ रुपये था, जबकि इस साल इसे बढ़ाकर और भी व्यापक बनाया जा सकता है। इस बार सरकार ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, और शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। नई योजनाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, आगामी बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए अधिक

धनराशि आवंटित की जा सकती है। खासतौर पर 'मंईयां सम्मान योजना' के चलते इस विभाग को अतिरिक्त फंड मिलने की संभावना है। राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वर्ष 2001 में मात्र 32,000 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 4.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। आगामी वित्त वर्ष में इसमें 9.5 से 10 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

पिछले पांच सालों में बजट का आकार

2020-21: 86,370 करोड़ रुपये
2021-22: 91,277 करोड़ रुपये
2022-23: 1,01,101 करोड़ रुपये
2023-24: 1,16,418 करोड़ रुपये
2024-25: 1,28,900 करोड़ रुपये

बजट में होगा सभी सुविधाओं का समावेश : सुप्रियो भटटाचार्य

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भटटाचार्य ने कहा है कि सोमवार को विधानसभा में पेश होनेवाले बजट में सभी सुविधाओं का समावेश होगा। उन्होंने कहा कि यह बजट श्री डाइमेंशन वाला होगा, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजिक सुरक्षा और पर्यटन समेत सभी मूलभूत सुविधाएं शामिल होंगी।

सुप्रियो रविवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि यह पहली बार होगा जब सदन में बजट के समय विपक्ष का कोई नेता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार तभी पूरी होती है जब एक अदद विपक्ष भी हो।

पार्टी महासचिव ने कहा कि राज्य की कई समितियां और नियुक्तियों में विपक्ष के नेता की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि इसका जिम्मेहवार कौन है।

सुप्रियो ने कहा कि या तो भाजपा के सभी विधायक अपना नेता चुन लें या सभी सामूहिक रूप से इस्तीफा ही दे दें। उन्होंने भाजपा पर देश में एकदलीय व्यवस्था थोपने के प्रयास का आरोप लगाते हुए कहा कि हमारा संविधान इसकी इजाजत नहीं देता है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : भारतीय टीम ने 44 रन से जीता मैच, 205 पर न्यूजीलैंड ऑल आउट

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने आखिरी मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रन से हरा दिया और लगातार तीसरी जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया. दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 249 रन बनाए थे. भारत के लिए सबसे ज्यादा 79 रन श्रेयस अय्यर ने बनाए, जबकि न्यूजीलैंड के लिए तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने 5 विकेट लिए. इसके जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम सिर्फ 205 रन पर ढेर हो गई और इसकी वजह बने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, जिन्होंने 5 विकेट लिए. न्यूजीलैंड के लिए केन विलियमसन के 81 रन भी जीत के लिए काफी नहीं थे. अब सेमीफाइनल में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से, जबकि न्यूजीलैंड का सामना साउथ अफ्रीका से होगा.

वोटर कार्ड के एक जैसे नंबर का मतलब यह नहीं मतदाता फर्जी हैं: निर्वाचन आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि अलग अलग राज्यों के मतदाताओं के ईपीआईसी नम्बर समान होने का मतलब यह नहीं है कि ये फर्जी मतदाता हैं।

आयोग ने मीडिया और सोशल मीडिया में आई रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए रविवार को यहां कहा कि दो मतदाताओं के ईपीआईसी नम्बर समान हो सकते हैं और इसका यह मतलब नहीं है कि वे फर्जी मतदाता हैं। इन नम्बरों को ठीक करने की भी बात कही गयी है। आयोग ने कहा, ह्र कुछ सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लिया गया है, जिसमें दो अलग-अलग राज्यों के मतदाताओं के समान ईपीआईसी नंबर होने के मुद्दे को उठाया गया है। इस संबंध में, यह स्पष्ट किया जाता है कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर

समान हो सकते हैं, लेकिन समान ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं के लिए जनसांख्यिकीय विवरण, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र सहित अन्य विवरण अलग-अलग हैं। ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है और कहीं और नहीं।ह्व

आयोग ने कहा है कि विभिन्न राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के कुछ मतदाताओं को समान ईपीआईसी संख्या/श्रृंखला का आवंटन सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के मतदाता सूची डेटाबेस को ईआरओएनईटी प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित करने से पहले अपनाई गई विकेंद्रीकृत और मैन्युअल प्रणाली के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप कुछ राज्य/संघ शासित प्रदेशों के सीईओ कार्यालयों ने एक ही ईपीआईसी अल्फासन्यूममेरिक श्रृंखला का उपयोग किया और विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को डुप्लिकेट ईपीआईसी संख्या आवंटित किए जाने की संभावना बनी रही।

आयोग के वक्तव्य में कहा गया है कि किसी भी आशंका को दूर करने के लिए, आयोग ने पंजीकृत मतदाताओं को अनूठा ईपीआईसी नंबर आवंटित करने का निर्णय लिया है। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर के किसी भी मामले को एक अनूठा ईपीआईसी नंबर आवंटित करके ठीक किया जाएगा। इस प्रक्रिया की सहायता के लिए ईआरओएनईटी 2.0 प्लेटफार्म को अपडेट किया जाएगा।

अपनी संभावनाओं से दुनिया को आकर्षित कर रहा है भारत: उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत अब वादे करने वाला देश नहीं रह गया है। भारत को अब सपेरों का देश नहीं माना जाता। भारत पूरी दुनिया को अपनी संभावनाओं से आकर्षित कर रहा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ रविवार को केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम में लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, विकास और भारत का भविष्य विषय पर चौथे पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पी. परमेश्वरन की भारतीय मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता, भारतीय लोकाचार की उनकी गहरी समझ और राष्ट्रीय एकता के लिए उनका अथक प्रयास पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। सांस्कृतिक रूप से निहित और आध्यात्मिक रूप से जागृत एक आत्मनिर्भर भारत के लिए उनका दृष्टिकोण पूरे देश में गहराई से गूंजता है।

हाल के दशक में भारत के विकास को लेकर धनखड़ ने कहा कि जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शी जवाबदेह शासन ने पारिस्थितिकी तंत्र को उछाल दिया है। 1.4 बिलियन का राष्ट्र

ग्रामीण क्षेत्र में आए परिवर्तनकारी बदलाव को देखें। हर घर में शौचालय है, बिजली कनेक्शन है, पानी का कनेक्शन आने वाला है, गैस कनेक्शन है, कनेक्टिविटी, इंटरनेट और सड़क, रेल और स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सहायता करने वाली नीतियां। ये हमारी विकास पथ को परिभाषित करती हैं।

उन्होंने कहा कि यह आर्थिक पुनर्जागरण, जो कुछ साल पहले कल्पना से परे था, चिंतन से परे था, सपनों से परे था, उसने हमारे सनातन का सार, समावेशिता, गैर-भेदभावपूर्ण, समान, समान विकास के परिणाम और सभी के लिए फल उत्पन्न किए हैं। किसी भी योग्यता, जाति, धर्म, जाति, रंग के बावजूद प्रयास किया गया है कि लाभ अंतिम पंक्ति में रहने वाले लोगों तक पहुंचना चाहिए और यह बड़ी सफलता के साथ किया जा रहा है। धनखड़ ने कहा कि भारत के सबसे महान सपूतों में से एक (पी. परमेश्वरन) की स्मृति में यह स्मारक व्याख्यान है। वे इस सदी में हिंदू विचार प्रक्रिया के अग्रणी विचारकों में से एक हैं। हम इस व्याख्यान के माध्यम से सामाजिक कार्यों के लिए प्रतिबद्ध सबसे बेहतरीन बुद्धिजीवियों में से एक का जश्न मना रहे हैं। एक सभ्यता को केवल एक बुनियादी विचार से जाना जाता है। क्या यह वास्तव में अपने महान सपूतों का सम्मान करती है? और पिछले कुछ वर्षों में यही विषय रहा है। हमारे भूले हुए नायक, गुमनाम नायक, अच्छी तरह से नहीं तो अनदेखे नायक, हमने उन्हें याद किया है।

यहां की ऊर्जा और जिज्ञासा सचमुच प्रेरणादायक:डॉ. ब्रायन ग्रीन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी, लेखक तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय में गणित और भौतिकी के प्रोफेसर डॉ. ब्रायन ग्रीन ने ताजमहल की अपनी यात्रा के बाद कहा कि भारत में मैंने विज्ञान और नवाचार के प्रति जो जुनून देखा है, वह अद्भुत है। यहां के छात्रों में ऊर्जा और जिज्ञासा वास्तव में प्रेरणादायक है। शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति भारत के विशिष्ट दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए उन्होंने वैश्विक प्रभाव डालने के लिए भारतीय छात्रों के उत्साह और महत्वाकांक्षा पर जोर दिया।

संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री व अंतरिक्ष से भारत का अवलोकन करने वाले माइक मैसिमिनो ने कहा कि भारत जमीन अधिक सुंदर है। भारत के सौंदर्य के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए उन्होंने ताजमहल की असाधारण शिल्पकला की प्रशंसा की और इसे भारत की इंजीनियरिंग और डिजाइन की समृद्ध विरासत का प्रमाण बताया। डॉ. ब्रायन ग्रीन और माइक मैसिमिनो मौजूदा समय में भारत की यात्रा पर हैं और देश की समृद्ध वैज्ञानिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक विरासत का आनंद ले रहे हैं। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने प्रतिष्ठित ताजमहल का दौरा किया जहां उन्होंने विज्ञान, इंजीनियरिंग और शिल्प कौशल में भारत की प्रगति की प्रशंसा की।

प्रोफेसर ब्रायन ग्रीन एक प्रसिद्ध सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी, लेखक, तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय में गणित और भौतिकी के प्रोफेसर हैं। इनको सुपरस्ट्रिंग सिद्धांत में इनके अभूतपूर्व योगदान के लिए जाना जाता है जिसमें दर्पण समरूपता की सह-खोज और स्थानिक टोपोलॉजी परिवर्तन की खोज शामिल है।

महाकुंभ के अवधि में श्री काशी विश्वनाथ धाम में वर्चुअल रियलिटी से दर्शन का टूटा रिकॉर्ड

एजेंसी

वाराणसी। महाकुंभ की अवधि के दौरान श्री काशी विश्वनाथ धाम में वर्चुअल दर्शन पूजन के भी सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए। धाम में महाकुंभ के समय दर्शन पूजन का नया रिकॉर्ड बना है। काशी विश्वनाथ धाम में जहां लगभग तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई, वहीं, वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। रविवार को काशी विश्वनाथ धाम में स्थित दुर्लभ दर्शन केंद्र और दिव्य दर्शन केंद्र ने वर्चुअल दर्शन का आंकड़ा जारी किया। दुर्लभ दर्शन केंद्र के आंकड़ों के अनुसार पूरे जनवरी और फरवरी माह के साथ महाकुंभ

के अवधि में कुल 50,993 श्रद्धालुओं ने वर्चुअल रियलिटी(वीआर) के माध्यम से बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। वहीं, दिव्य दर्शन केंद्र के अनुसार कुल 10,566 श्रद्धालुओं ने वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से बाबा विश्वनाथ का दर्शन किया।

महाशिवरात्रि पर्व पर काशी विश्वनाथ धाम में विशेष पूजा का आयोजन किया गया। इसमें 20–22 फरवरी तक धाम स्थित प्रधान विग्रहों पर त्रिदिवसीय रुद्राभिषेक किया गया। इस महापर्व में याजक की भूमिका का निर्वहन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अफसरों ने निभाया। 20 फरवरी को प्रातःकाल चंद्रगुप्तेश्वर महादेव, मनोकामेश्वर महादेव, अविमुक्तेश्वर महादेव, तारकेश्वर महादेव, नवग्रह मंडप, बैकुंठेश्वर महादेव और दण्डपाणीश्वर महादेव का रुद्राभिषेक किया गया। 21 फरवरी को अमृतेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर महादेव, बालमुकुंदेश्वर महादेव, मान्धातेश्वर महादेव, और गंगेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक संपन्न किया गया। 22 फरवरी को त्रिसंधेश्वर महादेव और कुबेरेश्वर महादेव का शास्त्रोक्त विधि से रुद्राभिषेक किया गया। महाशिवरात्रि पर्व पर धाम स्थित अविमुक्तेश्वर महादेव (गुरु बाबा) विग्रह सहित सभी प्रधान विग्रहों पर भी रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया।

गुलाब की 11 क्विंटल पंखुड़ियों का हुआ उपयोग

धाम में माह जनवरी और फरवरी में पड़ने वाले विशिष्ट पर्वों वसंत पंचमी, श्री राम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव और महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम की सजावट में कुल लगभग 14 हजार मालाओं का उपयोग किया गया। इन पर्वों के दौरान धाम को भव्य रूप से सजाया गया, जिससे श्रद्धालुओं को एक दिव्य अनुभव प्राप्त हुआ। महाशिवरात्रि पर्व पर ही धाम के मुख्य प्रवेश द्वार (द्वार संख्या-04) से नागा सन्यासियों के आगमन पर, उनके स्वागत के लिए लगभग 11 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों का उपयोग किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर बजट बाद वेबिनार का किया उद्घाटन

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर बजट बाद वेबिनार का उद्घाटन किया। इस वेबिनार का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कपड़ मंत्रालय के सहयोग से किया था। इस कार्यक्रम में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, वस्त्र सचिव नीलम शमी राव और विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस सत्र में कृषि क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों और विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। उद्घाटन भाषण के बाद, वेबिनार में विभिन्न आगामी योजनाओं और मिशनों पर केंद्रित कई शुरुआती सत्र आयोजित किए गए। वस्त्र सचिव नीलम शमी राव ने कपास मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए सरकार की दृढ़प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने फाइबर परीक्षण अवसंरचना का विस्तार करने, एक्स्ट्रा लॉन्ग स्टेपल (ईएलएस) कपास के बीजों का उत्पादन बढ़ाने और भारत के कपास क्षेत्र की वृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कस्तूरी कॉटन भारत पहल को और विकसित करने जैसी प्रमुख पहलों के बारे में बताया।

माणा हिमस्खलन हादसा : अंतिम श्रमिक का भी शव बरामद, कुल आठ की मौत

एजेंसी

देहरादून। बदरीनाथ धाम से करीब छह किमी की दूरी पर स्थित माणा के पास हिमस्खलन के बाद से लापता सभी श्रमिकों को ढूंढ लिया है। रविवार शाम को हादसे के बाद से लापता अंतिम व्यक्ति का शव बरामद होने के बाद सेना का रेस्क्यू आपरेशन पूरा हो गया है। रविवार को सेना के जवानों ने लापता चारों श्रमिकों के शवों को बरामद कर लिया है। इस हादसे में आठ श्रमिकों की मौत हुई है। इससे पहले शनिवार को ही चार शव बरामद कर लिए गए थे। इस हादसे में बचाव दल ने 46 श्रमिकों की जान बचाई है।

सेना के जन संपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार को सुबह ही रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया था। दोपहर तक तीन शव बरामद हो गए थे। शाम तक अंतिम लापता श्रमिक देहरादूनवासी अरविंद कुमार सिंह का शव भी बरामद कर लिया गया है। इस हिमस्खल की चपेट में आए 54 श्रमिकों में आठ की मौत हुई है और 46 श्रमिकों की जान बचा ली गई। उन्होंने बताया कि बचाए गए 44 श्रमिकों का जोशीमठ के सेना अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि दो श्रमिकों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश के लिए रेफर किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने संगठनात्मक चुनाव एवं बूथ समिति पुनर्गठन को लेकर किया बैठक

खूँटी(बिभा) । जिले के भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक चुनाव एवं बूथ समिति पुनर्गठन को लेकर बैठक किया गया। इस बैठक में प्रदेश मंत्री एवं जिला चुनाव प्रभारी नंद जी प्रसाद मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि संतोष उपस्थित रहे। बैठक में नंद जी प्रसाद ने बूथ गठन, मंडल अध्यक्ष चयन और जिला अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा जमीनी स्तर से मजबूत होता है, और इसके लिए बूथ स्तर पर मजबूती अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बूथ पर 21 से 25 सदस्यीय समिति गठित की जाएगी, जिसमें बूथ अध्यक्ष, सचिव सहित अन्य सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावे प्रत्येक मंडल में बूथ समितियों से समन्वय कर मंडल अध्यक्ष का चयन किया जाएगा, जिसमें संगठन की रीति-नीति के अनुरूप अनुभवी एवं कर्मठ कार्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जिसके पश्चात मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकताओं की सहमति से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा। इस बैठक में जिले के सभी मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र चुनाव प्रभारी एवं सह प्रभारी उपस्थित रहे।

पी पी एन बी के चान्हो शाखा द्वारा कृषि प्रसार कार्यक्रम का आयोजन

चान्हो(बिभा): चान्हो प्रखंड मुख्यालय स्थित ब्लॉक सभागार में पीएनबी के चान्हो शाखा इकाई द्वारा कृषि प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया।कार्यक्रम में रांची मंडल कार्यालय के मुख्य प्रबंधक दीपक मिंज, चान्हो शाखा मैनेजर रमई कुमार बोदरा,कूडू शाखा मैनेजर रतीश रंजन,मांडर शाखा प्रबंधक कैप्टन नूपुर, खलारी शाखा मैनेजर अमित लकड़ा, चान्हो ब्रांच के कृषि प्रबंधक रिशु कुमार , जेएसएलपीएस के बीपीएम रोशन कुमार, क्लस्टर कॉर्डिनेटर सोबरा खातून और बैक सखी आदि शामिल हुए।मौके पर मंडल शाखा प्रबंधक द्वारा स्वयं सहायता समूह और सखी मंडल को सशक्त बनाने के लिए बैंक द्वारा किए जा रहे कार्यों को बताया गया।उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार के ऋण योजना से महिला समूह को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने का काम पीएनबी द्वारा किया जा रहा है।कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को बैंक के द्वारा प्रदान किये जाने वाले विभिन्न उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी तथा उन्हें यह आश्वासन दिया गया कि पीएनबी उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में उनके साथ है।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सखी मंडल के बीच 2 करोड़ पांच लाख रुपए की परिसंपति का भी वितरण किया गया।

सीएमयू की बैठक मे दो दिवसीय केन्द्रीय सम्मेलन पर हुई चर्चा

खलारी(बिभा)। वीआईपी सभागार मे कोल फील्ड मजदुर यूनियन की बैठक किया गया।बैठक की अध्यक्षता मिथलेश सिंह संचालन ध्वजा राम धोबी ने किया।बैठक में केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विनय सिंह मनकी मुख्य रूप उपस्थित थे।इस बैठक में आगामी 21 व 22 मार्च के दिन दो दिवसीय केन्द्रीय सम्मेलन सफल को आयोजन बनाने का निर्णय लिया गया। दो दिवसीय सम्मेलन में आयोजन समिति का कच्चा रूठ मैप तैयार किया गया। सफल आयोजन को लेकर आगामी बैठक 9 मार्च को रखा गया। मौके पर रामा उरांव, इस्लाम अंसारी, अनूप रजक, रमेश सिंह,प्रधान मुंडा,रविंदर बैठा, विनोद सतनामी,राजेन्द्र चौहान, अफताब आलम,बिरमाल कुमार ,सोमनाथ मलिक सुदेश पासवान, राजेश यादव,सुशांत बिश्नोई, गोपाल सिंह, सोनू राम, विजय उरांव, जय मंगल सिंह, संजय गिरी, जसमुदिम, उमेश सिंह, अनील जैन, रोहित कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

रामनवमी एवं सरहुल पूरे धूमधाम से मनाने को लेकर की गई अवश्यक बैठक

खलारी(बिभा)। खलारी क्षेत्र के राय के पंचायत भवन में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की हुई। बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी पूजा एवं सरहुल पूजा पूरे धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।इस बैठक की अध्यक्षता विजय पहान एवं संचालन दुर्गा प्रसाद महतो ने किया।बैठक मे पिछले साल का आय व्यय का हिसाब किया गया और सर्वसमिति से यह निर्णय लिया गया कि दिनांक पांच मार्च को सुबह 9 बजे से पंचायत भवन राय मे पुनःएक आवश्यक बैठक होगी जिसमें इस आयोजन को सफल बनाने लिए एक कमिटी गठित की जाएगी एवं सदस्यों का पुनःचुनाव किया जाएगा।विजय पहान ने राय पंचायत के लोगो से अपील की है कि रामनवमी पूजा एवं सरहुल पूजा को सफल बनाने के लिए दिनांक 05 मार्च को सुबह 09 :00 बजे पंचायत भवन राय मे बैठक होगी इस बैठक मे अधिक से अधिक संख्या मे शामिल होने को कहा गया।मौके पर प्रदीप उरांव,भरत राम,राजेश कुमार महतो,भुवनेश्वर महतो,मनोज महतो, दीपक महतो,रूपेश महतो,मंगरू मुंडा,गणेश कुमार महतो,हरिष कुमार, राम कुमार भईया,रामअवतार राम, कालेशवर महतो,लोकन महतो, सरवण कुमार, सुखलाल महतो, राजू उरांव,संदीप कुमार,महवा महतो,हबू महतो, रितेश कुमार,राजकुमार प्रजापति,विजय महतो एवं अंगरक महतो शामिल रहे।

खूंटी जिले के पहला आरसी चर्च का 150वीं वर्षगाँठ धूमधाम से मनाया गया

कोचांग के बुरुडीह गाँव में रोमन कैथोलिक पंथ का खूँटी जिले में पहला चर्च का किया गया था निर्माण

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के अड़की कोचांग के बुरुडीह चर्च का रविवार को 150वीं वर्षगाँठ बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। वहीं जिले का पहला गिरजाघर को दर्शन करने काफी उत्साहित मन से पहुंचे थे। जहां से एक सुपंथ की ओर लोगों को बढ़ने का ज्ञान प्राप्ति का केंद्र रहा। जिसे आशा के तीर्थ स्थान के रूप में भी शुभारंभ किया गया।

खूँटी जिले में अड़की प्रखंड अंतर्गत कोचांग बुरुडीह में सबसे पहले रोमन कैथोलिक चर्च का निर्माण किया गया था। जो सन 1875 ई में फा अगस्तुस स्टॉकमन येस के द्वारा निर्माण किया गया था। जिले के जिस रोमन कैथोलिक समुदाय का पहला चर्च का निर्माण के 150 वर्ष पूरा होने पर रविवार को 150वीं वर्षगाँठ मनाया गया। जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। मौके पर राँची के आर्च बिशप विनसेंट आईन्द विशेष तौर पर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के दौरान विशेष प्रार्थना सभा, आशीष प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। जिले के इस बीहड़ इलाका कोचांग बुरुडीह के इस चर्च परिसर में मसीही विश्वासियों की काफी भीड़-भाड़ रही। वहीं इस बिहड़ इलाके में भोजन का भी उत्तम प्रबंध किया गया था। इस अवसर पर बताया गया कि सन 1875 ई. में फादर अगुस्तुस स्टॉकमन द्वारा जिले के पहला चर्च का शुभारंभ किया गया था। इसी के साथ शिक्षा का केंद्र भी खुला वर्तमान में विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। जिस पहले चर्च का 150 वर्षीय जुबली वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर विशेष रूप मुख्य अतिथि के रूप में आर्चबिशप विंसेंट आईंद द्वारा संदेश में कहा कि फादर अगुस्तुस स्टॉकमन अपने जीवनकाल में मुण्डा आदिवासियों के बीच सेवाकाई एवं शिक्षा का प्रसार में अपना जीवन बिताया। मान्यवर बिशप विनय कन्डुलना के द्वारा सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। मौके पर, खूँटी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि कालीचरण मुंडा ने कहा कि मिशन संस्था शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से काम कर रही है। वहीं शिक्षा मंत्री शिल्पी स्नेहा तिर्की ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुंडा लोग बड़े दिल के होते हैं। उन्होंने हमें रोहतासगढ़ से आते हुए मुड़मा क्षेत्र में बसने के लिए जगह दिया। वहीं तमाड़ के विधायक विकास मुंडा कोचांग को पर्यटन स्थल के रूप में विकास करने का भरोसा दिया। वहीं कोलेबिरा के विधायक पिक्सल कोनगाड़ी सभी को शुभकामनाएँ दिए।

इस कार्यक्रम में अंडमान-निकोबार के बिशप, हजारीबाग राँची सहित आठ से अधिक धर्मगुरु विभिन्न धर्मप्रान्तों से पहुँचे थे। मौके पर, झारखंड सरकार के कृषि मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की, खूँटी सांसद कालीचरण मुण्डा, विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, तमाड़ विधायक विकास मुण्डा आदि भी उपस्थित थे। फादर विशु बेंजामिन आईंद के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

सिरकटा शव बरामदगी पर मृतक राजस्थान का पोखराज के रुप में हुई पहचान

पोखराज की हत्या के कारणों और हत्यारों का पता लगाने में जुट गयी है प्रशासन - डीएसपी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र अन्तर्गत कुजराम से चुकरु मार्ग पर जानुमडीह मंगुवारा के पास सड़क के किनारे चार दिन पहले विगत 28 फरवरी को मिली बिना सिर का शव बरामदगी का पहचान राजस्थान के जोधपुर जिलांतर्गत सुरपुराखुर्द हिंगोली निवासी पोखराज के रुप में की गयी। जिस मृत पोखराज का उनके परिजनों ने खूँटी आकर शव की पहचान किये और खूँटी थाना में केस दर्ज कराकर शव को राजस्थान ले गये। मृतक पोखराज के भाई महिपाल के अनुसार, पोखराज के पास 27 लाख रुपए थे। जो 27 फरवरी को राँची पहुँचा था। राँची के तबारक के यहाँ 27 फरवरी को पहुँचा था। जिसने अपने दोस्त लक्ष्मण और राज के घर ठहरवाया था। जिससे 27 फरवरी रात 8.30 बजे अपने भाई महिपाल से बात हुई थी। लेकिन 9.47 बजे रात को फोन किये तो उसका मोबाइल स्वीच ऑफ मिला। लेकिन जब दूसरा दिन भी पता नहीं

चला तो फिर यह जानकारी मिली कि किसी का शव खूँटी क्षेत्र में मिला है। महिपाल के अनुसार, पोखराज कोयला का कारोबार करता था और जिस व्यक्ति से पहले कोयला का कारोबार करता था उससे कारोबार करना बंद कर दिया था लेकिन उसी के पास वह आया था। उसका नाम उसके घर वालों को पोखराज ने बताया था। हालांकि सभी दृष्टिकोण से पुलिस जांच में जुट गयी है। वहीं खूँटी आकर शव की पहचान की फिर खूँटी थाने में मामला दर्ज कराया। और शव को महिपाल राजस्थान ले गये। मृतक के भाई महिपाल ने बताया कि उसका भाई जिससे पहले कोयला कारोबार करता था उस तबारक के घर आया था, उसके पास 27 लाख रुपए थे। उसके भाई की हत्या तबारक और उसके दोस्त लक्ष्मण और राज नामक व्यक्ति ही किया होगा। उसने बताया कि अपने मित्र लक्ष्मण और राज के यहाँ रात को रुकने के लिए व्यवस्था कर दिया था। जिसकी इन लोगों ने मिलकर हत्या कर दी। मेरे भैया की शादी हो चुकी है और तीन छोटी-छोटी बेटियाँ हैं।

मृतक पोखराज के शव को सौंपने और महिपाल के द्वारा दिये गये आवेदन के देने के बाद पुलिस अनुसंधान करना शुरू कर दिया है। डीएसपी वरुण रजक ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बताया कि मारंगहादा थाना क्षेत्र के जानुमडीह के पास कुजराम गाँव से चुकरु जानेवाला मार्ग पर युवक का शव बरामद किया गया था जिसकी पहचान राजस्थान के जोधपुर जिलांतर्गत हिंगोली का रहनेवाला था। जिसका गला काटकर हत्या करके शव को सड़क पर फेंक दिया गया था। उसकी हत्या के कारणों के बारे पता लगाया जा रहा है। जल्द ही उस घटना से पर्दा उठा लिया जाएगा।

अफीम कारोबार के लिए कुख्यात खूँटी जिला का पहले भी रहा है राजस्थान से कनेक्शन

खूँटी जिला अफीम की खेती और तस्करी मामले पर झारखंड ही नहीं देशभर में कुख्याति प्राप्त है। वहीं राजस्थान से खूंटी का अफीम के मामले पर पहले से रिश्ता प्रगाढ़ता रहा है। अभी वर्तमान समय में अफीम की खेती बेशुमार है और अब फल से अफीम निकलना भी शुरू हो गया है। मृतक के भाई के अनुसार इतनी मोटी रकम लेकर आना और मारंगहादा थाना क्षेत्र के अफीम के गढ़ में पोखराज का शव मिलना यह मामला अफीम की कारोबार की ओर भी संकेत दे रहा है। हालांकि पुलिस सभी दृष्टिकोण से अनुसंधान करना शुरू कर दिया है। जिस पर स्क्वायड डॉग टीम द्वारा भी इस पर आशंका व्यक्त की है कि हत्यारों का भागने का गंतव्य राह ऐसा खोजी कुत्ता के द्वारा बताया जा रहा है कि जिस ओर से कुत्ता गया निश्चित तौर पर हत्या करने वाले लोग उसे रास्ता से गए हैं और वह ऐसा रास्ता है जिस रास्ता के बारे जानकार व्यक्ति का शामिल होने का पूरा अंदेशा है।

पुलिस ने 40 टन कोयला लदा ट्रक किया जब्त

अवैध कोयला का परिहवन की सूचना मिलने पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई : अजय कुमार

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के बसंतपुर वन क्षेत्र से कोयले की अवैध तस्करी हो रही थी। अवैध कोयला लदा एक ट्रक पुलिस ने जब्त किया है। साथ ही उसके चालक अवधेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जानकारी रविवार को एसपी अजय कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि बसंतपुर वन क्षेत्र से कोयला लाद कर इसकी तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने सूचना के आधार पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान शनिवार की देर रात करमटिया मोड के पास एक ट्रक (बीआर 01 जीजी 2610) को रोका गया। इस ट्रक पर 40 टन कोयला लदा था। जब चालक से पूछताछ की गई, तो उसने कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद चालक

मोतिहारी जिले के घोड़ासहन निवासी अवधेश कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। साथ ही ट्रक मालिक पटना निवासी पंकज सिंह से भी दस्तावेज की मांग की गई। लेकिन वह भी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच के दौरान पता चला कि कुजू निवासी मोइसिन खान, बसंतपुर निवासी छोटा महेंद्र महतो और अन्य लोगों के जरिये अवैध कारोबार को संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने चारों तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

संयुक्त श्रमिक संगठन की बैठक में क्षेत्र की कई समस्याओ पर की गई चर्चा

बिभा संवाददाता

खलारी। डकरा वीआईपी सभागार मे संयुक्त श्रमिक संगठन के वरीय पदाधिकारियों की बैठक।बैठक की अध्यक्षता मिथलेश कुमार सिंह एवं संचालन शैलेश कुमार ने किया।

बैठक मे एनके क्षेत्र की कई समस्याओ पर चर्चा कि गई। जिसमे एनके प्रबंधन को एक मांग पत्र संयुक्त रूप से देने का निर्णय लिया गया।मांगों में असैनिक,विद्युत एवं यांत्रिक विभाग द्वारा एएमसी या अन्य माध्यम से कराये जा रहे कार्यों का सूची बजट के साथ श्रमिक संगठन को उपलब्ध कराने, वित्तीय बर्ष 2025-26 का एक्शन प्लान श्रमिक संगठन के साथ मिलकर बनाने एवं कार्य करने, असैनिक व विद्युत एवं यांत्रिक विभाग के कार्य हेतु परियोजना स्तर पर फण्ड उपलब्ध कराने ताकि परियोजना स्तर पर कामगारो के आवास का मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर हो सके, सेवानृवित कामगारो एवं मृत कामगारो के आश्रितो को सामजिक सुरक्षा के तहत होने वाले भुगतान जैसे ग्रेच्युटी, एलसीएस, लिव इन्क्रीमेंट, ईबीएसएफ, सीएमपीएफ, पेंशन सहित अन्य समय से करने, एनके क्षेत्र के बचे हुए सभी कामगारो को ईबीएफएस का मेंबर बनाने, सभी कामगारो के सेवा पुस्तिका एवं दस्तावेजो मे नाम, उम्र या अन्य कामगारो एवं उनके परिवारों का जो त्रुटिया है उसे एक निश्चित अवधि मे सुधार करने अगर त्रुटि है तो कामगारो सूचित करने, मृत कामगारो के आश्रितो को जब तक नौकरी नहीं हो जाती तब तक आवास के संदर्भ मे किसी तरह का कोई कटौती नहीं करने, सेवानृवित कामगारो को ग्रेस अवधि के अंतर्गत किसी तरह का कटौती नहीं करने, केडीएच व डकरा उत्पादन वाले माइंस से बिना श्रमिक संगठन के जानकारी दिए कामगारों को अन्य परियोजना मे स्थातरण किया गया जिससे कोयला उत्पादन प्रभावित हो रही है, इसके अलावा पेयजल साफ सफाई स्वास्थ्य संबंधित मुद्दों को शामिल किया गया है। साथ ही संयुक्त श्रमिक संगठन की ओर से कहा गया कि अगर प्रबंधन उपरोक्त समस्याओं सकारात्मक पहल नहीं करती है तो आगे की रणनीति पर पुनः बैठक कर निर्णय लिया जाएगा। बैठक में अमरभूषण सिंह, कृष्णा चौहान, सुनील कुमार सिंह, हरेंद्र सिंह, राघो चौबे, तिला महतो उपस्थित थे।

विद्यापति स्मारक समिति का होली मिलन नौ को

रांची। बाबा विद्यापति स्मारक समिति के रांची स्थित कार्यालय में रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के संस्थापक सह वरिष्ठ सदस्य विशंभर झा और समिति के अध्यक्ष जयंत झा ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी नौ मार्च समिति के कार्यालय परिसर में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक सीपी सिंह और पूर्व डिप्टीर मेयर संजीव विजयवर्गीय होंगे। मौके पर समिति के अध्यक्ष जयंत झा ने बताया कि होली मिलन सह परिवार मिलन समारोह सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक चलेगा, जिसमें रांची की मशहूर कीर्तन मंडली और कलाकार अश्वनी आनंद, मुकेश झा भास्कर, गौरी शंकर झा, बिंदु शेखर झा और आशु झा की ओर से रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी।

कैरलि स्कूल में द्रोणाचार्य स्कूल लीग, सीजन-2 के पहले दिन हुए तीन मैच

बिभा संवाददाता

रांची : कैरलि स्कूल में रविवार को द्रोणाचार्य स्कूल लीग, सीजन-2 के पहले दिन हुए 3 मैच हुए। पहला मैच गुरु गोबिंद सिंह स्कूल, कमडे और कोरोना युनिवर्सल स्कूल,मनातु,राँची के बीच हुआ। कोरोना युनिवेर्सल स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 16 ओवर में 124 रन बनाया। गुरु गोबिंद सिंह ने मैच को जीत लिया। मैन ऑफ द मैच विकास कुमार को घोषित किया गया। दूसरा मैच आर्मी पब्लिक स्कूल एवं ऑक्सब्रीज स्कूल, मांडर के बीच हुआ। आर्मी पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेकर 16 ओवर में 142 रन ही बना सका और ऑक्सब्रीज स्कूल, मांडर ने मैच को जीत लिया। मैन ऑफ द मैच सूर्या को मिला। तीसरा मैच संत माइकल स्कूल और टेंडर हर्ट स्कूल के बीच हुआ। टेंडर हर्ट स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया एवं 16 ओवर में 171 रनों का स्कोर खडा किया। संत माइकल स्कूल ने 16 ओवर में 105 रन ही बना पाया। टेंडर हर्ट स्कूल ने मैच को 66 रन से जीत लिया। विपुल कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस तरह आज कुल तीन मैच हुए। पूरे मैचों के दौरान कैरलि स्कूल के क्रिकेट टीम के शिक्षकों ने मैच को सुचारूरूप से होने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

संडासोम गांव में दो वर्ष पहले बना जलमीनार बना हाथी के दाँत, ठिकेदारों के पाकेट हुए गर्म

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के अंतर्गत अनेकों देहात में जलमीनार का निर्माण केवल दिखावा के लिए खड़ा कर दिया गया है। जिससे कभी भी ग्रामीणों को इसका लाभ नहीं मिल पाया। केंद्र सरकार की बहुत ही आवश्यक योजना नल से घर तक जल के लिए जलमीनार निर्माण कराने की योजना दी थी। लेकिन राज्य सरकार के मुलाजिम और ठीकेदार मिलकर ग्रामीणों को इस लाभ से वंचित कर दिया। जिसका ग्रामीणों को कोई लाभ नहीं मिला। वहीं खूँटी जिले के संडासोम गाँव में विगत दो वर्ष पहले लाखों रुपए खर्च करके जलमीनार बनाया गया था। और जब जलमीनार बन रहा था तो ग्रामीणों में काफी उत्साह थी

और उम्मीदों का किरण मिलने का आशा था। जहाँ संडासोम गाँव के ग्रामीण पहले जिस प्रकार डाड़ी का पानी पीते थे आज भी अनेकों ग्रामीणों को उसी हाल में पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

ग्रामीण जयराम ने बताया कि दो वर्ष पहले बना जल मीनार से एक भी

बूंद पानी ग्रामीणों को इस जलमीनार से नहीं मिला , घर तक नल तो लगा दिया पर पानी शुरू से ही नहीं मिला। हमलोग डाड़ी से पानी लाते हैं। ग्रामीण एसी पांडा ने बताया कि गर्मी में तो पानी की काफी समस्या हो जाती है। सुबह में सूरज उगने से पहले ही कुआँ से किसी तरह पानी का जुगाड़ करते हैं। नहीं तो वो भी सूख जाता है। फिर पानी के लिए काफी मुश्किल हो जाता है।

यहाँ बड़ा सा जलमीनार बनते देख आशा थी कि जलमीनार बन रहा है तो इससे दुख दूर हो जाएगा लेकिन इसका कोई फायदा नहीं। बल्कि ठीकेदारों के पाकेट गर्म हुए और अब हाथी के दांत बना हुआ है। ग्रामीण बतलाते हैं कि संडासोम गाँव में दो वर्ष पहले बड़ा सा जलमीनार बनाया गया लेकिन गुणवत्ता के अभाव में बेकार पड़ा रह गया है। इससे जनता को कोई लाभ नहीं मिल रहा है।

स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच चेतन शाखा के नेतृत्व में सात दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।यह शिविर संस्था की अध्यक्ष अनु खंडेलवाल क्या नेतृत्व में लगाया गया। शिविर के आखिरी दिन में निःशुल्क प्राणिक हीलिंग कैंप का आयोजन किया गया। इसके तहत बताया गया कि तन के साथ- साथ मन का स्वस्थ होना भी बहुत जरूरी है। इस भाग दौड़ वाली जिंदगी में सभी मानसिक शांति को भूल ही गए है और टेंशन, डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। इस मानसिक शांति की जरूरत को समझने एवं उसे आपने ज़िंदगी में अपनाना कितना जरूरी है, बताने के लिए इस कैंप का आयोजन किया गया। 35 लोगों ने इसका लाभ उठाया। नीतू अग्रवाल की मदद से शाखा की ओर से हीलिंग कैंप का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष बने शंकर, महामंत्री गोपाल व कोषाध्यक्ष संजय

रांची(बिभा) : श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति, भुताहा तालाब की बैठक रविवार को हुई । बैठक की अध्यक्षता राजकुमार गुप्ता ने किया। कोषाध्यक्ष संजय सिंह के द्वारा पिछले वर्ष 2024 का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिसे हर्ष के साथ सर्वसम्मति से पास कर दिया। उसके बाद सभा में मुख्य संरक्षक किशोर साहू, राज कुमार गुप्ता, उदय साहू, रमेश सिंह, ने पुरानी कमिटी कों ही सुचारु रूप से यही रहने पर विचार किया और पुरानी कमिटी कों ही रखा गया और जो लोग भी इस नई कमिटी में जुड़ना चाहते है उनको भी जोड़ा जाएगा, तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री नंदकिशोर सिंह चंदेल जी द्वारा किया गया।श्री चैती दुर्गा पूजा धूम-धाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक के बाद श्री चैती दुर्गा मंदिर में होली मिलन समारोह भी किया गया। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के मुख्य संरक्षक, संरक्षक, आयोजक एवं सयोजक ने कहां नई कमेटी में जय सिंह यादव, मिंटू चौबे,राजीव रंजन मिश्रा, मेहश चद्र, शंकर सिन्हा, शंकर साव, लिल्लू प्रसाद, बसंत चन्द्रवांसी,सागर वर्मा, सोनू सिंह, दीपक ओझा, मेहुल प्रसाद, अशोक पुरोहित और जितने भी आए हुए गणमान्य वेक्तियों का नाम संस्था में जोड़ कर चलेंगे। बैठक में सभा में मुख्य संरक्षक किशोर साहू, राज कुमार गुप्ता, उदय साहू, रवि कुमार पिंकू, गोपाल पारीक, संजय सिंह (लल्लू सिंह), महेश चन्द्रा, जय सिंह यादव, दीपक ओझा, दीपू सिंह, करण सिंह, मोहित रजक, नमन भारतीय, अर्जुन सिंह, अभिषेक रजक, रोहन सिंह, आयुष रजक एवं महासमिति के सैकड़ो कार्यकर्त्ता मौजूत थे। यह जानकरी महासमिति के प्रवक्ता नमन भारतीय ने दी।

पांच वर्षीय हुमैरा का पहला रोजा

रांची(बिभा) : रविवार से रमजान का रोजा शुरू हो गया है। रोजे को लेकर महिला-पुरुष के साथ छोटे बच्चे भी इबादत के रंग में रंग गए हैं। राजधानी के समाज सेवी और पठान तंजीम के उपाध्यक्ष वसीम खान की पांच वर्षीय नन्ही बेटी हुमैरा वसीम ने भी अपना पहला रोजा रखा। उसने रोजा रखने के साथ घर के बड़ों के साथ नमाज पढ़ी और जिक्र व तस्बीह की पाबंदी की। दुआ इफ्तार में उसने मुल्क की तरक्की और अमन की दुआ मांगी। मजेदार बात यह रही की नन्ही हुमैरा ने इफ्तार तैयार करने में अपनी माँ का हाथ भी बंटाया।

झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदधारियों को दी बधाई

रांची(बिभा) : झारखंड के प्रसिद्ध जादूगर एमएस भारती रविवार को झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू से मिले और उन्हें पुष्पगुच्छ देकर अध्यक्ष बनने पर बधाई व शुभकामनाएं दी। इस दौरान एमएस भारती ने श्री मुर्मू से कई मुद्दों पर बातचीत की जिनमें प्रमुख रूप से पुलिस कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके और उनके परिवार के लिए मनोरंजन की सुविधा समेत आधारभूत संरचना प्रमुख रूप से शामिल है। श्री मुर्मू ने आश्वासन दिया कि वह पुलिस कर्मियों की बेहतरी के लिए ही इस पद पर आए हैं और पुलिस कर्मियों को ज्यादा सुविधा देने के लिए और उनके मनोरंजन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मंत्री संजय प्रसाद यादव से मिले रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमिटी के लोग

रांची(बिभा)। रिसालदार शाह बाबा दरगाह परिसर मे झारखंड राज्य खादी ग्राम उद्योग बोर्ड द्वारा संचालित सिलाई ट्रेनिंग सेंटर की कमियों को लेकर दरगाह कमेटी झारखंड सरकार के श्रम मंत्री संजय यादव से मिला। मौके पर कमिटी ने मंत्री जी को बताया कि यहां महिलाएं सेंटर में पहुंच कर सिलाई का हुनर सीख कर अपनी जीवन यापन कर रही है। अभी सेंटर मे मात्र 30 सीट होने की वजह से बहुत सारी महिलाएं इसका लाभ नहीं ले पा रही हैं। इसको देखते हुए रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमेटी के सदर अय्यूब गद्दी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल श्रम मंत्री संजय यादव से मिल कर उन्हें इस बारे में संक्षिप्त जानकारी साझा किया और माननीय मंत्री जी से सेंटर में मात्र 30 सीट को बड़ा कर 100 सीट करने की मांग किया। ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इसका लाभ ले सके।मौके पर मंत्री जी ने कमिटी को आश्वस्त किया कि आप की मांगे पूरी होगी और सेंटर में सीट बढ़ाया जाएगा। साथ ही आने वाले शुक्रवार को मंत्री महोदय ने दरगाह में पहुंच कर सेंटर का निरीक्षण और दरगाह में सरकार की ओर से चादरपोशी करने की बाते कही। मौके पर दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अय्यूब गद्दी, महासचिव जावेद अनवर, रिजवान हुसैन, जुल्फीकार अली भुट्टो,खलीकुल गद्दी,अनीस गद्दी, शहीद खान समीर हेजाजी उपस्थित थे।

आजसू पार्टी की कार्यशाला का आयोजन 9 मार्च को

रांची(बिभा)। आजसू पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे संगठन को मजबूत करने में जुट जाएं। बैठक को डॉ देवशरण भगत, प्रवीण प्रभाकर आदि ने संबोधित किया। बैठक में तय किया गया कि 9 मार्च को रांची में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रखंड प्रभारियों को कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारी के लिए प्रमंडल एवं जिला प्रभारियों की सूची घोषित की गई।

वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने केंद्रीय रेशम बोर्ड केन्द्रीय तसर अनुसंधान केन्द्र का किया भ्रमण

झारखंड में तसर रेशम एवं वस्त्र उद्योग से ग्रामीण रोजगार की अपार संभावनाएं: गिरिराज सिंह

बिभा संवाददाता

रांची : भारत सरकार के वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने रांची का दौरा किया एवं केंद्रीय रेशम बोर्ड-सीटीआरटीआई रांची, एनएचडीसी, डब्ल्यूएससी व हस्तशिल्प रांची के प्रगति की समीक्षा किया । बैठक के दौरान मंत्री ने झारखंड के बुनकरों और किसानों के लाभ के लिए समावेशी, क्षेत्र उन्मुख, सतत विकास की दिशा में प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। गिरिराज सिंह ने कहा कि झारखण्ड में तसर रेशम उद्योग की अपार संभावनाएँ हैं अतः हमें इस उद्योग से जुड़े बुनकरों एवं कृषकों की आमदनी बढ़ाने पर और अधिक प्रयास की आवश्यकता है, तसर रेशम उद्योग आदिवासी एवं ग्रामीणों को प्रमुखता से आजीविका प्रदान करने वाला एक वन-आधारित ग्रामीण लोगों के आय का श्रोत है। तसर रेशम उद्योग 3.5 लाख से अधिक परिवारों, विशेष रूप से महिलाओं और आदिवासियों के लिए आजीविका पैदा करती है जिनमें से 2.22 लाख लोग सिर्फ झारखड के हैं ।

गिरिराज सिंह ने कहा कि झारखण्ड में तसर रेशम के खाद्य पौधे अर्थात अर्जुन/आसन एवं साल के वृक्षों की उपलब्धता है. तसर रेशम कपड़े की गुणवत्ता अद्वितीय है एवं इसके उत्पाद पर्यावरण हितैषी हैं जो वन रोपण को संरक्षण एवं बढ़ावा देता है। वस्त्र मंत्री ने इस अवसर पर वस्त्र उद्योग एवं समग्र रेशम उद्योग से जुड़े अधिकारियों एवं डा एनबी चौधरी निदेशक केंद्रीय रेशम बोर्ड-सीटीआरटीआई रांची एवं डा, जयप्रकाश पाण्डेय वैज्ञानिक-डी के साथ विस्तृत चर्चा किया एवं मार्गदर्शन प्रदान किया । गिरिराज सिंह ने कहा कि आने वाले दिनों में झारखंड का वस्त्र उद्योग, तसर रेशम उत्पादन एवं इनके उप-उत्पादों, री-साईकल्ड वस्त्रों के प्रभावी उपयोग से कृषकों एवं बुनकरों आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। इ

डा. एन बी चौधरी निदेशक केंद्रीय रेशम बोर्ड केन्द्रीय तसर अनुसंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान राँची ने तसर रेशम उत्पादन विकास को समर्पित संस्थान के शोध एवं विस्तार गतिविधियों के बारे में एवं भावी योजना के बारे में बताया। मंत्री ने केंद्रीय रेशम बोर्ड-सीटीआरटीआई रांची में तसर रेशमकीट पालन के प्रायोगिक परीक्षण के लिए उच्च घनत्व वाले अर्जुन और आसन के पौधों के संयुक्त प्लाट के विकास करने एवं शहतूत रेशम की तरह अर्जुन और आसन के पौधों के रोपण का पैकेज तैयार करने सुझाव दिया.

इसके साथ ही तसर रेशमकीट के वर्ष में तीन-चक्र का अन्तः कीटपालन परीक्षण अलग-अलग तरीकों से ट्रे, टहनी आदि विधियों का उपयोग करके अन्तः पालन गृह में किये जाने का सुझाव दिया एवं बेहतर उपज प्राप्त करने के लिए इनडोर तसर रेशमकीट पालन के दौरान पत्ती के वजन और गुणवत्ता को मात्राबद्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया। मंत्री ने डब्ल्यूएससी रांची को झारखंड में रेशम हथकरघा क्षेत्र के बुनकरों को आवश्यकता के अनुसार रीलिंग के लिए उपयुक्त मशीनें उपलब्ध कराए जाने, बुनकरों की आय बढ़ाने के लिए स्व-संधारणीय मोड पर बुनकर सेवा केंद्र संचालित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया । साथ ही बुनकर सेवा केंद्र में बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन करना, क्रेता/निर्यातक बाजार से जोड़ना और बुनकरों को प्रशिक्षण देकर राजस्व अर्जित करने का सुझाव दिया. बुनकर सेवा केंद्र के माध्यम से करघे उपलब्ध कराए जाने वाले बुनकरों को उनकी मजदूरी बढ़ाने के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए बाजार से जोड़ने की कार्ययोजना पर कार्य करने का सुझाव दिया ।

बैठक के दौरान मंत्री ने हस्तशिल्प सेवा केंद्र रांची के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव, एक ब्लॉक, एक जिले पर विशेष ध्यान दिया जाने का निर्देश दिया।

एनएचडीसी रांची को पानीपत या दक्षिण भारतीय राज्यों से रिसाइकिल यार्न, कॉटन और सिंथेटिक यार्न के सम्यक उपयोग संभावना का पता लगाने एवं झारखंड में बुनकरों के लाभ के लिए कपड़े की लागत दर को कम करने एवं उनके लाभ को बढाने के लिए प्रयास एवं बुनकरों को लाभ पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ से कम दर पर तसर और घीचा यार्न की खरीद की संभावना का पता लगाने की भी चर्चा किया जिससे गरीब बुनकरों एवं तसर कृषकों को अधिक से अधिक लाभ पहुचाया जा सके ।

सैकड़ों ग्रामीण के उपस्थिति में अवैध खनन कार्य को रोका गया

अनगड़ा प्रखण्ड सिंगारी मौजा के अवैध पत्थर खनन बंद हो : देवेन्द्र नाथ महतो

बिभा संवाददाता

रांची : खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखंड राज्य में अवैध खनन आम बात है। सिल्ली विधान सभा सुरसू पंचायत अंतर्गत सिंगारी मौजा में तीन क्रेशर और तीन पत्थर का खनन अवैध तरीके से किया जा रहा है। ग्रामीण के शिकायत पर पूर्व प्रत्याशी सिल्ली विधान सभा , रांची लोकसभा एवं जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने खनन और क्रेशर कार्य स्थल का निरीक्षण किया । तीन क्रेशर स्थल और तीन खनन क्षेत्र के काम को रोक लगा दिया, मौके पर सैकड़ों संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो ने बताया कि किसी भी खनन स्थल पर डिटेल्स बोर्ड नहीं है। दस साल पहले सिर्फ एक छोटे स्थल का ग्राम सभा हुआ था उसके बाद एक भी ग्राम सभा भी नहीं हुआ है। उसके बावजूद अवैध तरीके से दिन रात तीन क्रेशर और तीन जगह पत्थर खनन का कार्य हो रहा है। किसी भी कार्य स्थल पर लीज तिथि का अवधि , खाता संख्या, प्लॉट संख्या , रकवा अंकित नहीं किया गया है जिससे स्पष्ट होता है कि उक्त जगह अवैध खनन किया जा रहा है। अवैध खनन और भारी ड्रिल से गरीब आदिवासी परिवार के घर का दिवाल में दरार हो रहा है, अत्यधिक प्रदूषण से लाह का खेती, सब्जी का खेती पूरी तरह नष्ट हो चुका है, तीन तीन एकड़ के कई आम बागान नष्ट हुआ है, गांव का सरना स्थल भी क्षति हुआ है, स्थानीय लोगों को रोजगार का अवसर भी नहीं मिला है।

साथ ही मौके खनन विभाग झारखंड और रांची उपायुक्त से मांग किया है कि स्पेशल जांच टीम गठित कर झारखण्ड के खनिज संपदा को नष्ट करने वाले माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई किया जाय। अवैध खनन बंद नहीं होने पर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

जेआरजीए फाउंडेशन ने झारखंड में गार्मेंट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कपड़ा मंत्री से की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांचीः जेआरजीए फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिताभ श्रीवास्तव, और सचिव उत्तम रॉय ने रांची के होटल क्रिस्टल रेसिडेंसी में कपड़ा मंत्री, गिरिराज सिंह से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य झारखंड में गार्मेंट उद्योग की संभावनाओं को अनलॉक करना और इस क्षेत्र में विकास और रोजगार के अवसर पैदा करना था।

जेआरजीए फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने कपड़ा मंत्री के साथ झारखंड में गार्मेंट उद्योग की संभावनाओं पर चर्चा की और इस क्षेत्र में विकास के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की।

कपड़ा मंत्री ने जेआरजीए फाउंडेशन की पहल की सराहना की और इस क्षेत्र में विकास के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। और 11-13 अप्रैल, 2025 को आयोजित होने वाली जेआरजीए फाउंडेशन की आगामी कार्यक्रम 'गार्मेंट उद्योग में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने' में अपनी उपस्थिति का आश्वासन दिया।

जेआरजीए फाउंडेशन के अध्यक्ष ने कहा, हमें कपड़ा मंत्री से मुलाकात करने का अवसर मिला और हम उनके समर्थन के लिए आभारी हैं। हम झारखंड में गार्मेंट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमें विश्वास है कि यह क्षेत्र राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जेआरजीए फाउंडेशन झारखंड में गार्मेंट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है और इस क्षेत्र में विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वैश्य मोर्चा का सदस्यता अभियान 5 मार्च से

23 मार्च को आरक्षण बढ़ाओ-रोजगार दो सम्मेलन

23 अप्रैल को होगा वैश्य अधिकार महासम्मेलन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक रविवार को आलोका समाभागार में हुई । बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद ने किया. यह बैठक आगामी कार्यक्रमों की तैयारी, चालू विधानसभा सत्र में रणनीति, सदस्यता और संगठन विस्तार के मुद्दे पर रखी गयी थी.

बैठक में गत दिनों पतरातू डैम में हुये प्रशिक्षण शिविर सह मिलन समारोह की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम को पूरी तरह सफल बताया गया और संगठन के नियमों एवं नीतियों का पालन करने का संकल्प लिया गया. बैठक में तय किया गया कि चूंकि 23 मार्च को भगत सिंह का शहादत दिवस और डॉ. राममनोहर लोहिया की जयंती है, इसलिए अब 'आरक्षण बढ़ाओ-रोजगार दो सम्मेलन' के नाम से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और इसमें बतौर आयोजक महिला, युवा एवं छात्र मोर्चा को भी शामिल किया जायेगा. जबकि 23 अप्रैल को वैश्य दिवस के अवसर पर रांची में ही 'वैश्य अधिकार महासम्मेलन' का आयोजन किया जायेगा. इसके लिए अगली बैठक में तैयारी समिति का गठन किया जायेगा.

बैठक में ही केंद्रीय पदाधिकारियों को रसीद का वितरण किया गया और सभी से 5 मार्च से अपने-अपने क्षेत्र में सदस्यता अभियान शुरू करने का निर्देश दिया गया.

बैठक में प्रस्ताव पारित कर कहा गया कि निकाय चुनाव के लिए फर्जी तरीके से ओबीसी का ट्रिपल टेस्ट किया गया है, जिसे रद्द कर फिर से ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया शुरू करना चाहिए, ताकि ओबीसी का सही आंकड़ा हो सके. दूसरे प्रस्ताव में कहा गया कि सरकार और विपक्ष को ओबीसी की हितैषी है तो चालू विधानसभा सत्र में 27% आरक्षण पर प्रस्ताव लाने की तैयारी करे या ओबीसी की बात करना बंद करे.

आदिवासी छात्र संघ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया, कहा सरकार जल्द पूरा करे अपना आश्वासन

बिभा संवाददाता

रांची: आदिवासी छात्र संघ ने झारखंड में 2 लाख से अधिक बैकलॉग पदों पर शीघ्र नियुक्ति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया। यह विरोध प्रदर्शन केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में हुआ, जिसमें हजारों छात्रों और संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम आदिवासी कॉलेज छात्रावास करमटोली से जेल चौक तक मार्च कर पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम का संरक्षण रामकिशोर भगत ने किया।

मार्च 2022 में आदिवासी छात्र संघ ने विधानसभा का घेराव किया था, जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2022-23 में सभी बैकलॉग पदों पर नियुक्ति करने का आश्वासन दिया था। लेकिन तीन साल बीतने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि वह जल्द से जल्द अपना वादा पूरा करे और बैकलॉग पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करे।

संघ के नेताओं ने कहा कि झारखंड की पहचान आदिवासी समाज से जुड़ी हुई है, लेकिन शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सरकार की अनदेखी के कारण आदिवासी युवा पिछड़ते जा रहे हैं। उन्होंने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो यह आंदोलन और तेज किया जाएगा।

मुक्ति संस्था ने 29 अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची(बिभा) : मुक्ति संस्था के द्वारा जुमार नदी के तट पर 29 अज्ञात शवों का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया । मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर पैक कर जुमार नदी के तट पर लेकर गए इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था द्वारा अबतक कुल 1946 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास राहुल जायसवाल ने किया। मौके पर संस्था के प्रवीण लोहिया रवि अग्रवाल सौरभ बथवाल सुमित अग्रवाल आर के गांधी सीताराम कौशिक विकाश विजयवर्गीय दिनेश गाबा आदित्य शर्मा संदीप कुमार पंकज खिरवाल हरीश नागपाल विनोद सिंहा व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खेलो इंडिया वीमेन अस्मिता वुशु सिटी लीग संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची : ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम मे खेलो इंडिया वीमेन अस्मिता वुशु सिटी लीग सम्पन्न हो गयी. प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि रांची के विधयक सी पी सिंह ने महिला सशक्तिकरण के इस प्रयाश और इसके सकारात्मक पहलु के ऊपर चर्चा की. प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने झारखण्ड मे वुशु खिलाड़ियों के बढ़ते कदम की भूरि भूरि प्रशंसा की. उन्होंने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की.

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित प्रोफेसर विजय कुमार सिंह रजिस्ट्रार, सरला बिरला यूनिवर्सिटी ने इस बात की कामना की खेलो इंडिया के इस सिटी लीग से महिला खिलाड़ियों मे इस खेल के प्रति रुझान काफी बढ़ा है. इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप मे उपस्थित उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार अनिल कुमार मिश्र ने भी अपने उदगार व्यक्त किये.

सिटी लीग के अवसर पर खेल कूद विभाग के अवर सचिव श्री राजेश कुमार और जूनियर फेलो कंसलटेंट मणिकांत कुमार,चंचल भट्टचार्य,डॉ कविता सिंह, मिथलेश साहू,आर्मी स्कुल के प्रिंसिपल श्री अभय सिंह, प्रियदर्शी अमर, उदय साहू, शैलेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र दुबे ने अपनी उपस्थिति से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

इस लीग के सफल संचालन मे अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, दीपक गोप, रत्नेश कुमार,सुशील कच्छप कार्तिक राम, मनोज कर्मकांर, वाहिद अली, श्रेया कुमारी,सुशांति तोपनो, विमला टोप्पो, पल्लवी गाड़ी,वासुदेव टोप्पो, सोनी मिंज, आकाश उरांव,कृष्णा, अंकित प्रियदर्शी, अभिनव प्रियदर्शी आदि का योगदान रहा.

ज्ञातव्य है की वुशु अस्मिता सिटी लीग का आयोजन पुरे भारत के 25 सीटी मे किया जा रहा है.

पदक विजेता खिलाडी

स्वर्ण पदक : महक कुमारी अर्पिता सिंह सौम्या कुमारी श्रेया कुमारी आस्था उरांव प्रिया गारी आरोही कुमारी जानवी कुमारी लिपिका श्रेष्ठ पूजा कुमारी शिवांगी . सिंह आहना सिंह तूलिका टोप्पो प्रगति निधि . सोय मनत कुमारी आराधना रानी मान्या गुप्ता रितिका कुमारी बबली कुमारी आयुषी उरांव जिज्ञासा शिला कुमारी चांदनी लक्ष्मी कुमारी लक्ष्मी आरुषि तिग्गा अर्चना कच्छप निशा कुमारी अनिशा कुमारी

रजत पदक : नसरीन ऋतू हेमब्रोम पंचमी कुमारी सुनीता कुमारी दीपिका कुमारी पंखुरी सारदा शिल्पी कुमारी सायेशा सिंह प्रियंका कुमारी अनीता कुमारी बेबी कुमारी आरती कुमारी मनीषा कुमारी अर्पिता सिंह प्रतिमा कुमारी गरिमा सुरीन सुलेखा कुमारी अनिशा टोप्पो नव्या परही प्रियांशु गारी विवेका कुजूर जाया कच्छप स्नेहा छाया निशि उरांव प्रियंका कुमारी विद्या रानी सहदेव

काँस्य पदक : जिया प्रिया कुमारी रूबी असुर श्रुति कुमारी लक्ष्मी कुमारी काव्या शाह पूजा कुमारी अनुष्का लकड़ा मोनालिसा तिग्गा सुषमा कुमारी काव्या कुमारी निशा मिंज जाती कुमारी संतोषी कुमारी टुसुमानी कुमारी चंपा कुमारी माहिम तन्मय आराध्या कुमारी आकृति भगत मोनिका उरांव शिवानी अल्पना परिधि उरांव अक्षा सोनालिका कुमारी दीपा उरांव सुप्रिया उरांव राजश्री असफी प्रवीण वैजन्ति कुमारी खुश्बू तिर्की अंकिता माहि कुमारी अनु शवनी उरांव सोनाली प्रेरणा उरांव रानी प्रेरणा उरांव दिष्णा मित्रा।

संक्षिप्त खबरें

सेंट जेवियर्स स्कूल, सेक्टर-1 सी बोकारो स्टील सिटी में फ्रेशर्स डे कार्यक्रम

बोकारो(बिभा) : सेंट जेवियर्स स्कूल, सेक्टर-1सी, बोकारो स्टील सिटी में प्रेप वर्ग के छात्रों के लिए फ्रेशर्स डे कार्यक्रम 1 मार्च को बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती डोमिनिका ऐंड ने कुशलतापूर्वक किया। इसकी शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ईश्वरीय आशीर्वाद की प्रार्थना की गई। इसके बाद, प्राथमिक विद्यालय गान समिति द्वारा एक मधुर प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने पूरे माहौल को आध्यात्मिकता से भर दिया। इसके बाद, श्रीमती रीता कुमारी ने प्रधानाचार्य, सभी अनुभागों के उप-प्रधानाचार्य और प्रेप वर्ग के शिक्षकों का परिचय कराया और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद, आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय फादर अरुण मिंज, एस.जे. ने सभा को संबोधित किया और छात्रों के समग्र विकास पर जोर देते हुए विद्यालय की शिक्षण प्रक्रिया और मूल्यों पर प्रकाश डाला। उप-प्रधानाचार्य सिस्टर नैन्सी ने भी सभा को संबोधित करते हुए छात्रों और अभिभावकों को प्रेरणादायक संदेश दिया। इसके बाद, श्रीमती क्रिस्टीना रोज सैमुअल ने छात्रों और अभिभावकों को आवश्यक सामान्य निर्देश दिए, जिससे उनकी शैक्षणिक यात्रा सरल और सुगम हो सके। कार्यक्रम के अंत में, श्रीमती सिसी रेजी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस आयोजन को सफल और यादगार बनाने में योगदान दिया। अंत में, प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में 'जेवियर एंथम' की सामूहिक प्रस्तुति के साथ यह शानदार और प्रेरणादायक फ्रेशर्स डे समारोह संपन्न हुआ।

लड़कियों का नेतृत्व क्षमता विकसित करने को लेकर प्रशिक्षण आयोजित

बोकारो(बिभा) : लड़कियों का नेतृत्व क्षमता विकास के लिए लाइफ स्किल प्रशिक्षण का आयोजन आज सहयोगिनी द्वारा कसमार के टांगटोना पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत के मुखिया सुमित्रा कुमारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की किशोरियों के पास जानकारी का अभाव होने के कारण जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रही है । सहयोगिनी द्वारा दिया जा रहा प्रशिक्षण से उन्हें जानकारी मिल रहा है ।तथा लाइफ स्किल पर दी जा रही प्रशिक्षण से उन्हें अपने भविष्य को संवारने में काफी मदद मिलेगा। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य प्रिया देवी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में लड़कियों तथा महिलाओं को विभिन्न प्रकार की सरकार की योजनाओं की जानकारी दिए जाने से यह वर्ग विकास के मुख्य धारा से जुड़ पाएगा। प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने कहा कि लाइफ स्किल का प्रशिक्षण के माध्यम से लड़कियां अपना भविष्य में सफलता प्राप्त कर सकती है। सहयोगिनी समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि कसमार प्रखंड के 30 गांव में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा महिला हिंसा रोक थाम पर काम किया जा रहा है। रेखा देवी ने कहा कि किशोरियों का नेतृत्व क्षमता का विकास को लेकर विभिन्न गतिविधिया आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान रूपलाल महतो, मंजुश्री शंखवार, सुनीता देवी, उर्मिला कुमारी, निशा कुमारी, प्राची कुमारी खुशबू कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, ममता कुमारी, सृष्टि कुमारी, नेहा कुमारी आदि उपस्थित थी।

बोकारो में गौ रक्षक वाहिनी ने पकड़ी 6 नंदी गाय; गाड़ी चालक व तस्कर फरार

बोकारो(बिभा) : बोकारो के लकड़ी गोला के पास गौ रक्षक वाहिनी जिला अध्यक्ष बबलू पांडे ने एक गाड़ी सहित 6 नंदी गाय को पकड़ा और थाना को हवाले किया। कार्रवाई के दौरान गाड़ी चालक और संदिग्ध तस्कर मौके से फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार इस कदम से गैरकानूनी पशु तस्करी पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण मदद मिली है। पकड़ी गई गायों का उचित निरीक्षण करने के बाद उन्हें थाना में जमा कराया गया है, जिससे पशु संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक संदेश जाता है। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी है और फरार गाड़ी चालक व तस्कर का पता लगाने हेतु विस्तृत जांच चल रही है। गौ रक्षक वाहिनी द्वारा की गई इस कारवाई से क्षेत्र में पशु संरक्षण एवं कानून व्यवस्था के प्रति सजगता को दशार्या गया है। यह घटना रमजान के पहले दिन के अवसर पर सामने आई, जब धार्मिक माहौल में तस्करी की गतिविधियों में वृद्धि देखने को मिल रही है। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी है और संदिग्ध की पहचान तथा उसके संदिग्ध नेटवर्क का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

अवसादित व्यक्ति ने फांसी लगा सुसाइड किया

बोकारो(बिभा) : पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र के बरटांड़ में 55 वर्षीय किशुन बाउरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के अनुसार मृतक मानसिक रूप से कमजोर था। पुलिस फर्द बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

2017 का अधूरा वेतन समझौता पूरा करो और 2027 वेतन समझौता की तैयारी शुरू: बाबूलाल मराण्डी

बिभा संवाददाता

बोकारो : भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ का कार्यकर्ता सम्मेलन सह वनभोज सिटी पार्क में शम्भु कुमार वरीय संयुक्त महामंत्री के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। संचालन सुरेन्द्र महतो कार्यकारी महामंत्री ने किया। संघ के अध्यक्ष व भाजपा झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मराण्डी बतौर मुख्य अतिथी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि सेल प्रबंधन कर्मचारियों के साथ अन्याय कर रहा है। अभी तक 2017 का वेतन समझौता अधूरा है। कर्मचारियों को 39 महीने का एरियर व पर्क्स का मामला सेल प्रबंधन ने उलझा रखा है साथ ही ग्रॅजुईटी पर सीलिंग का फैसला कर के कर्मचारियों को सेवनिवृति में आर्थिक नुकसान पहुँचा रही है जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए सेल प्रबंधन इसपर एनजेसीएस की बैठक बुलाकर जल्दी सुलझाए साथ ही 2027 का अगला वेतन समझौता अभी से शुरू करे ताकि यह समय से हो सके। संघ के महामंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि बिएसएल प्रबंधन अपने चहेते यूनियन के नेतागण को गोद में बैठा के रखे हुए है जिनके माध्यम से ये कर्मचारियों को बर्गला कर रखे हुए है। उन्होंने बिएसएल प्रबंधन से मांग किया कि मान्यता प्राप्त यूनियन का चुनाव गुप्त मतदान से जल्द करवाए और वाईऐबल यूनियन की सूची पूर्णरविचार करें। उन्होंने एनजेसीएस में सिर्फ कार्यरत कर्मचारी नेता को ही जगह देने की बात कही और इनसेन्टीव रिवार्ड का मनी टेबल को रिव्यू किया जाए।

एस पी तिवारी ट्रेड यूनियन कॉ - ऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) के केन्द्रीय महासचिव एस पी तिवारी और बीरांची नारायण पूर्व विधायक बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे और संघ के सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिएसएल में मैनपावर की कमी को दूर किया जाए और कर्मचारियों की मृत्यु किसी भी परिस्थिति में होने से उनके आश्रित को बिना शर्त नियोजन दिया जाए। वक्ताओ ने कहा कि आजकल सयंत्र में दुर्घटनाये बढ़ गयी है। नियोजन हेतू आश्रितों की अधिकतम उम्र सीमा एवं योग्यता की बाध्यता को हटाया जाए। ठेका श्रमिकों को कर्मचारियों की तरह ड्यूटी के एक घंटा पहले और ड्यूटी के एक घंटे बाद रास्ते में दुर्घटना होने पर उनके आश्रितों का नियोजन का प्रावधान बनाया जाए। इएसआईसी के अंतर्गत ठेका श्रमिकों के इलाज हेतू राशि को कम से कम 30,000/- किया जाए। मेडिकल टेस्ट को आधार बनाकर ठेका श्रमिकों को नियोजन से नहीं हटाया जाए।

कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से कमलेश कुमार कार्यकारी अध्यक्ष, सत्यनारायन ठाकुर उपाध्यक्ष, मुकेश कुमार संयुक्त महामंत्री, आर के श्रीवास्तवा कोषाध्यक्ष, एस के सिंह उपकोषाध्यक्ष, राकेश कुमार, सुशील कुमार सचिव, दिलीप कुमार, राजेंद्र महतो, दिनेश मांझी, अशोक शर्मा, असंगठित क्षेत्र के संयुक्त महासचिव जय नारायन मरांडी, विनोद यादव, प्रेमचंद झा, संजय शर्मा, जय प्रकाश यादव, रामा शंकर शर्मा, संतोष टक्हगर, सुजित राण' आदि मौजूद थें।

डीपीएस बोकारो के रूपेश के 'रक्षक' प्रोजेक्ट को अपनाएगी भारत सरकार, मिला पेटेंट

अब एक्सीडेंट होते ही अस्पतालों को मिल जाएगी सूचना और समय पर पहुंच सकेगी एंबुलेंस

परिजनों और पुलिस को भी तत्काल हो जाएगा फोन, उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. गंगवार ने दी बधाई

बिभा संवाददाता

बोकारो : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास दिशा में डीपीएस बोकारो की कटिबद्धता ने एक बार फिर अपना रंग दिखाया है। विद्यालय का छात्र रहे रूपेश कुमार के वैज्ञानिक नवाचार संबंधी प्रोजेक्ट 'रक्षक' को अब भारत सरकार अपनाने जा रही है। सड़क हादसों में लोगों की जान बचाने में काफी महत्वपूर्ण उसके इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार ने 'इंस्पायर मानक अवार्ड स्कीम' के तहत पेटेंट प्रदान किया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीनस्थ राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन) की ओर से इससे संबंधित सारी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। अब संभावना है कि आनेवाले दिनों में कार बनाने वाली कंपनियां उसके इस प्रोजेक्ट को इस्तेमाल करेगी और सड़क दुर्घटनाओं में समय रहते लोगों की जान बचाई जा सकेगी। बता दें कि रूपेश ने एक खास डिवाइस और मोबाइल एप्लीकेशन - रक्षक तैयार किया है। इसकी मदद से दुर्घटना होने के साथ ही संबंधित घटनास्थल के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी अस्पतालों को कॉल और एसएमएस के जरिए वाहन के लोकेशन के साथ सूचना मिल जाएगी। इससे सही समय पर घायल व्यक्ति तक एंबुलेंस पहुंचाई जा सकेगी। इतना ही नहीं, अस्पतालों के साथ-साथ वाहन में सवार लोगों के परिजनों और पुलिस को भी तत्काल सूचना मिल सकेगी। इसके अलावा उक्त एप में रजिस्टर्ड आसपास के कार चालकों को भी लोकेशन व सूचना मिल जाएगी। घर-परिवार के लोगों को भी अलर्ट मिल जाएगा। रूपेश की इस उपलब्धि से डीपीएस बोकारो परिवार में हर्ष है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इसके लिए उसे बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है। रूपेश प्रतिभाशाली छात्र रहा है। उसकी वैज्ञानिक कुशलता को विद्यालय ने पहचाना और तराशते हुए आज यह मुकाम दिलाया कि उसे सरकार से पेटेंट मिल सका। उसके द्वारा बनाया गया रोड सेफ्टी डिवाइस सड़क-सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी अहम है।

जून में जापान टूर पर भेजेगी सरकार

डीपीएस बोकारो से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के लिए चयनित होने वाले रूपेश को तीन महीने बाद जून 2025 में जापान टूर का भी मौका मिला है। उक्त योजना के तहत अंतिम चरण में चयनित होने पर उसे पुरस्कार-स्वरूप लगभग आठ लाख रुपए की पुरस्कार-राशि भी मिलेगी और राष्ट्रपति भवन में चार दिनों तक आतिथ्य का अवसर भी मिलेगा। अपनी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता तथा डीपीएस बोकारो परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए रूपेश ने कहा कि जिस तरह का सेफ्टी डिवाइस उसने बनाया है, अगर कार निमार्ता कंपनियां पहल करें, तो वह अपने आइडिया को व्यापक स्तर पर धरातल पर उतार सकता है। इससे दूसरा फायदा यह भी होगा कि सभी वाहन चालकों का डाटा एक जगह सुरक्षित रह पाएगा। साथ ही, सड़क हादसों के समय मिलने वाले लोकेशन के आधार पर संबंधित इलाके के एक्सीडेंट जोन की भी जानकारी मिल सकेगी।

उमेश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में बोकारो जिला कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक संपन्न

कांग्रेस पार्टी की नीतियों को आम जनमानस तक पहुँचाने पर जोर

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता जी के अध्यक्षता में बोकारो जिला कांग्रेस कार्यसमिति की मासिक बैठक आर के फार्म तेलगड़िया मोड़ चास में संपन्न हुई। बैठक का संचालन वरिष्ठ कोंग्रेसी सुशील कु झा ने किया।बैठक में मुख्यरूप से नवनियुक्त जिला प्रभारी सह विधायिका श्रीमती स्वेता सिंह जी उपस्थित रहे। बैठक में विशेष कर संगठन सशक्तिकरण पर गहन विचार विमर्श किया गया।मौके पर श्री गुप्ता ने कार्य समिति की मासिक बैठक को संबोधन करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीतियों को आम जनमानस तक पहुँचाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु सामूहिक प्रयास करने की प्रतिबद्धता है। यह बैठक नए उत्साह और समर्पण के साथ कांग्रेस संगठन को सशक्तिकरण बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगी।मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसजनों,बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारीगण,प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारीगण, एआईसीसी सदस्य,20 सूत्रीउपाध्यक्ष एवं सदस्य,सभी मंच -मोर्चा के जिलाध्यक्षों एवं सभी प्रखंड/नगर/कार्यकारी अध्यक्षों, मण्डल अध्यक्षो समेत बोकारो जिला के ऊजार्वान कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

स्वदेशी जागरण मंच की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

संगठन को विस्तार देने में नारी सशक्तिकरण की मिशाल थी स्वर्गीय मंजू सिन्हा : बरियार

बिभा संवाददाता

बोकारो : स्वदेशी स्वदेशी जागरण मंच बोकारो की ओर से यहां के सेक्टर तीन स्थित पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मंच के राष्ट्रीय मेल प्रमुख सचिन्द्र कुमार बरियार जी की धर्म पत्नी स्वर्गीय मंजू सिन्हा जी के चित्रपट पर सभी ने बहुत ही नाम आंखों से पुष्पांजलि अर्पित की । इस चतुर्दिक कष्ट के वातावरण में सभी परिवार जनों को संबल प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय प्रवास पर आए हुए सतीश कुमार जी ,(राष्ट्रीय संगठक स्वदेशी जागरण मंच)ने पुष्पांजलि अर्पित किया और श्रद्धांजलि में एक श्रेष्ठ कार्यकर्ता के परिवार जीवन दर्शन पर प्रेरणादाई मार्गदर्शन किया । वहीँ सचिन्द्र बरियार जी ने भी अपने धर्मपत्नी की चित्रपट पर पुष्प अर्पित किए और श्रद्धांजलि में अपने संस्मरणों को याद करते हुए कहा कि संगठन को विस्तार देने में नारी सशक्तिकरण की मिसाल थी स्वर्गीय मंजू सिन्हा । जिन्होंने स्वदेशी जागरण मंच को बोकारो में फलने फूलने और सफलतापूर्वक स्वदेशी आंदोलन को गति देने का काम किया ।

क्षेत्र संयोजक अमरेन्द्र सिंह जी, अजय उपाध्याय, पूर्व विधायक बिरंची नारायण, अजय कुमार चौधरी जी जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, सुजीत कुमार, डाक्टर अनिनदो मंडल, जयशंकर जी, नवीन सिन्हा जी, अजय कुमार सिंह,अमरजी सिन्हा, कुमार संजय प्रेम प्रकाश,विकास वर्मा, अशोक रंजन, अवधेश कुमार ,ददन प्रसाद भारतीय मजदूर संघ के विनोद कुमार ,प्रशांत कुमार, सुशील कुमार, कौशल किशोर, पूनम सिन्हा ,रीता श्रीवास्तव, अनुजा सिंह, आशा सिंह, राधा सिंह, मनोरमा चौधरी ,सिद्धेश नारायण दास, साहित्य परिषद के गोस्वामी जी पाठक, विपिन ठाकुर सहित सभी कार्यकर्ता एवं नगर के प्रमुख लोगों ने श्रद्धांजलि सभा में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदनाएं व्यक्त की । कार्यक्रम की शुरूआत बोकारो गुरुद्वारे के ग्रन्थि साहब द्वारा पुण्य आत्मा के सद गति लिए अरदास के साथ हुई। ओम शांति शांति शांति।

सुधा डेयरी बोकारो ने किसानों के बीच किया लाभांश वितरण

बिभा संवाददाता

बोकारो : सुधा डेयरी बोकारो द्वारा नारायण दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति के पशुपालकों किसानो के बीच अंबिका विवाह मंडप सेक्टर 9 में वार्षिक लाभांश का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि सुधा डेयरी के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी नवीन कुमार एवं प्रापण पदाधिकारी राजेश रमन उपस्थित थे जिनका समिति की ओर से सम्मानित किया गया।

मौके पर मुख्य कार्यपालक नवीन कुमार ने किसानों के बीच दुग्ध उत्पादक पशुपालको को दूध कैन बाल्टी मिठाई आदि बांटी साथ ही पशुधन के विकास के लिए जरूरी जानकारी साझा किया।

प्रापण पदाधिकारी राजेश रमन ने सभी किसानों को जागरुक करते हुए कहा कि सुधा डेयरी हर वर्ष अपने किशन पशुपालकों के बीच लाभांश वितरण करती है जिससे पशुपालकों में कुछ अच्छा और नया करने की ललक रहती है।

बोकारो राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव ने कहा कि बाजार में जो सुधा उत्पाद उपलब्ध करवा रही है वह पशुपालकों के सहयोग से ही संभव हो पा रहा है।

प्रदेश महासचिव घनश्याम चौधरी ने सभी को जानवरों की साफ सफाई एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान रखने की अपील की। समिति के सचिव जितेंद्र नारायण यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर इसी प्रकार पशुपालक मेहनत करेंगे तो आगामी वर्ष में दुग्ध उत्पादन की क्षमता को हम और बढ़ा सकेंगे।

मौके पर अजय यादव विपुल यादव कुंदन गुप्ता सीताराम यादव मसूदन पहलवान जोगिंदर यादव उमेश तिवारी सुनील यादव नागेश्वर यादव अक्षय यादव डॉक्टर गोपाल शंकर महतो उर्मिला देवी अधिनियम यादव बाला यादव अजीत यादव कोनू यादव पप्पू सिंह अनिता राय सहित सैकड़ो की संख्या में किसान पशुपालक गण मौजूद थे।

क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ 7 मार्च को कोक-ओवन और ब्लास्ट फर्नेस का करेंगे चक्काजाम

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक-ओवन एवं कोक-केमिकल्स विभाग के मजदूरों ने दिनांक 7 मार्च को क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (हिन्द मजदूर सभा) द्वारा मजदूरो के लंबित मांगों के समर्थन में आहुत चक्काजाम के पक्ष में मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय पर विशाल आक्रोश प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह कहा कि प्रबंधन के कथनी और करनी मे आसमान जमीन का फर्क है।हर वार्ता मे इन्होंने वचन दिया था कि मेडिकल चेकअप की खामियों को दूर करेंगे। मगर आज महीनो बीत जाने के बाद भी कुछ नहीं हुआ बल्कि स्थिति और बदत्तर हो गई है।सैकड़ो मजदूर कार्य से बाहर है।सुध लेने वाला कोई नहीं है।स्किल्ड मजदूर जो ईएसआईसी से बाहर हो चुके हैं, अपने और अपने परिवार के ईलाज के लिये दर दर भटक रहे हैं। अधिकिरी मस्त हैं, मजदूर मरे तो मरे।इनकी नीति तो देखिये एक तरफ ये ए.डब्लू.ए. को वेज का भाग नहीं मानकर ए.डब्लू.ए. का पी. एफ. नहीं काटते हैं,मगर दूसरी और ईएसआईसी मे ए.डब्लू.ए. को वेज का भाग बतलाती है ताकि इन्हें ईलाज से वंचित रख सके ।मतलब हर तरफ से शोषण सिर्फ शोषण इनकी एकमात्र नीति है।सुरक्षा की बात हीं मत कीजिए। बस राम भरोसे चल रहा है।दुर्घटना आये दिन हो रही हैं, अधिकारी लीपापोती में व्यस्त हैं।

परमानेन्ट मजदूरों का भी यही हाल है।एरियर,इंसेंटिव रिवार्ड डकार कर उत्पादन का श्रेय लेकर खुद अपनी पीठ थपथपा रहें हैं, दारू पार्टी जोरो पर है मगर उत्पादन करने वाले मजदूर के हाथ खाली हैं।कोर्ट पैन्ट वाले मस्त हैं।अब बहुत हुआ,कोरे आश्वासन से काम नहीं चलेगा।हम संघर्ष से भी अधिकार लेना बखूबी जानते हैं। ' याचना नहीं अब रण होगा, संघर्ष हीं समाधान लायेगा'। 7 मार्च को कोक-ओवन और ब्लास्ट फर्नेस का चक्काजाम रहेगा।

अन्त में श्री सिंह ने मजदूरो से अपील करते हुए कहा दलालो को लगा दिया गया है,हमारी एकता को तोड़ने की हर साजिश होगी, मगर एक बार फिर हमारी एकता हमारी विजय का मार्ग प्रशस्त करेगी। 7 तारीख को मजदूर आन्दोलन में हमेशा याद किया जायेगा।प्रदर्शन को श्री सिंह के अलावे आर के सिंह, शशिभूषण, जुम्मन खान, हरेराम, नागेंद्र कुमार, अमित यादव, सिराज अहमद, टुनटुन सिंह आदि ने संबोधित किया।

हजारी मोड़ के समीप एक रेस्टोरेंट में धर्मांतरण कराने का आरोप, विहिप ने किया हंगामा

बिभा संवाददाता

गोमिया: गोमिया थाना क्षेत्र अंतर्गत हजारी मोड़ के समीप एक रेस्टोरेंट में शनिवार को एक धर्म विशेष के कुछ लोगों द्वारा धार्मिक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से आए कुछ लोग कार्यक्रम कर रहे थे। इसकी सूचना जब विश्व हिंदू परिषद के कार्यकताओं को मिली तो वे अविलंब रेस्टोरेंट में पहुंचकर हंगामा किया और स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। गोमिया थाना के अवर निरीक्षक मनोज कुमार सदल बल रेस्टोरेंट में पहुंचकर मामले को शांत कराते हुए कार्यक्रम को रुकवाया। अवर निरीक्षक ने बताया कि यह एक जागरूकता कार्यक्रम था और इसके आयोजन के लिए प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली गई थी। वहीं आरएसएस के प्रांत सेवा सह प्रमुख टोली के पदाधिकारी विनय कुमार ने बताया कि एक धर्म विशेष के लोगों द्वारा गांव के भोले भाले लोगों को बहला फुसलाकर धर्मांतरण कराया जा रहा है और इस तरह के कार्य आरएसएस के लोग बर्दास्त नहीं करेंगे। कहा कि सूचना मिलते ही हमलोग रेस्टोरेंट में पहुंचकर स्थानीय पुलिस को सूचित किया और प्रशासन को बिना सूचित किए गए कार्यक्रम को रुकवाया। मौके पर विहिप के प्रखंड संयोजक सुमित कुमार,अमित कुमार, किशन कुमार,राजू कुमार, विक्की मिश्रा, विनय वर्मा आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रक्तदान शिविरः मानवता की सेवा में एक पुनीत प्रयासःसोना विनायका

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग यूथ विंग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर एक सर्वोत्तम सेवा कार्य है, जो मानवता, समाजसेवा और सहृदयता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। रक्तदान को महादान कहा गया है क्योंकि यह किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवन प्रदान करने का सबसे सरल और पवित्र माध्यम है। किसी भी स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान न केवल जीवन बचाने का कार्य करता है, बल्कि समाज में सेवा और परोपकार की भावना को भी प्रबल करता है।रक्त की आवश्यकता कभी भी, किसी को भी पड़ सकती है–किसी दुर्घटना में घायल व्यक्ति को, किसी जटिल ऑपरेशन के दौरान, थैलेसीमिया या कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीज को, अथवा गर्भवती महिलाओं को। ऐसे में, रक्तदान करना एक संजीवन शक्ति प्रदान करने जैसा कार्य है। हमारा दान किया हुआ रक्त कई जरूरतमंदों के जीवन को बचा सकता है और उनके परिवारों को राहत पहुंचा सकता है।जैन पाठशाला परिवार, हजारीबाग इस सात्विक और पुण्य कार्य की हृदय से सराहना करता है और समस्त समाजजनों से विनम्र निवेदन करता है कि वे इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

श्री श्याम रंगीलो फाल्गुन निशान यात्रा की तैयारियां पूरी आज होगा दिव्य आयोजन

हजारीबाग(बिभा) : अग्रवाल युवा मंच के तत्वावधान में आयोजित श्री श्याम रंगीलो फाल्गुन निशान यात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह भव्य और ऐतिहासिक यात्रा कल 3 मार्च को मालवीय मार्ग स्थित राणी सती मंदिर प्रांगण से शुभारंभ होगी और शहर के विभिन्न चौक-चौराहों से होकर पुनः मंदिर परिसर में संपन्न होगी।इस पावन अवसर पर पूरे नगर में भक्तिमय वातावरण रहेगा। विभिन्न चौक-चौराहों पर समाज के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और श्याम भक्तों द्वारा भव्य स्वागत एवं पुष्पवर्षा की जाएगी। जगह-जगह भजन का आयोजन होगा, जिससे पूरा नगर श्याममय हो उठेगा। यात्रा के दौरान बाबा श्याम की आरती भी किया जाएगा।फाल्गुन का महीना बाबा श्याम के भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस पावन माह में हर श्याम प्रेमी श्श्याम नामश्र की धुन में रम जाता है। अग्रवाल युवा मंच हर वर्ष फाल्गुन में इस भव्य आयोजन को संपन्न कराता है, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में लीन होकर भाग लेते हैं।इस वर्ष 251 महिला एवं पुरुष भक्त पवित्र निशान लेकर नगर भ्रमण करेंगे। इस यात्रा में 500 से अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी रहेगी, जो बाबा श्याम के जयकारों, भजन-कीर्तन और फूलों की होली के बीच इस पावन यात्रा को भव्य बनाएंगे।महिलाएं लाल-पीली साड़ी एवं पुरुष कुर्ता-पायजामा धारण कर बाबा श्याम के भजनों पर नृत्य करते हुए नगर भ्रमण करेंगे। पूरे आयोजन को ऐतिहासिक और दिव्य रूप में संपन्न करने के लिए अग्रवाल युवा मंच एवं समस्त श्याम प्रेमी पूर्ण तत्परता से जुटे हुए हैं।

राज कुमार-मंजू अजमेरा ने अपनी 50 वी शादी सालगिरह भगवान के जन्म भूमि में भदलपुर की पावन भूमि पर मनाया

हजारीबाग(बिभा): इतखोरी-भगवान शीतल नाथ की जन्म भूमी भद्दलपुर इटखोरी में हजारीवाग निवासी प्रसिद्ध उद्योग पति अनेक संस्थाओं के ट्रस्टी राज कुमार-मंजू अजमेरा ने शादी की सालगिरह पर ऋषि-स्वेता ,कुणाल-रिंकी अजमेरा परिवार ने 70 श्रावक - श्राविकाओं के साथ 1008 श्री शीतलनाथ भगवान के जन्मस्थली पर बड़ी ही भक्ति भाव आनंद के साथ शांति विधान कराने का सौभाग्य प्राप्त किया वर्तमान में जहां लोग अपनी सालगिरह जन्म दिन आदि शुभ अवसर पर होटलों में पिकनिक मनाते है . अभक्ष्यों का सेवन करते हैं वही हजारीबाग निवासी राज कुमार-मंजू अजमेरा ने अपनी 50 वी सालगिरह भगवान के जन्म भूमि में भदलपुर की पावन भूमि पर मनाया सुबह 1008 शीतलनाथ जी मे का प्रथम अभिषेक ओर शांतिधारा कर मनाई और असीमित पुण्य अर्जन किया कार्यक्रम में श्री शीतलनाथ ट्रस्ट के महामंत्री सुरेश झांझरी ने जैन राज कुमार -मंजू अजमेरा को तिलक ,माला मुकुट पहनाकर स्वागत किया और कहा कि सभी जैन श्रावक को अपना जन्मदिन ओर शादी की सालगिरह किसी तीर्थक्षेत्र में मनाना चाइये ।
झुमरी तिलैया कोडरमा के प. अभिषेक जैन शास्त्री के निर्देशन में बहुत ही भक्ति भाव के साथ संगीतमय शान्ति विधान धूमधाम से कराया गया। इस विधान में 1008 श्री शांतिनाथ भगवान के चरणों मे 120 अर्घ चढ़ाया गया। इस विधान में विशेष रूप से शामिल होने वाले प्रताप अजमेरा, भागचंद लुहाड़िया, दिलीप-पुस्पा अजमेरा, प्रदीप अजमेरा,अरुण सेठी, सुरेश-आशा विनायका, अनिल जैन,प्रेमा टोंग्या, रश्मि अजमेरा, हरख चंद जैन,प्रकाश जैन ,सौरभ जैन रामगढ ,सुनील अजमेरा कोडरमा समेत कई लोग शामिल हुए।

नाला से पानी निकासी मामले में मारपीट, चार घायल

दुमका(बिभा)। जिले के रामगढ़ थाना के धरमपुर गांव में रविवार को नाली का पानी निकासी को लेकर हुए विवाद में मारपीट, दो महिला सहित चार घायल हो गये। घायलों का इलाज फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। घायलों में मीरा देवी, पति रामप्रसाद साह, बहू चंपा देवी एवं उसका पति विनय साह है। घायल चंपा देवी ने बताया कि नाला से पानी निकासी नहीं होने पर नाला में जाम किए कपड़ा निलाने में विवाद में दूसरे पक्ष ने मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में सास-बहु सहित पूरे परिवार को चोट आयी है। आरोपित पक्ष संजीत कुमार गुप्ता, राजीव कुमार गुप्ता, राजकुमारी देवी, कन्हाई प्रसाद साह, रूपा देवी, राजनंदनी देवी सहित अन्य शामिल है। नगर थाना पुलिस मामले में फर्द बयान दर्ज कर रामगढ़ थाना पुलिस को जांच और कार्रवाई को अग्रसारित करेगी।

हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल में दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन, 58 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल में दिन रविवार को दीक्षांत समारोह-2025 कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, विशिष्ट अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के परिक्षा नियंत्रक सुनील कुमार दुबे, डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, परी फाउंडेशन के निदेशक रोली गुप्ता, डेंटल कॉलेज के प्राचार्य के श्रीकृष्ण एवं उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसमें बीडीएस में ग्रेजुएट 49 विद्यार्थियों एवं एमडीएस में पोस्ट ग्रेजुएट 09 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट वितरण किया गया। कुल 58 विद्यार्थियों को डिग्री मिली। श्टोपी फेंकनेश्र एवं सामुहिक फोटो सेशन सहित पारंपरिक समारोहों में भी भाग लिया। अतिथियों ने डिग्री प्राप्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को हौसला बढाया एवं उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मन मोहक संस्कृतिक कार्यक्रम से दर्शकों का मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर की शोभा बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने भीड़ को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने करियर निर्माण में तीन करुणा, चरित्र और योग्यता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपना उदाहरण दिया जिसने दर्शकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की परिस्थिति का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए और जिंदगी कभी भी हमारी परीक्षा ले सकती है। विशिष्ट अतिथि विभावि के परीक्षा नियंत्रक सुनील कुमार दुबे ने छात्रों से नैतिक बने रहने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध रहने और समाज की सेवा करने के लिए कहा। उन्होंने प्रत्येक छात्र को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी। डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने सभी स्नातकों और स्नातकोत्तरों को बधाई दी और उनके जीवन में सफलता की कामना की। उन्होंने चिकित्सा को एक महान पेशे के रूप में बताया और उनसे चिकित्सा बैज की मांगों और सम्मान पर खरा उतरने को कहा। प्राचार्य डॉ के श्रीकृष्ण ने पढ़ने के महत्व पर बात की और इसे जीवन भर एक छात्र के रूप में पढ़ाना चाहिए ताकि कोई भी उत्कृष्टता हासिल कर सके। उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव ने छात्रों से समाज में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। सभी स्नातकों, उनके माता-पिता और परिवारों, एचसीडीएसएच के संकाय और कर्मचारियों सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की प्रक्रिया पूरी, हजारीबाग में सरकारी कर्मियों को मिला फायदा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : राज्य के विकास और सरकारी कामकाज में लंबी अवधि तक तक सेवा देने वाले कर्मी सेवानिवृत्ति के उपरांत आर्थिक रूप से संबल रहे इसकें लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने पुरानी पेंशन योजना फिर से (ओपीएस) बहाल कर राज्य कर्मियों को बड़ा तोहफा दिया था। मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि नई पेंशन योजना के तहत नियुक्त कोई भी सरकारी कर्मी पुरानी पेंशन योजना से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री के निदेर्शों का पालन करते हुए हजारीबाग की उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय के कुशल नेतृत्व में जिला पेंशन एवं लेखा निदेशालय, तदेन भविष्य निधि कार्यालय एवं जिला कोषागार कार्यालय ने त्वरित पहल करते हुए मात्र 2 महीने के अंदर हजारीबाग जिला में अवस्थित सभी राज्य स्तरीय कार्यालय एवं जिला स्तरीय कार्यालय के लगभग छह हजार कर्मियों, जिनकी नियुक्ति नई पेंशन योजना के तहत हुई थी, का भविष्य निधि लेखा संख्या आवंटित कर दिया है।

सेवानिवृत कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना के तहत राशि भुगतान करने की प्रक्रिया पूरी

हजारीबाग की उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय ने बताया कि वित्त विभाग के संकल्प संख्या 141-दिनांक 1 सितंबर 2023 के तहत 1 सितंबर 2022 के पूर्व सेवानिवृत्त वैसे कर्मियों, जिन्हें सेवा निवृत्ति के पश्चात नई पेंशन योजना (एनपीएस) राशि का भुगतान नहीं हुआ है, के लिए एनपीएस खाता में जमा राशि में से सरकार के अंशदान एवं लाभांश की राशि का भुगतान सरकार के खजाने में जमा कराकर उन्हें पुरानी पेंशन योजना का लाभ प्रदान करते हुए पेंशन भुगतान करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि इस श्रेणी में वैसे कर्मी शामिल थे जो दैनिक वेतनभोगी/ संविदा के रूप में नियुक्त हुए थे और जिन्हें राज्य सरकार द्वारा नियमित किया गया था। वहीं, 01.09.2022 के पूर्व सेवानिवृत वैसे कर्मी जिन्हें न्यू पेंशन स्कीम के तहत जमा राशि का भुगतान हो चुका है तथा वे पुरानी पेशन योजना का लाभ लेने के इच्छुक है . वैसे सेवानिवृत कर्मियों से न्यू पेंशन योजना से प्राप्त राशि चालान के माध्यम से सरकारी खजाने में जमा कराकर उन्हें पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया गया।

उपायुक्त हजारीबाग के व्यक्तिगत रुचि एवं प्रयासों का मिला सकारात्मक परिणाम

उपायुक्त नैंसी सहाय के मार्गदर्शन में जिला कोषागार पदाधिकारी सह - पेंशन एवं लेखा पदाधिकारी उज्जवल कुमार चौरसिया द्वारा हजारीबाग जिला अंतर्गत मुख्यालय से प्राप्त 48 सेवानिवृत्त कर्मी, के अलावे वैसे कर्मी जो सेवानिवृत्ति के पश्चात अपने-अपने घर चले गए थे तथा कार्यालय के पास उनके वर्तमान आवासीय पता एवं मोबाइल नंबर भी उपलब्ध नहीं था,से संपर्क स्थापित कर कार्यालय बुलाकर एनपीएस में जमा सरकारी अंशदान एवं लाभांश की राशि चालान के माध्यम से सरकारी खजाने में जमा कराया गया और उनके पेंशन प्रपत्र को भर कर महालेखागार कार्यालय, झारखंड, रांची को उपलब्ध करा दिया गया है। साथ ही साथ वैसे छुटे हुए सेवा निवृत कर्मी जो किसी कारण से अभी तक पुरानी पेंशन योजना का लाभ नहीं ले पाये है,उन्हें भी सरकार के इस सराहनीय कार्य (पुरानी पेंशन योजना) का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे है। पेंशन कार्यालय द्वारा सेवानिवृत दिव्यांग पेंशनरों को पेंशन की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु महालेखाकार द्वारा उपलब्ध कराये गये प्राधिकार पत्र के आधार पर उनके घर जाकर पेंशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ।

मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : मारवाड़ी कॉलेज में रविवार को प्राचार्य डॉ मनोज कुमार के निर्देशन में आइक्यूएसी सेल और एनएनएस द्वारा एक सभा का आयोजन हुआ। सभा में केंद्रीय मानसिक चिकित्सा संस्थान काँके राँची द्वारा मारवाड़ी कॉलेज में शराब और नशीली दवाओं एवं विशेष स्मार्टफोन इंटरनेट का उपयोग ऑनलाइन गेमिंग का उपयोग से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता कर नशामुक्ति संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ । जिसका समन्वयक तृषा शानबाग औषधि उपचार केंद्र समन्वयक प्रशिक्षण एवं क्षेत्र समन्वयक मेघा केशरी,धनंजय हेंब्रम, कामेंद्र कुशवाहा, सुनील उरांव उपस्थित होकर छत्रों को गेम्स और पोस्टर के माध्यम से विषय की गंभीरता को समझाया ।
इस कार्यक्रम का संचालन हेड एंड इन कॉमर्स डॉ आर आर शर्मा एवं डीएसडब्ल्यू डॉ अरुण चाकरवर्ती ने किया, पोस्टर मेकिंग कंपटीशन डॉ अमन पांडेय, प्रो विशाल कुमार प्रो अरविंद आनंद द्वारा किया गया, एवं धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर श्री अनुभव चक्रवर्ती एवं गणित विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ धनश्याम प्रसाद ने किया साथ ही साथ मारवाड़ी कॉलेज के स्वयंसेवकों अनुराग कृष्ण ,नीतीश पाठक, सौरभ , अभिजीत, अंश ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

चौपारण की मौत की घाटी में फिर हादसा, कंटेनर और ट्रक की टक्कर में चालक गंभीर रूप से घायल

बिभा संवाददाता

चौपारणः दनुआ घाटी, जिसे ह्यमौत की घाटीह्न कहा जाता है, में आज फिर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार कंटेनर ने सब्जी लदे ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका चालक अंदर ही फंस गया।

ग्रामीणों ने किया रेस्क्यू, एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का चालक लवकुश वाहन के भीतर ही दब गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल लवकुश को एनएचएआई की एंबुलेंस से चौपारण स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है।

कोलकाता से आगरा जा रहा था ट्रक

जानकारी के अनुसार, सब्जी से भरा यह ट्रक कोलकाता से उत्तर प्रदेश के आगरा की ओर जा रहा था। हादसे के बाद सड़क पर जाम की स्थिति बन गई, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नियंत्रित किया।

दनुआ घाटी में हादसों का सिलसिला जारी

दनुआ घाटी में लगातार हो रहे सड़क हादसे प्रशासन के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। इस खतरनाक घाटी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जरूरत है कि प्रशासन जल्द से जल्द उचित कदम उठाए, ताकि लोगों की जान सुरक्षित रह सके।

सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से उपकरण के लिए 588 दिव्यांगों का हुआ पंजीकरण

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से भारत सरकार की एपिड योजना के तहत एलिम्को द्वारा रविवार को हजारीबाग नगर प्रेक्षागृह सभागार में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक यंत्र/उपकरण उपलब्ध कराने हेतु पंजीकरण सह परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें हजारीबाग जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 588 दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों का अनुभवी और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने दिव्यांगता का परीक्षण किया और सभी का पंजीकरण कर आवश्यक सहायक यंत्र/ उपकरण के लिए सूची तैयार की गई तथा उनसे जरूरत के दस्तावेज यथा आधार कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड/ऑनलाइन कार्ड, राशन कार्ड/ आय प्रमाण पत्र की छायाप्रति और एक फोटो जमा कराया गया।इस शिविर की विधिवत शुरूआत पूर्व निर्धारित समय के मुताबिक सुबह 10:00 बजे से हुई जो संध्या 5:00 बजे तक निर्बाध रूप से चला। शिविर में सुबह से ही दिव्यांगों का भीड़ उमड़ने लगा जो लगातार जारी रहा। उनका पहले पंजीकरण किया गया जिसके बाद चिकित्सीय परीक्षण के उपरांत उन्हें विदा किया गया ।उक्त शिविर में खुद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल उपस्थित हुए और दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए उनके संवाद करते दिखे। दिव्यांगजनों के पंजीकरण से लेकर उनके परीक्षण तक की व्यवस्था की जानकारी ली जिसके बाद दस्तावेज के अभाव में यहां पहुंचे कई दिव्यांगों का उन्होंने एलिम्को के चिकित्सकों और कर्मियों से यह कहकर पंजीकरण कराया कि जिनका दस्तावेज फि लहाल उपलब्ध नहीं हैं उनका भी बाद में उपलब्ध करा दिया जाएगा तब तक उनका पंजीकरण कराकर जरूर रखें।
मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि हमारे प्रयास से भारत सरकार की कंपनी टीम एलिम्को को प्रेरित करके यह कैंप लगवाया गया है। यह कैंप हजारीबाग जिले के लिए मुख्यतः है ऐसा ही कैंप कल रामगढ़ जिले के लिए रामगढ़ नगर भवन में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस कैंप में माध्यम से दिव्यांगों का जरूरी कागजात के साथ शारीरिक जांच परीक्षण कर लोगों का असेटमेंट किया जाएगा की किनको बैट्री संचालित साइकिल, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर, कान का मशीन, बैसाखी, कमर का बेल्ट, घुटने का बेल्ट, वॉकर, कमोड व्हील चेयर, घड़ी जैसे उपकरण का जरूरत है, उन्हें चिन्हित किया गया। कैंप में चिकित्सक लोगों के इस जरूरत के अनुरूप एक प्रिस्क्रिप्शन तैयार किए और फिर उनके जरूरत के मुताबिक उन्हें सहायक यंत्र/ उपकरण उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि दोबारा कैंप लगाकर चिन्हित किए गए लोगों को सयाहक यंत्र/ उपकरण उपलब्ध कराया जाएगा। सांसद श्री जायसवाल ने बताया कि इस कैंप से एक तो हमारे पास एक रिकॉर्ड बन जाएगा कि हमारे क्षेत्र में कितने जरुरतमंद दिव्यांग है। हमलोग प्रयासरत हैं कि पैर से जो 50% दिव्यांग हैं उनको किसी दूसरी योजना के तहत मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध करा सकें ताकि दिव्यांगों के सम्मान के साथ उनका कल्याण हो सकें ।

संगठन महापर्वः संगठनात्मक चुनाव को लेकर बीजेपी हुआ रेस

भाजपा जिला पर्यवेक्षक पूर्व राज्यसभा सांसद, जिला प्रभारी सहित सांसद ने कार्यकताओं संग की बैठक

बिभा संवाददाता

हजारीबागः संघटनात्मक चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश रस होता है। मंडल स्तर के चुनाव को लेकर सभी मंडलों के कार्यकताओं को टास्क दिया जा रहा है। इसी निमित्त रविवार को हजारीबाग जिला भाजपा कमिटी का एक महत्वपूर्ण बैठक सांसद मनीष जायसवाल के सेवा कार्यालय सभागार में आयोजित हुई। जिसमें विशेषरूप से पूर्व राज्यसभा सांसद सह जिला पर्यवेक्षक समीर उरांव, जिला प्रभारी विनोद सिंह, जिला सह प्रभारी टुन्नु गोप सहित अन्य कई गणमान्य लोग शामिल हुए और जिले के उपस्थित बीजेपी के प्रमुख मंडल कार्यकताओं को संबोधित कर कई टास्क दिया ।मौके पर संगठन चुनाव के जिला पर्यवेक्षक सह पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव ने कहा कि आगामी 17 मार्च से 19 मार्च तक बीजेपी मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया जाना है तत्पश्चात 19- 25 मार्च तक जिला अध्यक्षों का चुनाव किया जाना है। जिसे लेकर आप सभी कार्यकर्ता बूथ कमिटी का गठन कर लें अगर 12 नहीं होता है तो कम से कम पांच सदस्यीय कमिटी का गठन कर लें और बाद में बूथ कमिटी का विस्तार करें। हजारीबाग जिला जनसंघ काल से संगठन के मामले में अग्रणी भूमिका में रहा है और मुझे विश्वास है कि आप अपने प्रदर्शन को अव्वल बनाए रखेंगे। जिला प्रभारी विनोद सिंह ने कहा कि जिला में सभी बूथों का गठन कर ले ताकि जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो सके। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि समयसीमा के अनुरूप हजारीबाग जिले में संगठन का चुनाव संपन्न कर लिया जाएगा। मंडल अध्यक्षों के रिपोर्ट के आधार पर लगभग सभी बूथों पर बूथ कमिटी का गठन हो गया है। निर्धारित समय पर हजारीबाग जिले में चुनाव संपन्न हो जाने से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में हजारीबाग का सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगा ।
कार्यकताओं को विशेषरूप से के. पी ओझा और भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने भी संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री सुनील मेहता द्वारा की गई। मौके पर विशेषरूप से जिला सह प्रभारी टुन्नू गोप, के.पी.ओझा, दामोदर सिंह, रेणुका साहू , सुनील मेहता, सुमन कुमार ,जय नारायण प्रसाद ,नंदकुमार नंदू, कुंवर मनोज सिंह, खोखा सिंह ,अंबिका सिंह, गणेश यादव ,सरवेश सिंह, रमेश ठाकुर , शेफाली गुप्ता ,अशोक यादव ,विवेक बैरियर , रणधीर पांडे, प्रकाश कुशवाहा ,अशोक कुशवाहा ,अरुण राना ,कृष्णा मेहता, कैलाश यादव ,विजय गिरी, टुकेश्वर महतो ,श्वेता राणा ,विजय वर्मा उपस्थित रहें ।

फाइलेरिया की दवा का साइड इफेक्ट नहीं : डॉ अभय

देवघर। देवीपुर प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ?य अधिकारी डॉ कुमार अभय प्रसाद ने रविवार को कहा है कि फाइलेरिया की दवाओं का कोई साइड इफेक्ट् नहीं होता है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चलाये गए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान के दौरान जानकारी मिली थी। 28 फरवरी को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहरीडीह की कुछ छात्राओं को इसकी दवा खाने से पेट दर्द और उल्टी हुई। उन्होंने बताया कि यह स्कूल देवीपुर स्वास्थ्य उपकेंद्र जसियाडीह के अंतर्गत आता है। डॉ प्रसाद ने बताया कि फाइलेरिया रोधी दवाएं पूरी तरह सुरक्षित होती हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्यूस्व एचओ) की ओर से प्रमाणित हैं।

वन्य प्राणी जीवों का संरक्षण की आवश्यकता

विश्व वन्यजीव दिवस

संजय गोस्वामी

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्याान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता हैं।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरुप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।

वन्य जीव-जन्तुओं पर्यावरण व इकोसिस्टम को सुरक्षित बनाये रखने के लिए प्रयुक्त होता है जो प्राकृतिक आवास में निवास करते हैं, जैसे हाथी शेर, गैंडा, हिरण इत्यादि। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है व्यापक रूप से .वन्य जीव. प्रकृति में पाये जाने वाले सभी जीव -जन्तुओं एवं पेड़ -पौधों की जातियों हेतु प्रयुक्त किया जाता है । वर्तमान में मानव के द्वारा ऐसे कारण उत्पन्न कर दिये गये हैं, जिससे वन्य जीवों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है । इसलिए वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए 1972 में वन्य जीवन सुरक्षा अधिनियम बनाया गया है। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है। भारत कई प्रकार के जंगलों जीवों और पशु-पक्षियों का घर है। जीवों और पशु-पक्षियों का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ के पशु पक्षियों को अपने प्राकृतिक निवास स्थान में देखना आनन्दायक है व जंगली जीवों को देखने पर्यटक आते हैं। यहाँ जंगली जीवों की बहुत बड़ी संख्या है।भारत के वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचे की रचना की गयी है। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, बोटेनिकल सर्वे आफ इण्डिया जैसी प्रमुख संस्थाओं तथा भारतीय वन्य जीवन संस्थान, भारतीय वन्य अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा सलीम अली स्कूल ऑफ आरिन्थोलॉजी जैसे संस्थान वन्य जीवन संबंधी शिक्षा और अनुसंधान कार्य में लगे हैं।इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य जंगली जानवरों, पक्षियों और पौधों को प्रमाणित सुरक्षा प्रदान करना है। अपितु वन्य जीवन तथा वन - वृक्षों को सुरक्षित रखना है संभवतः विष्व में सर्वप्रथम, लगभग 300 वर्ष ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में अभयारण्यों की स्थापना की।बनारस के पास सारनाथ में एक मृग उद्यान में भगवान बुद्ध के प्रवचनों का उल्लेख भी मिलता है हिन्दू धर्म का तो मूल आधार ही यह है कि आत्मा समस्त प्राणियों में विचरण करते हुए मानव-योनि, और फिर मोक्ष-योनि में जाती है। सिन्धु-घाटी की सभ्यता (2500 ईसा पूर्व) में हाथी, शेर, गेंडा, नीलगाय, बंदर, कालाहिरण,गरूण तथा बाज पक्षियों की मूर्तिया पाई गई है। वन्यप्राणि इतनी विविधता एवं चमत्कारिक रूपों में पाये जाते है कि उनके देखने मात्र से ही सौंदर्य सुख प्राप्त होता है।। अंग्रेजी शासन काल में भी यद्यपि वन्य प्राणी संरक्षण को कुछ अधिकारियों और राजा महाराजाओं ने महत्व तो दिया लेकिन फिर भी वन्य प्राणियों के विकास में वे सफल नहीं हुए। बल्कि इसके विपरीत द्वितीय विष्व युद्ध के आसपास का समय तो वन और वन्य प्राणियों के विनाष का सर्वाधिक काला समय सिद्ध हुआ। धीरे-धीरे वैज्ञानिकों और जनसाधारण ने वनों

और वन्य प्राणियों के महत्व को समझना प्रारम्भ किया और जन आकांक्षाओं के परिणामस्वरुप विष्व के अनेक देषों में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्यों की स्थापना होने लगी।देष के संरक्षित क्षेत्र जिसमें राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य आते हैं। अनेक वन्य प्राणियों का उपयोग पशुधन के रूप में किया जाता है। भारतवर्ष में लगभग 20 मिलियन लोगों का जीवनयापन पशुधन पर निर्भर करता है। पशुधन से छोटे किसानों का लगभग 16 प्रतिशत और मझोले किसानों का 14 प्रतिशत आय प्राप्त होती है। पशुधन 2/3 गॉव की आबादी का जीवन यापन का सहारा बनती है। यह भारत वर्ष में 8.8 प्रतिशत लोगों को रोजगार प्रदान करती है। पशुधन 4.11 प्रतिशत जी.डी.पी. तथा 25.60 प्रतिशत कृषि के जी.डी.पी. में योगदान करती है। भारत वर्ष में कुल पशुधन 512 मिलयन है जिसमें कि भैंस 105.3 मिलयन है जो कि भारतीय किसानों के आमदनी का नायाब श्रोत है। केवल मत्सयोद्योग से ही विष्वभर में लगभग 1100 लाख टन भोजन प्रतिवर्ष प्राप्त होता है। इस भोजन में प्रोटिन की प्रतिषत भी अधिक होती है।भारत जैसे देश में शेरों की तादाद दिनोंदिन घटती जा रही है। लाख प्रयासों के बाद भी इनकी तादाद बढ़ाने के मामले में सरकार दावे कुछ भी करे, लेकिन नाकामी ही हाथ लगी है।नतीजतन हमारा पर्यावरण भयंकर से प्रभावित हुआ और स्तनधारी ही नहीं, पक्षियों की हजारों प्रजातियां विलुप्त हो गईं और सैकड़ों विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं विकास संस्थान के विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों का अध्ययन खुलासा करता है कि पूरी दुनिया में मानवीय गतिविधियां व्यापक स्तर पर पर्यावरण विनाश कर रही हैं और धरती में जीवन का आधार समझी जाने वाली जैव विविधता खतरनाक दर से नष्ट हो रही है। यह सबसे अधिक चिंतनीय है। इससे धरती के पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। हालत यह है कि स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृप परिवार की 10 से 30 फीसदी प्रजातियों के ऊपर विलुप्ति की तलवार लटक रही है। मिलेनियम ईको-सिस्टम एसेसमेंट के अनुसार बीते 50 सालों में आदमी ने अपनी जरूरतों की पूर्ति और लालच की खारित पारिस्थितिकी तंत्र का इतनी तेजी से विनाश किया है, जिसकी प्राचीन इतिहास में कहीं कोई मिसाल नहीं मिलती। 1945 के बाद धरती का जितना हिस्सा खेती के समतल किया गया, वनों का कटान किया गया उतना 18वीं और 19वीं शताब्दी में मिलकर भी नहीं हुआ। इसका परिणाम जैव विविधता के भारी अपरिवर्तनीय नुकसान के रूप में सामने आया। ऐसे उदाहरण भी सामने आए जब प्रकृति पर लगे घावों के परिणामस्वरूप पारिस्थितिकी तंत्र में अभतपूर्व बदलाव आए और भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा।असल में वन्य जीवों की प्रजातियों को सबसे ज्यादा यदि किसी ने नुकसान पहुँचाया है तो वह है वन्य जीवों की तस्करी और उससे होने वाला भारी मुनाफा। असलियत यह भी है कि आज विश्व में वन्य जीव तस्करी का अवैध कारोबार 25 से 30 हजार करोड़ डालर से अधिक है। यह कारोबार अब मादक पदार्थों के कारोबार से कुछ कम और हथियारों के कारोबार के करीब पहुँच चुका है।

सौंदर्य प्रसाधनों, औषधि निर्माण तो कहीं घरों की सजावट के लिए वन्य जीव अंगों की बेतहाशा मांग और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलता मुँहमांगा दाम इसके प्रमुख कारण हैं। सरकार चाहे प्रोजेक्ट टाइगर चलाए, प्रोजेक्ट एलीफेंट या आने वाले समय में प्रोजेक्ट गैंडा चलाए, जब तक देश का हर नागरिक वन्य प्राणियों के अंग, उनकी खाल का उपयोग न करने का संकल्प नहीं लेगा और लोगों में जागृति पैदा करने का अभियान नहीं चलाया जाएगा, भारत जैसे देश में तब तक कानूनों के जरिए वन्य प्राणी संरक्षण एक सपना ही रहेगा।इसके लिए गठित टास्क फोर्स कहां तक अपने उद्देश्य में कामयाब हो पाएगी, यह तो भविष्य ही बताएगा। इन्हें कौन बचाएगा? विश्व वन्य जीव कोश के अनुसार साइबेरियाई सारस, भालू, काले हिरण, बाघ और गैंडे को यदि तत्काल संरक्षण नहीं दिया गया तो ये जीव दुनिया से ही खत्म हो जाएंगे।आज देश में अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड डाटा बुक के अनुसार स्तनधारियों की 16, पक्षियों की 5 और सपीसृप वर्ग की 3 प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। 81 स्तनधारी जीवों तथा 38 पक्षी व 18 सरीसृप स्थल चर-जलचरों को तत्काल संरक्षण प्रदान किए जाने की जरूरत है।सौंस को तो लम्बे इंतजार के बाद वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची एक में जगह मिली। उसके संरक्षण के लिए मात्र एक संरक्षित अभ्यारण्य है, जो विक्रमशिला के नाम से जाना जाता है और गंगा नदी में लगभग 50 किलोमीटर के इलाके में सुल्तानगंज से लेकर कहलगांव तक फैला है।

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्याान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता हैं।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरुप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।यह संरक्षित क्षेत्र वन्य प्राणियों की नर्सरी के रुप में संधारित किये है, जिससे नर्सरी में उत्पन्न वन्य प्राणी अपनी संख्या में वृद्धि करके संरक्षित क्षेत्रें से लगे हुए क्षेत्रें के माध्यम से अन्य वन क्षेत्रें में फौलें व उनका विकास करे व प्रजनन द्वारा संख्या में वृद्धि करें। इन संरक्षित क्षेत्रें में बाघ परियोजनायें प्रचलित हैं। बाघ वन्य जीवों के पारिस्थितिकीय पिरामिड के षिखर पर स्थापित वन्य प्राणी है यदि षिखर का वन्य प्राणी स्वस्थ एवं प्राकृतिक विकास कर रहा है जो अच्छे इको सिस्टम का संकेत देता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का जयकारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेड़ियों को तोड़कर आजादी से संस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़. लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट, अपहरण, छेड़छाड़.व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़.की मौतों के आंकड़े. छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्यों/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह भरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, 'लंबित मामलों' का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ 'न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है' कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को खत्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को खत्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है। वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए, न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। यह आशा की जाती है कि सभी हितधारक-न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, सरकारें और कानूनी पेशेवर-न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन कानूनी प्रणाली में विश्वास बहाल करने और विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं। भारतीय न्यायपालिका मूल कारणों से निपट सकती है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभिनव समाधान लागू कर सकती है।

वैश्विकी : व्हाइट हाउस में महाभारत

ड़ॉ. दिलीप चौबे

व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच वाक युद्ध अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के इतिहास में दर्ज हो गया है। दुनिया में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब एक बड़े युद्ध को लेकर प्रमुख विश्व नेताओं के बीच आपस में ही घमासान मचा हो। व्हाइट हाउस में जो आग लगी है वह दुनिया भर में फैल सकती है। इसे बुझाना आसान नहीं होगा। खासकर ऐसे समय जब आग बुझाने वालों की संख्या से अधिक आग भड़काने वाले नेताओं की है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में करीब 45 मिनट चली बैठक में शुरू का आधा घंटा सामान्य कूटनीतिक विचार विमर्श का था। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन की जनता और सेना की बहादुरी की चर्चा की। उन्होंने यथाशीघ्र युद्ध विराम पर जोर दिया ताकि रक्तपात और तबाही को रोका जा सके। शुरू से ही जेलेंस्की आवेश में थे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग कर रहे थे। उन्होंने पुतिन को 'हत्यारा' और 'आतंकवादी' करार दिया। इस पर ट्रंप कुछ असहज हो गए, लेकिन उन्होंने जेलेंस्की को रोका नहीं। उन्होंने केवल इतना कहा कि दोनों दोनों पक्षों रूस और यूक्रेन के बीच घृणा का माहौल है। ऐसे में कूटनीति आगे बढ़ना मुश्किल होता है। ओवल ऑफिस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री माकाक रूबियो सहित दोनों देशों के मंत्री और अधिकारी भी मौजूद थे। उपराष्ट्रपति वेंस ने जेलेंस्की को समझने की कोशिश की कि राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन को और तबाही से बचाने के लिए कूटनीति पहल कर रहे हैं।

यह प्रयास पिछले बाइड़न प्रशासन से अलग है। इन प्रयासों के बारे में सकारात्मक रवैया अपनाने की बजाय जेलेंस्की यूक्रेन युद्ध का पूरा इतिहास बयान करने लगे। इसका निष्कर्ष यह था कि रूस और राष्ट्रपति पुतिन के साथ कूटनीति का रास्ता अपनाना बेमानी है। यह कथन अमेरिकी सरकार की यूक्रेन नीति की सीधी आलोचना थी। यहीं से व्हाइट हाउस में घमासान शुरू हुआ। जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस के कथनों पर टीका-टिप्पणी जारी रखी। उन्होंने जब वेंस से कहा कि तेज आवाज में मत बोलिए। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने रौद्र रूप अख्तियार कर लिया। उन्होंने तीखी भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि 'आप लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। आप तीसरा विभ युद्ध शुरू करना चाहते हैं।' ट्रंप इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन यदि आज कायम है तो इसका कारण यह है कि अमेरिका उसे आधुनिक हथियार दे रहा है। यदि हथियारों की आपूर्ति नहीं हो तो यूक्रेन कुछ ही दिनों में निपट जाएगा। वाक युद्ध के इस चरण में भी जेलेंस्की ने माहौल सामान्य बनाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। पूरे प्रकरण में वेंस ने जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप का अपमान कर रहे हैं। कूटनीति में ऐसे अवसर आते हैं जब नेताओं में आपस में नोक-झोंक होती है, लेकिन ऐसा बंद कमरे की बातचीत में होता है। व्हाइट हाउस में यह सब कुछ दुनिया की मीडिया के सामने हुआ। अंत में ट्रंप ने मजाक में टिप्पणी की कि टेलीविजन के लिए अच्छी खबर बनी। लेकिन उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने जेलेंस्की को सबक सिखाया। दुर्लभ खनिज के खनन के लिए होने वाले समझौते के कार्यक्रम और अगली प्रेस कॉन्फ्रेंस को रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ संदेश दिया कि जेलेंस्की से आगे बातचीत नहीं हो सकती। जेलेंस्की अगले कार्यक्रम के इंतजार में व्हाइट हाउस में बैठे रहे। इस पर प्रोटोकॉल अधिकारी ने उनसे कहा कि आप यहां से जा सकते हैं। दुनिया के सामने 'बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले' कि युक्ति चरितार्थ हो गई। लेकिन बात जेलेंस्की को फटकार सुनाये जाने पर ही नहीं रुकती। यह यूक्रेन युद्ध को जारी रखने पर आमादा खंस, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों पर भी ट्रंप का प्रहार है। अमेरिका के तटस्थ होने पर यूरोपीय देशों के लिए संभव नहीं है कि वह युद्ध को लंबे समय तक जारी रख सकें।

जहां तक अमेरिका यूक्रेन के संबंधों का सवाल है जेलेंस्की के सत्ता से हटने और नये राष्ट्रपति की नियुक्ति के बाद ही रिश्ते पटरी पर आ सकते हैं।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर।

प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।
- दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।
- दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।
- आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।
- दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।
- यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

कैसा होना चाहिए घर का मुख्य द्वार

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो। दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

- एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।
- दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।
- एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।
- ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।
- घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।
- कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।
- मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।
- मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।
- घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।
- घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

क्या कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतलब यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छठे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदथ्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

धर्म शास्त्रों में भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। सूर्य उपासना से न केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यश भी बढ़ता है।

सूर्योपासना के समय जपें ये खास मंत्र

महिलाओं को रविवार और सोमवार को सूर्योपासना से घर में समृद्धि व गर्भवती महिलाओं को गुणी पुत्र की प्राप्ति होती है। बह्मवैवर्त पुराण के अनुसार इन दिनों में खेजड़ी के पेड़ के नीचे प्रातः काल सूर्योपासना करते हुए इस मंत्र का 51 बार जाप करने से लाभ मिलता है-

नमः उग्राय वीराय सारंगाय नमो नमः।
नमः पद्मप्रबोधाय प्रचंडाय नमोस्तु ते।।
ओम आदित्याय नमः।

आत्मबल, बुद्धि, इन्द्रियों में सौम्यता, शिष्टता, काम, क्रोधादि शमन व मानसिक पीड़ा से मुक्ति के लिए इन महीनों में आने वाले हर रविवार को खेजड़ी के नीचे सूर्य के सामने बैठ इस मंत्र का 51 बार वाचन करें। पेड़ के नीचे की मिट्टी को लाकर घर में फेंकना शुभ होता है।

ओम नमः पूर्वाय गिरये पश्चिमायाद्रये नमः।
ज्योतिर्गणानां पतये दिनाधिपतये नमः।।
ओम सूर्याय नमः।

जिन महिलाओं को संतान सुख न हो, ऐसी महिलाओं को आंवले के पेड़ के नीचे अथर्ववेद के इस मंत्र का 101 बार जाप व सूर्य देव को जल सिंचन करने से संतान प्राप्ति सुख संभव है-

परिहस्त विधारय योनिं गर्भाय धातवे।
ओम भास्कराय नमः।

नीलें रंग के अपराजिता (विष्णुकान्ता) नामक पौधे के नीचे इस मंत्र का जाप करने से घर के मुकदमेबाजी व न्यायालय में विजय, घर में समृद्धि व स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम), चर्म रोग व श्वसन संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है। इस पौधे के न होने की दशा में पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर सूर्य को जल सिंचन कर इस मंत्र का 101 बार जाप करें -

ओम विश्वानिदेव सवितुः दुरितानि परांसुवः
यद् भद्रं तन्नासुवः। सूर्य कृणोतु भेशजं
चन्द्रमा वोपोच्छतु।।
ओम सूर्याय नमः।

दीर्घायु व हृदय संबंधी बीमारियों के लिए आश्विन व कार्तिक मास के प्रति रविवार बड़, ढाक, अशोक या सूर्यमुखी पौधे के नीचे आदित्य हृदय स्तोत्रम का पाठ करें या अथर्ववेद के इस मंत्र का 51 बार जाप करें -

उत सूर्योदिव एति पुरो रक्षांसि निजूर्वन।
ओम भानवे नमः।

कुशाग्र बुद्धि, इंटरव्यू में सफलता व शिक्षा से जुड़े पक्षों तथा वायु संबंधी रोगों के निवारण के लिए अथर्ववेद के इस मंत्र का पीपल के पेड़ के नीचे प्रातः काल हर रविवार इस मंत्र के जाप से मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यं जीवमश्नवामहै न स रिष्याति पुरुषः।
त्वं सूर्यस्य रश्मिभिस्त्वं नोअसियज्ञिया।।
ओम सूर्याय नमः।

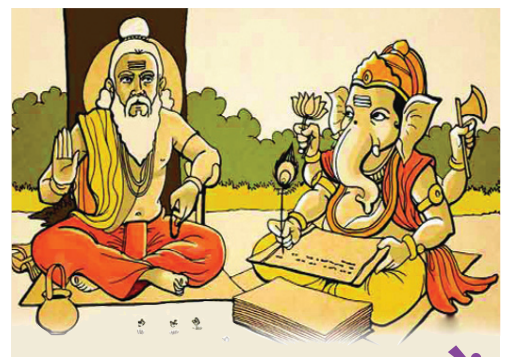

महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।
- द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।
- परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।
- इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।
- इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।
- इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर नहीं रहना चाहिए घर

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

- दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।
- भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।
- यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।
- यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।
- दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।
- सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।
- सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।
- जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

मुंबई हवाई अड्डे पर 11 करोड़ की कोकीन जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चेकिंग के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक महिला को करोड़ों रूपये की कोकीन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ब्राजील की निवासी है, जो भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। महिला शातिर तरीके से कोकीन के कैप्सूल निगलकर ब्राजील से भारत आई थी। बताया गया है कि महिला अपने पेट के अंदर करीब 11 करोड़ की कोकीन छिपाकर तस्करी कर ब्राजील से मुंबई ला रही थी, लेकिन तस्कर महिला को मुंबई एयरपोर्ट पर ही पकड़ लिया गया। डीआरआई के अधिकारियों ने उस ब्राज़ीलियाई महिला को साओ पाउलो से भारत में ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ने भी तस्करी की बात कबूल भी की है। दरअसल चेकिंग के दौरान महिला ने खुद भी स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल्स निगले थे। इसके बाद उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने 100 कैप्सूल्स बाहर निकाले। इनमें कुल 1,096 ग्राम कोकीन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग 10.96 करोड़ आंकी गई है।

महाकुंभ में स्नान करने वाले किसी को भी नहीं हुआ त्वचा रोग : पाठक

-संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं ने उठाए थे सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं पर कहा कि महाकुंभ स्नान के बाद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। दरअसल विपक्षी नेताओं ने दावा किया था कि संगम में स्नान करने के बाद कई तीर्थ यात्री बीमार हो गए। पाठक ने कुंभ के दौरान की गई साफ-सफाई की तारीफ करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों की भारी संख्या के बावजूद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि गंगा की शुद्धता और कार्यक्रम के दौरान लागू किए गए स्वच्छता उपायों की सफलता पर जोर दिया। पाठक ने कहा कि सनातन और भारतीय संस्कृति पर आज से हमले नहीं हो रहे हैं, यह हमले सदियों से हो रहे हैं। हमारे वेद, पुराणों, श्रुतियों और स्मृतियों पर कुठाराघात किया गया। उन्होंने कहा कि तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्रों को नष्ट किया गया लेकिन हमारी संस्कृति अक्षुण्ण रही और वह दुनिया को मार्ग दिखती रही। हमारी संस्कृति में मनुष्य श्रेष्ठ है, जीव जंतु और वृक्ष भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। पूरी दुनिया हमारा परिवार है। यह सनातन के मूल में है। पाठक ने कहा कि महाकुंभ में हमने देखा 90 साल की सास को उसकी बहू कंधे पर उठाकर ले जा रही है। महाकुंभ में पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से लोग आए, देश ही नहीं विदेशों से लोग आए। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक उत्सव भारत और भारतीयता का परिचायक बना है। 2014 के बाद से पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में आमूल चूल परिवर्तन आया है। आज हम गर्व से कहने लगे हैं कि हम भारतीय हैं।

अवैध तरीक से भारत में रही बांग्लादेशी महिला को कोर्ट ने दी सजा, कहा वापस भेजा जाए

ठाणे(एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक कोर्ट ने बांग्लादेशी महिला को भारत में अवैध रूप से रहने का दोषी माना है। कोर्ट ने उसे 14 माह 28 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में 27 फरवरी को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि तानिया को देश से निर्वासित किया जाए। उन?हें वापस बांग्लादेश भेजा जाए। मुकदमे के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कोर्ट को बताया कि तानिया बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के मुंबई के बाहरी इलाके में रह रही थी। कोर्ट ने कहा कि विदेशी अधिनियम के मुताबिक अपनी राष्ट्रीयता साबित करने का दायित्व आरोपी पर है। बता दें कि लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने अभी तक दर्जनों अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस उनके देश भेज चुकी हैं। कुछ मामलों में कोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणियां की है। सेशंस जज ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी का भारत में कोई स्थायी या अस्थायी पता नहीं है और वह भारतीय राष्ट्रीयता का कोई वैध प्रमाण देने में विफल रही है। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने तानिया को सजा सुनाई, जो उसने 9 दिसंबर 2023 को अपनी गिरफ्तारी के बाद से पूरी कर ली है। कोर्ट ने उसे निर्वासित करने का आदेश दिया है। इसके अलावा उसपर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने कहा कि अगर वह जुर्माना नहीं भरती है तो उसे एक महीने की सश्रम कारावास की सजा काटनी होगी।

बगैर भारत के जिक्र किए पाकिस्तान में बच्चों को पढ़ाया जा रहा इतिहास

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान की हिस्ट्री क्लास भारत से बहुत अलग है। पाकिस्तान के स्कूलों में इतिहास का सिलेबस मुख्य रूप से 'पाकिस्तान स्टडीज़' के अंतर्गत पढ़ाया जाता है। पाकिस्तान के ज्यादातर स्कूलों में इतिहास की पढ़ाई 711 ईस्वी में मुहम्मद बिन कासिम के सिंध पर आक्रमण से शुरू होती है। इसे पाकिस्तान में इस्लाम की एंट्री का प्रतीक माना जाता है। कुछ किताबों में हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता जैसी प्राचीन भारतीय सभ्यताओं का उल्लेख है, लेकिन वहां इन्हें विस्तार से नहीं पढ़ाया जाता है। इनका संबंध पाकिस्तानी पहचान से कम ही जोड़ा जाता है। वहीं, भारतीय स्कूलों में प्राचीन सभ्यताएं इतिहास का जरूरी हिस्सा हैं। पाकिस्तान स्कूल हिस्ट्री सिलेबस में मुगल काल, दिल्ली सल्तनत और अन्य मुस्लिम शासकों (जैसे गजनवी, गौरी) पर फोकस किया जाता है। इन कालखंडों को इस्लामी स्वर्ण युग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें हिंदू शासकों (जैसे मौर्य, गुप्त) या गैर-मुस्लिम इतिहास का जिक्र नहीं होता है। पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है और वहां की इतिहास की किताबों में इस बात को समझा जा सकता है। भारत में हर काल का इतिहास पढ़ाया जाता है।

भाजपा अध्यक्ष के लिए मंथन: महिला को मिल सकती है जिम्मेदारी, वनथी और दग्गुबाती की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के भीतर अध्यक्ष को लेकर विचार मंथन चल रहा है। इसमें किसके नाम पर सहमति बनेगी फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन भीतरखाने से जो निकलकर आ रहा है उसमें यही माना जा रहा है कि किसी महिला को भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसमें सुषमा स्वराज के नाम पहचान बना चुकी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन एवं आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं।

भाजपा मार्च के मध्य तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करने वाली है। यह निर्णय पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के बाद लिया जाएगा। भगवा पार्टी फिलहाल 13 से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव आंतरिक सहमति से किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के इतिहास में पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की संभावना है। इस बात की भी चर्चा है कि भाजपा दक्षिण भारत से किसी को यह जिम्मेदारी दे सकती है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि भाजपा अगर किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनती है तो महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन या आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी की दावेदारी इस पद के लिए सबसे अधिक है। 66 साल की पुरंदेश्वरी ने 2014 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी और संगठनात्मक मामलों में उनका महत्वपूर्ण अनुभव है। वर्तमान में वह आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अध्यक्ष हैं और एक तेज-तर्रार महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं।

भाषण के कारण सुषमा से तुलना

पुरंदेश्वरी को दक्षिण की सुषमा स्वराज के नाम से भी जाना जाता है। उनकी शानदार भाषण क्षमता और पांच भाषाओं में प्रवीणता के कारण उन्हें बीजेपी के समर्थकों में व्यापक स्वीकृति प्राप्त है। वहीं, वनथी श्रीनिवासन पार्टी के रणनीतिकार और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते देखा गया था। एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने बताया, वह अपनी मोर्चा के तहत कई सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह द्वारा उन पर भरोसा किया जाता है।

मछुआरों की परेशानी पर राज्यपाल रवि ने कहा, 1974 की 'गलती' के लिए द्रमुक भी जिम्मेदार

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि मछुआरों के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और इसके लिए केंद्र को दोषी ठहराने के बजाय राज्य सरकार का रचनात्मक दृष्टिकोण मछुआरों के आंसू पोंछने में काफी मददगार साबित होगा। श्रीलंका से गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की शीघ्र रिहाई की मांग करने वाले प्रदर्शनकारी मछुआरों से रामेश्वरम में मुलाकात के बाद रवि ने कहा कि मछुआरा समुदाय 1974 में (भारत और श्रीलंका के बीच) एक 'अन्यायपूर्ण समझौते' का शिकार है, जो राज्य के गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था। राज्यपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) 1974 की गलतियों के लिए समान रूप से जिम्मेदार है, क्योंकि वह उस समय सत्ता में थी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्यपाल रवि ने कहा, ''आज रामेश्वरम की अपनी यात्रा के दौरान मैंने मछुआरा समुदाय के हमारे परेशान भाइयों और बहनों से मुलाकात की। मैं उनके साथ गहरी सहानुभूति रखता हूं। वे 1974 के एक अन्यायपूर्ण समझौते के शिकार हैं, जो हमारे गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था।

सीएम फडणवीस ने शिंदे के फैसले पर लगाई रोक, सफाई के ठेके को किया रद्द

-संजय राउत ने ली चुटकी, भ्रष्टाचार रोकने सीएम के फैसले का किया स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के रिश्तों में सबकुछ खटास नजर आ रही है या फिर दोनों के बीच सबकुछ ठीक होने का दिखावा किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि सीएम फडणवीस ने शिंदे के कार्यकाल में हुए एक और फैसले पर रोक लगा दी है। जब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम थे, तब तानाजी सावंत के पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उस समय अधिकारियों के तबादले, एम्बुलेंस की खरीद में अनियमितता के आरोप लगे थे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की सफाई का काम ठेके पर दिया था। इसके लिए हरसाल 638 करोड़ रुपए के हिसाब से तीन साल के लिए 3,190 करोड़ रुपए का ठेका पुणे की एक निजी कंपनी को दिया था, लेकिन अब इस ठेके को फडणवीस ने रद्द कर दिया है।

इस फैसले को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे गुप्त संघर्ष का संदेह विपक्ष जता रहा है, लेकिन शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा इस फैसले के पीछे कोई पार्टीगत कारण नहीं है। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि हर सरकारी विभाग को नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं।

इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) पार्टी के नेता संजय राउत ने भी इस फैसला का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में जो काम हुए, उनमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ था। शिंदे के समय स्वास्थ्य मंत्री कौन थे, यह सभी को पता है। बीजेपी ने भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध किया था। उनमें से एक स्वास्थ्य मंत्री भी थे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग सीधे जनता से जुड़ा होता है, लेकिन अगर उस विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है तो यह सही नहीं है। सीएम देवेंद्र फडणवीस अगर इस भ्रष्टाचार को रोक रहे हैं तो हम उनका स्वागत करते हैं।

उत्तर भारत में मौसम के बदलते मिजाज से लोग परेशान

पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत में मार्च के पहले हफ्ते में मौसम का अंदाजा लगाना मुश्किल साबित हो रहा है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में लगातार बदलते मौसम ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार, 2 से 4 मार्च के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना है। दिल्ली में भी मौसम की उलझन जारी है, हालांकि रविवार को बादल छाए रह सकते हैं। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव लिया जा रहा है, जिसका असर प्रदेश के सभी जिलों में देखने को मिल सकता है। ग्रीन अलर्ट जारी कर दिया गया है और न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाएं और बारिश की संभावना है, जिससे मौसम और भी उलझनियों से भरा हो सकता है। लोगों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। यहां बारिश और ओले गिरने से मौसम फिर से ठंडा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा जिसका असर उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश के सभी जिलों में मौसम साफ रहेगा और इसके लिए ग्रीन अलर्ट जारी किया गया है। अगले 5 दिनों तक मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को लक्षद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है। तटीय कर्नाटक में लू चलने की संभावना है जबकि गोवा के विभिन्न इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम हो सकता है। इसके अलावा भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और मालदीव के आसपास के इलाकों में तेज हवाएं

चल सकती हैं जिनकी रफ्तार 35 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। मौसम विभाग ने इन इलाकों में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

पंजाब में नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि राज्य मं नशे और नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी और नशा का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मान के इस दावे का आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पंजाब में नशे के खिलाफ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।' दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में दावा किया कि किसी भी स्थिति में नशे को पंजाब से समाप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान में पुलिस, स्थानीय प्रशासन और अन्य सरकारी विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। इसी कड़ी में मंत्री और उच्च प्रशासनिक अधिकारी लगातार मुख्यमंत्री के साथ बैठकें कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करें और इसे जड़ से खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाएं। पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच मंत्रियों की बनी सब कमेटी की पहली बैठक आयोजित की। इस बैठक में नशे से जुड़ी सभी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, तरुणप्रीत सिंह सोंध, डॉ बलबीर सिंह और लालजीत सिंह भुल्लर भी मौजूद थे। इसमें पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा भी शामिल हुए। सभी ने नशे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान को लेकर मंथन किया। मंत्रियों को कुछ जिले सुपुर्द किए गए हैं।

मंत्री हरपाल चीमा को पठानकोट, गुरदासपुर, नवांशहर, रोपड़, तरनतारन और होशियारपुर जिलों का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को लुधियाना, पटियाला, कपूरथला, मोहाली, अमृतसर और जालंधर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री तरुणप्रीत सोंध को संगरूर, बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, मोगा और मलेरकोटला जिलों की निगरानी सौंपी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को फरीदकोट, मुक्तसर, मानसा, फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह को पूरे पंजाब का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ डिपार्टमेंट की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा करेंगे और नशे की समस्या से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएंगे।

बीजेपी पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करें, कई नेता हमारे संपर्क में

-कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस में विभाजन की खबरों को किया खारिज

बंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस सरकार में विभाजन की अफवाहों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि बीजेपी के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी को पहले अपना घर ठीक करना चाहिए। जैसा कि मेरे कुछ मंत्रियों ने कहा है, कई बीजेपी विधायक हमसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहता। बीजेपी टूटे हुए घर की तरह है, जबकि कांग्रेस एकजुट है।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने 26 फरवरी को शिवरात्रि उत्सव के दौरान धर्मगुरु जग्गी वासुदेव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंच साझा करने के बाद विवाद पैदा हो गया था। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस कदम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि सदुरु और शाह ने कांग्रेस पर खुलेआम हमला किया था। इसके बाद पार्टी में आंतरिक कलह की

अफवाहें फैलने लगी थी। बीजेपी ने दावा किया कि शिवकुमार कांग्रेस छोड़ सकते हैं और बीजेपी की मदद से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं।

शिवकुमार ने अपने इस फैसले को धार्मिक यात्रा बताते हुए राजनीतिक नहीं होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सदुरु कर्नाटक के हैं और वे कावेरी जल के मुद्दे पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था। उनका बड़ा अनुयायी वर्ग है और वे महान काम कर रहे हैं। वहां कई राजनीतिक दलों के विधायक और नेता भी थे, इसलिए मैं वहां गया था।

सीएम पद को लेकर शिवकुमार ने बार-बार दिल्ली में पार्टी के नेताओं से यह मांग की है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। विधानसभा चुनावों के बाद एक शक्ति-विभाजन समझौता हुआ था। हालांकि, सिद्धारमैया खेमे ने ऐसे समझौतों को नकारते हुए दावा किया है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सीएम के करीब दर्जनों मंत्रियों ने पिछले कुछ हफ्तों में शिवकुमार के दावों पर खुलकर सवाल उठाए हैं। शिवकुमार की तुलना एकनाथ शिंदे से कर्नाटक बीजेपी ने शिवकुमार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से तुलना करते हुए यह कयास लगाए कि वे कांग्रेस में विभाजन उत्पन्न कर सकते हैं।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस में कई नेता एकनाथ शिंदे की तरह हो सकते हैं। डीके शिवकुमार उनमें से एक हो सकते हैं। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने भी कांग्रेस पार्टी में आंतरिक कलह बढ़ने की बात कही है। हालांकि, शिवकुमार ने इन सभी राजनीतिक अफवाहों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है।

सड़क पर पड़ा था लावारिश सूटकेस, खोला तो निकली कांग्रेसी नेत्री की लाश

-हाथ में लगी थी मेंहदी, गले में थी चुनरी, मुंह से निकल रहा था खून

चंडीगढ़ (एजेंसी)।हरियाणा के संपाला बस अड्डे पर रात एक नीले रंग का लावारिस सूटकेस मिला। इस सूटकेस को जब खोला गया तो सब हैरान रह गए। सूटकेस में एक लड़की की लाश थी, जब शिनाख्त की गई तो युवती कांग्रेस कार्यकर्ता निकली, जिसका नाम हिमानी नरवाल (30) है। हिमानी की मौत से हरियाणा में हड़कंप मच गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी की हत्या गला घोंट कर की गई है। मारने से पहले उसे उसको खूब पीटा गया, जिस कारण उसके शरीर की कई हड्डियां टूट गईं थीं। फिर उसका गला घोंट दिया गया। इसके बाद हिमानी की लाश को सूटकेस में भरकर सूनसान जगह फेंक दिया था। अब पुलिस हिमानी की हत्या करने वाले का पता लगा रही है।

जानकारी के मुताबिक सूटकेस में लाश मिलने के बाद हिमानी की पहचान नहीं हो सकी थी। कुछ घंटों बाद परिजनों ने शव की पहचान की। पुलिस जब हिमानी

के घर विजयनगर पहुंची, तो घर पर ताला लगा था। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, ताकि उस गाड़ी का पता चल सके, जिसने सूटकेस फेंका था। इसके अलावा हिमानी का फोन भी गायब था पुलिस फोन को भी ट्रैक कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी के गले में काले रंग की चुन्नी थी उसी से गला घोंटा गया होगा क्योंकि वह चुन्नी सूटकेस में ही मिली है। हिमानी के हाथों में मेहंदी लगी थी और उसके होंठों से खून बह रहा था, जिससे साफ होता है कि हत्या से पहले वह बहुत दर्द में रही होगी। हिमानी कांग्रेस पार्टी की एक सक्रिय कार्यकर्ता थीं और सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय थीं। वह पिछले साल राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुई थीं। उसकी हत्या से कांग्रेस में भी शोक की लहर है। कांग्रेस ने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है।

बताया जा रहा है कि हिमानी का परिवार पहले भी कई दुखद घटनाओं से गुजर चुका है। हिमानी से पहले उनके भाई की भी हत्या की गई थी। इसके अलावा उनके पिता ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी थी। अब हिमानी की हत्या ने पूरा परिवार सदमे में है।

नीतीश और ममता के बाद अब कौन संभालेगा इंडिया गठबंधन की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए को टक्कर देने के लिए भाजपा विरोधी कई दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया था। इसके लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने खूब भागदौड़ की थी। अंतत-रिजल्ट वहीं के वहीं रहा। इस गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए कई चेहरे सामने आए जिसमें खुद नीतीश कुमार, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और राहुल गांधी के नाम की भी चर्चा हुई। चर्चा सिर्फ चर्चा रह गए और इसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब एक बार फिर नेतृत्व को लेकर बात हो रही है, इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बात होने लगी है।

कई राज्यों में चुनावी हारों के बाद देश भर से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के भीतर से आवाज उठने लगी। अधिकतर सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह गठबंधन अब अपना महत्व खो रहा है। ऐसा कांग्रेस पार्टी की वजह से हो रहा है। दिल्ली में गठबंधन के दो सहयोगी दलों कांग्रेस और आप के अलग-अलग चुनाव लड़ने के कारण राज्य में भाजपा को शानदार जीत मिली है। इसी तरह हरियाणा में भी कांग्रेस और आप ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था और वहां भी अनुमान के विपरीत भाजपा को शानदार जीत मिली थी।

इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और आप के बीच तकरार का असर इंडिया गठबंधन के भविष्य पर पड़ने लगा। सहयोगी दलों से आवाज उठने लगी कि गठबंधन में कोई बड़ा नेता संयोजक पद पर होना चाहिए। इसमें सबसे बड़ा नाम पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी मुखिया ममता बनर्जी का था। ममता बनर्जी ने भी खुलेआम संयोजक की भूमिका निभाने की इच्छा जता चुकी है। फिर महाराष्ट्र में गठबंधन से सहयोगी दलों शिवसेना उद्धव गुट और शरद पवार की एनसीपी ने भी कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाए। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल पूछे। दिल्ली चुनाव के दौरान आप नेता अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया गठबंधन से ही कांग्रेस को बाहर करने की मांग कर डाली थी।

इन सबके बीच अब इंडिया के संयोजक पक्ष के लिए एक नए चेहरे के नाम की चर्चा हो रही है। वो हैं सपा मुखिया अखिलेश यादव। सपा के एक बड़े नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि यूपी में अखिलेश यादव सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। लोकसभा में सपा दूसरी सबसे बड़ी विपक्ष पार्टी है। उसके पास 37 सांसद हैं। ऐसे में हम चाहते हैं अखिलेश यादव हो इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद दिया जाए।

भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो कड़ी मेहनत जरुरी

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ ने वर्क-लाइफ बैलेंस पर रखी अपनी बात

नई दिल्ली। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा है कि भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, न कि वर्क-लाइफ बैलेंस की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि कम काम करने की बातें करना फैशन बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को हफ्ते में 80 या 90 घंटे काम करना चाहिए। अमिताभ कांत के मुताबिक वर्क-लाइफ बैलेंस पर बहस युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि लोग समय सीमा से पहले प्रोजेक्ट पूरे करें, के वालिटी से समझौता न करें और लागत को कंट्रोल में रखें। उन्होंने कोरिया और जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने कड़ी मेहनत से आर्थिक सफलता हासिल की है। उन्होंने भारत में भी ऐसी ही मानसिकता अपनाने की अपील की है। कांत नीति आयोग के सीईओ रह चुके हैं। वह वर्क-लाइफ बैलेंस पर चल रही बहस पर अपनी राय रख रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत को 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो कड़ी मेहनत करनी होगी जो जरुरी है। कांत ने कहा कि मैं कड़ी मेहनत में विश्वास रखता हूं। भारतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, चाहे वह 80 घंटे हो या 90 घंटे प्रति सप्ताह। आपकी महत्वाकांक्षा 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की है तो आप इसे मनोरंजन या कुछ फिल्मी सितारों के विचारों का पालन करके नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि समय सीमा से पहले परियोजनाओं को पूरा करना, गुणवत्ता से समझौता न करना और लागत सीमा से ज्यादा न होना अहम है। कांत ने कहा कि लंबे समय तक काम करने के बावजूद वर्क-लाइफ बैलेंस बनाना संभव है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं हर दिन काम करता हूं, व्यायाम करता हूं, गोल्फ खेलता हूं और फिर भी कड़ी मेहनत करता हूं।

आयात शुल्क बढ़ने के बावजूद बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम टूटे

उपलब्धता में कमी और सस्ता होने से मांग बढ़ने के कारण बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह केंद्र सरकार के द्वारा आयातित खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने के बावजूद पिछले सप्ताहांत में शिकॉगो एक्सचेंज में भारी गिरावट रहने के कारण करोबारी दवाब बढ़ने से ज्यादातर तेल-तिलहनों की कीमत गिरावट के साथ बंद हुई। उपलब्धता में कमी और सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण केवल बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशों में पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के दाम टूटे हैं और हमारे देश में इस गिरावट का असर व्यापक तेल-तिलहनों पर भी देखा गया जिससे उनके दाम में गिरावट आई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,250-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो), सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 80-130 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,200-4,250 रुपये और 3,900-3,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 200 रुपये, 200 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,150 रुपये, 13,750 रुपये और 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 5,600-5,925 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 10 रुपये की गिरावट के साथ 14,300 रुपये और 2,200-2,500 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 3,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों ने पिछले माह भारतीय शेयर बाजार से 34,574 करोड़ निकाले

- एफपीआई की निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पार

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की हैं। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई की कुल निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वैश्विक व्यापार तथा कंपनियों की आय को लेकर चिंता के बीच एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और कॉरपोरेट आय में वृद्धि को लेकर चिंताओं के कारण एफपीआई लगातार निकासी कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी में भारतीय शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई 1,12,601 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। जिंस कीमतों में गिरावट और उपभोक्ता खर्च में कमी से यह समस्या और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत में ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां मूल्यांकन कम है। लेकिन इस प्रक्रिया में, वे आकर्षक मूल्यांकन वाले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में बिक्री कर रहे हैं। एफपीआई की बिकवाली में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास यह है कि वे वित्तीय सेवाओं में भारी मात्रा में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसका मूल्यांकन आकर्षक है। इसके अलावा वे ऋण या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है। फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। देश की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो कि इससे पहले की तिमाही में 5.6

प्रतिशत (संशोधित अनुमान) थी। सरकार द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस दौरान चालू वित्त वर्ष के लिए नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 3.09 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रही

मुंबई

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 1,09,211.97 करोड़ रुपये घटकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये रह गया। इससे शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक सूची में दूसरे स्थान पर है। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 52,697.93 करोड़ रुपये घटकर 7,01,002.22 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 39,230.1 करोड़ रुपये घटकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये पर आ गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 38,025.97 करोड़ रुपये घटकर 16,23,343.45 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 29,718.99 करोड़ रुपये घटकर 6,14,236.97 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,775.78 करोड़ रुपये घटकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 11,700.97 करोड़ रुपये घटकर 5,14,983.41 करोड़ रुपये रह गई। आईटीसी का मूल्यांकन 7,882.86 करोड़ रुपये घटकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों के बिगड़ते जा रहे हालात

- सोशल मीडिया पर छाया मीम्स का तूफान

नई दिल्ली । शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार औंधे मुंह गिरा जब निफ्टी करीब 9 महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ, साथ ही बीएसई के सभी सेक्टर इंडेक्स में बिकवाली देखने को मिली। भारत के शेयर बाजार में दरार की मार ने निवेशकों को तगड़े झटके दिए हैं। सिर्फ फरवरी में ही सेंसेक्स में 4000 अंक की गिरावट आने से निवेशकों के 40 लाख करोड़ रुपये उड़ गए हैं। इस दुखद स्थिति में सोशल मीडिया पर मीम्स का तुफान छाया हुआ है। निवेशकों के दुःख को दिखाने के लिए बनाए गए मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर्स ने जोक के अंदाज में लिखा है- फिलहाल शेयर बाजार की स्थिति, 25 दिन में पैसा आधा। ये मीम्स लोगों के मनोरंजन के साथ-साथ शेयर बाजार की सच्चाई को भी उजागर कर रहे हैं। सिख लो, हंसो और जिए - इसी दुःखद समय में मीमर्स ने दिखाया है कि उनका कौन सा असली हौंसला है।

राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारीः नीति आयोग

नई दिल्ली । नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी है और इसके एक-दो महीने में जारी होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में प्रतिस्पर्धी सहकारी संघवाद की भावना को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में राज्यों का निवेश अनुकूलता सूचकांक लाने की घोषणा की गई है। यह सूचकांक राज्यों को नियमों की समीक्षा के लिए प्रेरित करेगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश को क्या बाधित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के परामर्श से राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक से संबंधित मानदंडों पर काम कर रहा है। विरमानी ने कहा, सूचकांक तैयार करने का पहला चरण पूरा हो गया है। दूसरे चरण पर काम जारी है। इसमें उद्योग से सुझाव लिये जा रहे हैं।

एसबीआई रिपोर्टःभारत की जीडीपी विकास दर 25 वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी होगी

नई दिल्ली । एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वित्त वर्ष 25 के भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी विकास दर की 6.5 फीसदी से उम्मीद की जा रही है, जो कि एक स्थिर और सुखद वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही रिपोर्ट में उल्लेख था कि चौथी तिमाही में विकास दर 7.6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदिर स्थिति को दर्शाता है। इसमें मई 2025 के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन की संभावना भी शामिल है। इस समय की अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर को 9.2 फीसदी बताया, जो लंबे समय के बाद सबसे अधिक है। इसमें कोरोना महामारी के पश्चात उठाई गई अर्थव्यवस्था की रिकवरी का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की तुलना में अधिक है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुख्य उद्यमिक गतिविधियों में भी वृद्धि देखी गई है, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड में उछाल के रूप में प्रकट हुआ है। इस इसकी संक्षेप में, वित्त वर्ष 24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर में संशोधन किया गया है, जो एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता की ओर एक चिंताजनक कदम है।

जहां से टेस्ला बिकेगी उस जगह का किराया होगा 35 लाख रुपए महीना

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला अपने कारें भारत में भी विक्रय करेगी। इसके लिए शो रुम कहां और कैसे होंगे इसका काम भी लगभग पूरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने भारत में अपने शोरूम के लिए लोकेशन और एरिया फाइनल कर लिया है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मेकर मैक्सिटी में अपने शोरूम के लिए जगह फाइनल कर ली है। इसके अलावा, दिल्ली के एयरोसिटी में भी एक नया शो रूम खोलने की कंपनी की योजना है। मेकर मैक्सिटी में कार शोरूम की जगह लगभग 3,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और यह मेकर मैक्सिटी के कमर्शियल टॉवर के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। इस जगह का मंथली किराया लगभग 35 लाख रुपये है और इसमें कुछ कार पार्किंग भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि टेस्ला ने दिल्ली में लगभग 4000 वर्ग फुट का शोरूम स्पेस फाइनल किया है और इसका मंथली रेंट लगभग 25 लाख रुपये है। सूत्रों के मुताबिक, टेस्ला ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टी में स्थित एयरोसिटी एरिया में शोरूम स्पेस का लीज फाइनल किया है। टेस्ला की ओर से शोरूम खोलने के लिए यह समझौता उस मीटिंग के कुछ हफ्तों बाद किया गया है, जब टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मुलाकात की थी।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से बाजार में बढ़ी बिकवाली

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में भारतीय बाजारों से निकाले 34,574 करोड़

-इस साल अब तक 1.12 लाख करोड़ के शेयर्स बेचे, हाई वैल्यूएशन की वजह से लगातार पैसा निकाल रहे

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार खतरे के निशान के दौर से गुजर रहा है। इसकी एक वजह है विदेशी निवेशकों (फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का मोहभंग। ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपए निकाले हैं। वहीं 2025 के पहले दो महीनों जनवरी और फरवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने टोटल 1.12 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। जनवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे।

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉरपोरेट इनकम में ग्रोथ को लेकर चिंताओं के कारण फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सलगातार पैसे निकाल रहे हैं। दिसंबर 2024 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने भारतीय शेयर बाजारों में 15,446 करोड़ रुपए निवेश किए थे।

11,639.02 करोड़ के शेयर्स बेचे

वहीं पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सनेट सेलर्स बने रहे। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स बायर्स बने रहे। प्रोविजनल डेटा के अनुसार, 28 फरवरी को फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 11,639.02 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे, जबकि डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 12,308.63 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 28,065.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 15,756.92 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 39,239.44 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 50,878.46 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर

बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर बढ़ रहा है। वित्त-वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं, जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, भारत में हाई वैल्यूएशन की वजह से फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सबिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां वैल्यूएशन कम है। इतना ही नहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सफाइनेंशियल सर्विसेज में बड़े पैमाने पर बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसकी वैल्यूएशन आकर्षक है।

डेट और बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे विदेशी

इसके अलावा फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सडेट या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं। फरवरी महीने में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने बॉन्ड बाजार से जनरल लिमिट के तहत 8,932 करोड़ रुपए और वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 2,666 करोड़ रुपए निकाले। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सका 2024 में भारतीय बाजार में निवेश 427 करोड़ रुपए रहा था। इससे पहले 2023 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 1.71 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था।

अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख से तय होगी घरेलू शेयर बाजार की दिशाः विश्लेषक

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। ऐसा बाजार के विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है। विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर हो सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी। आने वाले समय में बाजार की स्थिति कमजोर रह सकती है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। वृहद आर्थिक मोर्चे पर सप्ताह के दौरान एचएसबीसी विनिर्माता और सेवा पीएमआई आंकड़े आएंगे, जिनपर निवेशकों की निगाह रहेगी। एक फायनें सियल कंपनी प्रमुख का मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा। दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.6 प्रतिशत के संशोधित आंकड़े से अधिक है। हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता अक्सर वास्तविक घटनाक्रम से अधिक महत्वपूर्ण होती है, और बाजार वर्तमान में संभावित व्यापार युद्ध की चिंता से जूझ रहा है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली का दबाव लगातार बढ़ रहा है। फरवरी में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो घरेलू खपत से बढ़ा है और संभावित आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल आधार पर, केंद्रीय जीएसटी से संग्रह 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

भारत में कोयला उत्पादन में 5.73 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली । भारत में कोयला उत्पादन अप्रैल से फरवरी अवधि में 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके अनुसार, प्रतिवर्ष कोयला सेक्टर में मजबूत वृद्धि को दर्ज किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सालाना आधार पर कोयले का समुदायिक उत्पादन 929.41 मिलियन टन पर पहुंच गया है, जो पिछले साल के 880.92 मिलियन टन की तुलना में है। मंत्रालय के अनुसार यह सुनिश्चित करता है कि देश बढ़ती मांग को संतुलित रूप से पूरा करता है। सरकार इस सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन दक्षता को बढ़ा रही है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि सरकार कोयला परियोजनाओं की मंजूरी में सुधार के लिए कदम उठा रही है। इसके अतिरिक्त कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एक गृहणियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल गृहणियों को प्राथमिक देखभाल के बारे में जागरूक करने का उद्देश्य रखती है। इस बाबत, एनसीएल की योजना है कि जून तक 8,000 गृहणियों को प्राथमिक देखभाल करेगा।

भारत में निजी उपभोग हुआ लगभग दोगुना

नई दिल्ली । भारत में निजी उपभोग 2013 के 1000 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर वर्ष 2024 में 2100 अरब डॉलर हो गया। यानी प्राइवेट कंजम्पशन सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमरीका, चीन और जर्मनी से भी अधिक है। देश में निजी उपभोग में बंपर बढ़ोतरी हुई है। डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर अग्रसर है और जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और खर्च में होने वाले मौलिक बदलाव को दर्शाता है। आय बढ़ने से ग्रामीण और शहर इलाकों में परिवारों का अपैरल, फुटवियर, ट्रैवल और वेलनेस पर खर्च बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रिटेल मार्केट वर्ष 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2030 तक 10,000 अमरीकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढ़ने की उम्मीद है। इससे अधिक आय वाले लोगों की संख्या वर्ष 2024 में 6 करोड़ है, जो 2030 तक बढ़कर 16.5 करोड़ होने की उम्मीद है।

विदर्भ ने तीसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब, फाइनल में केरल को हराया

दुबई (एजेंसी)। नागपुर-विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर रविवार को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया।

विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जोड़े थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षय वड़कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया।

दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिए थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिए। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

विराट 300वें एकदिवसीय खेलने वाले सातवें भारतीय क्रिकेटर बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। विराट 300 एकदिवसीय खेलने वाले सातने भारतीय क्रिकेटर बने हैं।

विराट इस मैच में उतरते ही महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली और युवराज सिंह के 300 एकदिवसीय खेलने के क्लब में शामिल हो हो गये। विराट कोहली ने 300 एकदिवसीय की 288 पारियों में 14085 रन बनाये हैं। वह इस प्रारुप में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं उन्होंने 73 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका औसत 58.2 का का है। विराट हालांकि अपने 300 वें मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन 18426 बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। इसके बाद श्रीलंका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगाकारा ने 404 मैच खेलते हुए 25 शतक के जरिए 14234 रन बनाए थे। वहीं विराट कोहली 14085 रनों के साथ नंबर तीन पर हैं।

रोहित शर्मा के नाम जुड़ा अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड, बतौर कप्तान लगातार 10 टॉस हारने वाले तीसरे कप्तान बने

दुबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का 12वां मुकाबला खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत और न्यूजीलैंड मैच में टॉस होते ही भारतीय टीम वनडे में लगातार 13वीं बार टॉस हार गई है। इस शर्मनाक रिकॉर्ड में बतौर कप्तान रोहित शर्मा का योगदान सबसे ज्यादा रहा है।

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दौरान भारत 13वीं बार टॉस हारा है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने कुल तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में रोहित टॉस हार गए हैं। हालांकि, मैच में टीम को जीत नसीब हुई है। बतौर कप्तान रोहित शर्मा लगातार 10वीं बार वनडे में टॉस हार चुके हैं। इसके साथ ही उनका नाम एक अनचाहे रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है। रोहित से ज्यादा बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है। लारा अक्टूबर 1998 से मई 1999 तक कुल 12 बार टॉस हारे थे। वहीं पीटर बोरेन मई 2011 से अगस्त 2013 तक 11 बार टॉस हार चुके हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नंवबर 2023 से मार्च 2025 तक कुल 10 बार टॉस गंवा चुके हैं। बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल से टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला जारी है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नवंबर 2023 में आखिरी बार वनडे में टॉस जीता था। जिसके बाद कुल 13 बार टॉस हुए हैं और भारतीय टीम ने सभी टॉस गंवाए हैं। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ने तीन वनडे सीरीज खेली है और इन सीरीज में सभी टॉस हारे हैं। इस दौरान केएल राहुल ने भी टीम की कमान संभाली थी।

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान के बाहर होने से स्थानीय फैंस का क्रैज खत्म, सेमीफाइनल पर पड़ेगा असर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसकों ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम के जल्दी बाहर होने और रमजान की शुरुआत के बाद टूर्नामेंट को लेकर रुचि खो दी है। शनिवार को इंग्लैंड-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिए यहां नेशनल स्टेडियम में मुश्किल से कुछ हजार लोग थे और आयोजन स्थल पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने राहत की सांस ली कि उनके लिए टूर्नामेंट लगभग खत्म हो गया है।

स्टेडियम में तैनात एसएसपी इमरान जमील ने कहा, 'पिछले दो सप्ताह हमारे लिए कठिन और तनावपूर्ण रहे हैं, इसलिए अब हम काफी राहत महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड के साथ मैच में भी अपेक्षाकृत शांति रही।' 19 फरवरी को कराची में शुरू हुए चैंपियंस ट्रॉफी मैचों के लिए कराची में कम से कम 7000 पुलिसकर्मी, अर्धसैनिक रेंजर्स और यहां तक ??कि कुछ सैन्य इकाइयां भी ड्यूटी पर थीं। लेकिन जमील ने कहा कि टीमों, अधिकारियों, मीडिया और प्रशंसकों के लिए राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का काम इस मेगा इवेंट की शुरुआत से पहले ही शुरू हो गया था, क्योंकि लाहौर और कराची में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाली तीन देशों की प्रतियोगिता होने वाली है।

उन्होंने कहा, 'अब सुरक्षाकर्मी रमजान में सामान्य ड्यूटी पर लौट सकते हैं।' शनिवार को कॉलेज के दोस्तों के एक समूह के साथ आईं दो बहनों फरिहा और फैजा ने कहा कि पाकिस्तान के बिना चैंपियंस ट्रॉफी उनके लिए खत्म हो गई है। फैजा ने कहा, 'हम आज आए हैं, क्योंकि हमने पहले ही मैच के लिए टिकट खरीद लिए थे।'

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घोषणा की है कि रावलपिंडी में बारिश के कारण रद्द हुए दो मैचों के लिए अलग-अलग परिसरों के लिए टिकट लाने वाले सभी दर्शकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा। बुरी खबर यह है कि जिन प्रशंसकों ने आतिथ्य और गैलरी दृश्यों के लिए प्रीमियम का भुगतान किया था, उन्हें कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा। टूर्नामेंट के तीन मैच बारिश से प्रभावित रहे, जिनमें से आखिरी मैच अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

क्रिकेट पत्रकार और विश्लेषक महमूद रियाज ने कहा कि घरेलू टीम के प्रदर्शन के कारण चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी निराशाजनक रही। उन्होंने कहा, 'हम इतने सालों के बाद एक बड़े आईसीसी इवेंट की मेजबानी कर रहे थे और लोग उत्साहित थे, लेकिन टीम ने वास्तव में सभी को निराश किया।' 65 वर्षीय तौसीफ सिद्दीकी ने नेशनल स्टेडियम में कभी भी कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, 'त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में और 19 मार्च को न्यूजीलैंड से पाकिस्तान को दो बार हारते देखना हमारे लिए बहुत बड़ी निराशा थी।' उन्होंने कहा कि कराची में होने वाले मैचों के लिए अपने और अपने दोस्त के लिए टिकट खरीदने पर लगभग 60,000 पाकिस्तानी रुपए खर्च किए थे।

विशेषज्ञों का मानना है कि रविवार से रमजान शुरू होने के कारण सेमीफाइनल के लिए लाहौर में भी भीड़ जुटाना मुश्किल होगा। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, 'आम तौर पर लोग रमजान के पहले दो हफ्तों में उपवास तोड़ने के बाद घर पर रहते हैं और तरावीह की नमाज पढ़ते हैं और वे पवित्र महीने के पहले 15-20 दिनों के बाद इफ्तार के बाद ही बाहर निकलते हैं।'

पीसीबी गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल के लिए मुफ्त इफ्तार बॉक्स उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने दुबई में होने वाले मैचों के लिए किया है। उन्होंने कहा, 'अगर सेमीफाइनल के लिए बड़ी संख्या में भीड़ नहीं होगी तो यह निराशाजनक होगा। यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।'

अफगानिस्तान के खिलाड़ी धैर्य रखकर खेलें तो आने वाले समय में जीत सकते हैं आईसीसी ट्रॉफी : स्टेन

जोसंसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान टीम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह इसी प्रकार का प्रदर्शन करती रही तो आने वाले समय में आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है। स्टेन के अनुसार अभी देखा जाये तो अफगानिस्तान की टीम पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश से आगे नजर आती है। अफगानिस्तान की टीम भारत के बाद एशिया की दूसरी सबसे अच्छी टीम बनकर उभरी है। स्टेन के अनुसार अफगानिस्तान के खिलाड़ी जिस दिन संयम से खेलना सीख लेंगे। उस दिन ववे आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार अफगानिस्तान की टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी। तब उसने इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था जबकि पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम में वह सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। ऐसे में अब अफगान टीम सफेद गेंद के टूर्नामेंट में एक मजबूत टीम बनती जा रही है। स्टेन ने कहा, 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम सोशमी मीडिया की स्टोरी को भी मुश्किल से दो सेकेंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। वह एक बार जब इसे हासिल कर लेंगे तो आने वाले समय में आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।' स्टेन ने कहा, 'वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। टीम गेंदबाजों में संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में ही उसे बल्लेबाज छक्का मारने का प्रयास करते हैं।

हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है : ब्रेंडन मैकुलम

स्पोर्ट्स डेस्क । इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम लगातार दो आईसीसी वनडे टूर्नामेंटों से पहले दौर में बाहर होने के बाद काफी मुश्किल में है। इंग्लैंड पहले भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गया। दोनों टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन का एक जैसा ही नजारा देखने को मिला। बल्लेबाजी आक्रमण में 50 ओवरों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग करने के लिए कोई खाका नहीं था और तेज गति के गेंदबाजों के बावजूद गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिख रहा था। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने टूर्नामेंट के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट से हार के बाद कहा, 'हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, जाहिर तौर पर हम बहुत निराश हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें टूर्नामेंट को धमाकेदार तरीके से खत्म करने की बहुत उम्मीद थी, लेकिन हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है। हम अगले कुछ हफ्तों में अपनी सोच को बदलेंगे और अपने सफेद गेंद वाले क्रिकेट में सुधार के लिए प्रयास करना शुरू करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम इस पर पूरी तरह से ध्यान दें और ऐसा तरीका खोजें जिससे हम खुद को उस स्थिति में वापस ला सकें जहां हमें होना चाहिए।' मैकुलम ने कहा कि भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला इंग्लैंड के लिए टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार होने का एक अच्छा अवसर था। हालांकि वे द्विपक्षीय मैच में भारत के खिलाफ अपनी व्यापक हार से सीखने में विफल रहे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी इसी तरह की गलतियां दोहराई गईं। इंग्लैंड के कीवी कोच ने स्वीकार किया, 'मुझे लगा कि भारत ने वास्तव में हमारे लिए अच्छी तैयारी की, भले ही हम वहां आसानी से हार गए। मुझे लगा कि यह एक प्रमुख टूर्नामेंट में आने से पहले जितनी अच्छी तैयारी हो सकती थी, उतनी ही थी और जाहिर है कि हमारे पास पहले दो मैचों में अपना मौका था, लेकिन आज रात हमने जो देखा, वह शायद इस बात का उदाहरण था कि हम टूर्नामेंट से बाहर क्यों हैं। जब दबाव डाला गया तो हम उसका सामना नहीं कर पाए और हम अपना रास्ता नहीं बना पाए और मुझे लगता है कि मैंने कल फिर से आपसे कहा था कि मुझे लगा कि हममें आत्मविश्वास की कमी है और मुझे लगता है कि आज इसका एक और उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलिया का 'नीली जर्सी' से 36 का आंकड़ा, ट्रेविस हेड बना बड़ा खतरा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस तरह खाने की चीज़ देखकर मुँह में पानी आ जाता है या बच्चों को खिलौना देखकर खुशी मिलती है, उसी तरह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को नीली जर्सी वाली टीमों को हराने में अलग ही जोश आता है। कंगारू टीम के लिए जैसे ही नीली जर्सी सामने आती है, उनकी रगों में उबाल आ जाता है और वे अपने पुराने अंदाज में लौट आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला।

हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया से अब तक सामना नहीं हुआ, लेकिन फिर भी दो ऐसी टीमें थीं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरीं और दोनों टीमें इंग्लैंड और अफगानिस्तान का हश्र एक जैसा रहा। संयोग से दोनों ही टीमों की जर्सी नीले रंग की थी और दोनों को कंगारुओं ने मात दी। ऑस्ट्रेलिया के रेगुलर कप्तान पैट कमिंस, स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद यह टीम जबरदस्त

प्रदर्शन कर रही है। जब इंग्लैंड ने लाहौर में 351 रन बनाए तो ऐसा लगा कि वे मुकाबला जीत लेंगे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लिस के शतक की बदौलत यह लक्ष्य भी हासिल कर लिया। इसके बाद अफगानिस्तान को भी कंगारुओं ने करारी शिकस्त दी।

ऑस्ट्रेलिया की इस लय के पीछे एक नाम है ट्रेविस हेड। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए नीली जर्सी वाली टीमों के खिलाफ खेलना जैसे किसी मिशन से कम नहीं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने 40 गेंदों पर 60 रन ठोक डाले, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट 147 का रहा। अगर थोड़ा पीछे जाएं, तो 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भी यही हुआ था। भारत के खिलाफ हेड ने 120 गेंदों पर 140 के स्ट्राइक रेट से 137 रन जड़ दिए थे, जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उस पारी ने भारत का तीसरी बार वर्ल्ड कप जीतने का सपना तोड़ दिया था। इतना ही नहीं, 2023 में हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया और भारत का आमना-सामना हुआ था, और वहां भी हेड ने शतक ठोककर भारत को शिकस्त दिलाई थी।

भारत को रहना होगा सतर्क!

इतिहास गवाह है कि ऑस्ट्रेलिया जब भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले में भारत से भिड़ा है, उसने ज्यादातर मौकों पर बाजी मार ली है। भारत अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है, और अगर फाइनल में उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होता है, तो रोहित शर्मा एंड कंपनी को कंगारुओं से बचने के लिए खास रणनीति बनानी होगी। क्या इस बार भारत 'नीली जर्सी' के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अजेय रिकॉर्ड को तोड़ पाएगा? यह देखना दिलचस्प होगा!

प्रज्ञानानंदा ने लगातार अपनी दूसरी जीत हासिल की, जर्मनी के विंसेंट केमेर को दी मात

मुम्बई। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अरविंद चिदंबरम के साथ टॉप पर है। अरविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि टॉप वरीयता प्राप्त चीन के वेई यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाई देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा का सामना अगले दौर में अरविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ अंक हैं। बता दें कि, इससे पहले आर प्रज्ञानानंदा ने डी गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज खिताब जीता था। पहली बार किसी भारतीय ने ये खिताब अपने नाम किया था।

बटलर के बाद कौन होगा इंग्लैंड का कप्तान? टीम में हैं तीन मजबूत दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में सोचेंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टीम के आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी करते नजर आएंगे, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम का कप्तान कौन होगा? इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक ने कुछ महीने पहले की थी। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान रह चुके हैं और वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनकी टीम ने 3-2 से हराया था। मौजूदा समय में इंग्लैंड के बाहर उनसे रन नहीं बन रहे हैं। इसके बावजूद उनकी दावेदारी कप्तानी के लिए मजबूत लग रही है।

इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट की लोकप्रियता भी कम नहीं है। इंग्लैंड की टीम को कई बार बेन डकेट ने संघर्षों से बाहर निकाला है। उन्होंने मध्य क्रम में भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। वह तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं और एक सीनियर प्लेयर हैं। उनके साथ समस्या है कि जब भी वह बोलते हैं तो इंग्लैंड के प्रशंसकों को परेशान कर देते हैं। उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से अच्छा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जीते, लेकिन ऐसा नहीं कर पर पाए। इसमें कुछ बुरा नहीं है।

अगर इंग्लैंड की भारत से पहले की सीरीज देखें तो वहां लियाम लिविंगस्टोन ने प्रभावित किया था और एक शतक जड़ा था। वे मैच्योर प्लेयर हैं और सीधे साफ बोलने के लिए मशहूर हैं। वे शॉर्ट फॉर्मेट में उनकी टीम में जगह भी फिलहाल पक्की है। ऐसे में वे कप्तानी के दावेदार हैं। इसके अलावा जो रूट और बेन स्टोक्स भी ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' : सेबेस्टियन को

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी। भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने 'पीटीआई' से विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।'' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीये, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्होंने भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए।

'मैंने वेट्रेस के तौर पर काम किया' : गुजरात जायंट्स की ऑलराउंडर का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स की इंग्लिश ऑलराउंडर डेनियल गिब्सन ने खुलासा किया कि वह पूर्णकालिक क्रिकेटर बनने से पहले वेट्रेस के तौर पर काम करती थीं, हालांकि उन्हें यह पसंद नहीं था। गिब्सन ने पैसे कमाने के लिए एक स्थानीय पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। उन्होंने WPL 2025 मिनी-नीलामी में जायंट्स से 30 लाख रुपए का अनुबंध हासिल किया। गिब्सन ने 22 टी20आई में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि वह महिला प्रीमियर लीग में अपना व्यापार करके अच्छी खासी कमाई कर रही हैं, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था।गिब्सन ने रैपिड-फायर सेशन के दौरान बोलते हुए कहा, 'मैंने इंग्लैंड में एक पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। मुझे इसमें मजा नहीं आया।'

उसी वीडियो में गिब्सन ने बताया कि पहली बार वह 18 साल पहले लॉर्ड्स में लाइव क्रिकेट मैच देखने गई थी, जब वह सिर्फ छह साल की थी। उसने आगे बताया कि वह अपने भाइयों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलते हुए देखने गई थी। जब गिब्सन से उनके पहले क्रिकेट हीरो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ का नाम लिया। उन्होंने बताया कि उनका पहला फोन सैमसंग टचस्क्रीन डिवाइस था। जब उनसे उनके पहले टैटू के बारे में पूछा गया तो गिब्सन ने कहा, 'मुझे क्रिकेट पसंद नहीं, बहुत पसंद है। 2001 में ग्लॉस्टरशायर में जन्मी गिब्सन ने जुलाई 2023 में बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई में इंग्लैंड के लिए पदार्पण किया। वह आखिरी बार पिछले महीने नॉर्थ सिडनी में गवर्नर-जनरल XI महिलाओं के खिलाफ महिला एशेज टूर गेम में नजर आई थीं, जहां उन्होंने 3-0-14-0 की अच्छी गेंदबाजी की थी। जायंट्स के अलावा गिब्सन एडिलेड स्ट्राइकर्स और लंदन स्पिरिट के लिए भी खेल चुके हैं। इस बीच एशले गार्डनर ने 31 गेंदों पर 58 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर टीम की अगुआई की जिससे निचले पायदान पर मौजूद जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर छह विकेट से जीत दर्ज करके अपनी हार का सिलसिला तोड़ा। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए जायंट्स ने डिएंड्रा डॉटिन (2/31) और तनुजा कंवर (2/16) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बेंगलुरु को 125/7 के औसत स्कोर पर ही रोक दिया। जायंट्स ने बेंगलुरु के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए सिर्फ 17 ओवर लिए और अब उनका अगला मुकाबला 3 मार्च को लखनऊ में यूपी वॉरियर्स से होगा।

पटना में 4 मंजिला अपार्टमेंट में लगी आग

फायर फाइटर्स ने ढाई घंटे में पाया काबू , सीढ़ी लगाकर फ्लैट में फंसे लोगों को बाहर निकाला

पटना। में शनिवार की शाम 4 मंजिला अपार्टमेंट के एक फ्लोर पर आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। घटना अगमकुआं थाना क्षेत्र के भूतनाथ रोड के नीलकंठ पथ की है। अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों ने जैसे-तैसे बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची और 8.30 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग बुझाने में करीब दो से ढाई घंटे तक का समय लगा। घटना की जानकारी मिलते ही अगमकुआं थाना सहित आसपास के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची थी। अगमकुआं थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि 'आग लगने के कारण और नुकसान का आकलन आग बुझने के बाद किया जाएगा।' शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंकापहले फ्लोर पर रहने वाली कल्पना कुमारी ने बताया कि 'उनके पति प्रेमचंद कुंवर पटना के एक्सेस जीएसटी में सुपरिटेंडेंट के पद पर कार्यरत हैं। वह अपने एक बेटे के साथ कमरे में थी। तभी नीचे के तल्ले पर बिजली बोर्ड के पास अचानक आग लगी। चार फ्लोर में धुआं भर गया।' अपार्टमेंट चार तल्ले का है। आग लगने के दौरान लगभग 7 से 8 लोग बिल्डिंग में फंस गए थे। लोगों ने सीढ़ी लगाकर फ्लैट में फंसे लोगों को निकालना शुरू किया था। इसके बाद अग्निशमन के पदाधिकारी ने रेस्क्यू कर फ्लैट में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

संक्षिप्त डायरी

पार्किंग विवाद में युवक के मुंह में मारी गोली, गंभीर

गोपालगंज। के मीरगंज थाना क्षेत्र के पुरानी भट्ठी वार्ड-21 में गाड़ी पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक युवक के मुंह में गोली मार दी गई। इस घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से घायल दिग्विजय को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। घायल युवक की पहचान मीरगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 निवासी दिग्विजय सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दिग्विजय एक तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। वह अपनी कार आरोपी के घर के पास पार्क कर रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि स्थानीय आकाश साह ने दिग्विजय के मुंह पर गोली चला दी।चार लोगों से पूछताछ जारी मीरगंज थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि गोली दिग्विजय के चेहरे को छूते हुए निकल गई। पुलिस ने मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आगे की कार्रवाई जारी है।

NH-333 पर गिरा पेड़, एक घंटे तक यातायात प्रभावित

जमुई। के गिद्धौर में रविवार को एनएच-333 पर बंधन बैंक के समीप एक लिप्टस का पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। इस घटना से करीब एक से चार घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना के समय सड़क पर भीड़ कम होने के कारण कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार पेड़ पहले से ही कमजोर था। हल्की हवा चलने से यह अचानक गिर गया। करीब आधे घंटे तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान बाइक, कार, बस समेत अन्य वाहन दोनों तरफ फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना गिद्धौर पुलिस को दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और समाजसेवियों की मदद से पेड़ की टहनियों को काटकर सड़क से हटाया गया। इसके बाद यातायात सामान्य हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में कमजोर और पुराने पेड़ों की नियमित जांच करने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि अगर पेड़ किसी वाहन या व्यक्ति पर गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल सड़क पर यातायात सुचारू रूप से चल रहा है।

14 लाख की विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

जमुई। में उत्पाद विभाग की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल से लाई जा रही 14 लाख रुपए की विदेशी शराब जब्त की है। डुमरी चेक पोस्ट पर रविवार सुबह की गई इस कार्रवाई में दो शराब तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। उत्पाद अधीक्षक सुभाष पांडे ने बताया कि शराब की यह खेप पश्चिम बंगाल से गिरिडीह जिले के चतरो होते हुए जमुई लाई जा रही थी। होली के मद्देनजर शराब तस्करों की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए विभाग ने चार टीमें गठित की थीं। स्कैनर से जांच करने पर मिली शराब डुमरी चेक पोस्ट पर जब पेट्रोल टैंकर को स्कैनर से जांचा गया, तो उसमें शराब की मौजूदगी की पुष्टि हुई। टैंकर की तलाशी में 14 लाख रुपए मूल्य की विदेशी शराब बरामद की गई। उत्पाद अधीक्षक के अनुसार, यह शराब जमुई के एक तस्कर को डिलीवर की जानी थी। पकड़े गए दोनों तस्करों से पूछताछ जारी है। विभाग जल्द ही इस रैकेट के मुख्य सरगना को गिरफ्तार करने का दावा कर रहा है। होली के त्योहार को देखते हुए उत्पाद पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रही है।

महिला मुखिया को जान से मारने की धमकी

गया। जिले के फतेहपुर प्रखंड की मतासो पंचायत की मुखिया बेबी देवी और उनके पति को जान से मारने की धमकी दी गई है। आरोप है कि पंचायत के ही कुछ दबंगों ने फोन पर उन्हें धमकाया और जब फोन नहीं उठाया तो व्हाट्सएप पर वॉयस मैसेज भेजकर भद्दी-भद्दी गालियां दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। मुखिया और उसका परिवार दहशत में है। पुलिस से न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़िता का यह भी आरोप है कि दबंग सरकारी कार्य कराने के एवज में रंगदारी की मांग करते हैं। दबंगों की धमकी, बात नहीं मानी तो जान से मार देंगे मुखिया बेबी देवी ने थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि पंचायत के बड़गांव निवासी सुरेंद्र सिंह उर्फ सुली सिंह, मनीष कुमार और रामपुर निवासी बबलू कुमार लंबे समय से विकास योजनाओं में रंगदारी की मांग कर रहे थे। वो मनमाने ढंग से आवास योजना में नाम जोड़ने के लिए उन पर और आवास सहायक पर रंगदारी के लिए दबाव बना रहे थे। उन्होंने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें और उनके पति को लगातार धमकियां देना शुरू कर दिया।बेबी देवी के अनुसार, शनिवार को उनके पति जब एकामा गांव पहुंचे, तो मनीष कुमार ने फोन किया। जब उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया, तो व्हाट्सएप पर गाली-गलौज से भरे ऑडियो भेजे गए। इस घटना के बाद मुखिया ने सारे रिकॉर्डिंग पुलिस को पेन ड्राइव में सौंप दी है। बेबी देवी का आरोप यह भी है कि दबंग लोग जब उन्हें देखते हैं तो जाति सूचक के साथ-साथ अश्लील टिप्पणी करते हैं। यही नहीं सभी आरोपी का यह भी कहना है कि वो अपनी पिस्टल में 9 गोली लोड रखते हैं। तुम्हारे पति के शरीर मे उतार देंगे।

पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच जारी फतेहपुर थाना प्रभारी प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि मुखिया की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अगर आरोप सही पाए गए, तो सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा NDA

जहानाबाद में भाजपा सांसद भीम सिंह ने लोगों से हुंकार सम्मेलन जुड़ने की अपील की

जहानाबाद। भाजपा के राज्यसभा सांसद भीम सिंह ने जहानाबाद में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगले मुख्यमंत्री भी नीतीश कुमार ही होंगे। भीम सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार का लगातार विकास हो रहा है। नीतीश कुमार ने राज्य में सुशासन कायम किया है। जब उनसे तेजस्वी यादव की लोकप्रियता को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि सर्वे का कोई मतलब नहीं है। बिहार की जनता नीतीश और मोदी की दीवानी है। सांसद जहानाबाद में 9 तारीख को पटना के मिलन हाई स्कूल में होने वाले अत्यंत पिछड़ा हुंकार सम्मेलन के लिए लोगों को आमंत्रित करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस रैली का उद्देश्य अत्यंत पिछड़ा वर्ग को उनकी आबादी के अनुसार सत्ता में भागीदारी दिलाना है। उन्होंने बताया कि सत्ता में उचित भागीदारी न होने के कारण यह वर्ग सभी क्षेत्रों में पिछड़ा हुआ है।

भीम सिंह ने कहा कि वे पूरे बिहार में घूम-घूमकर लोगों को रैली में आने का निमंत्रण दे रहे हैं। इस रैली के माध्यम से वे अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगा।

4 महीने से लापता नाबालिग सूरत से बरामद

शेखपुरा। के हथियावां थाना क्षेत्र से चार माह पहले अपहृत हुई नाबालिग 10वीं की छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी रोशन कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। सहायक पुलिस सब इंस्पेक्टर सुरेश प्रसाद के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। थाना प्रभारी सुरेश प्रसाद ने बताया कि आरोपी रोशन कुमार खलासपुर गांव निवासी सुनील यादव का पुत्र है। घटना 9 नवंबर 2024 की है। पीड़िता के पिता ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था। छात्रा जब मंदिर में पूजा करने गई थी, तभी आरोपी ने उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद वह उसे गुजरात के सूरत शहर ले गया। लंबे समय तक छात्रा की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर कोर्ट ने कुर्की का आदेश जारी किया।

नाबालिक से देह व्यापार करवाने के मामले में 2 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। के नगर थाना क्षेत्र की एक किशोरी को जबरन गलत काम में धकेलने के केस में पुलिस ने चंदा खातून व मुन्नी खातून को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों महिलाओं पर आरोप है कि नाबालिग को नशा देकर शोषण करवाती थी। पीड़िता ने वर्ष 2014 में नगर थाने में एफआईआर फर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि वह नगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में बहन के साथ रहकर घरेलू काम करती थी। उसकी मुलाकात चंदा खातून व मुन्नी खातून से हुई। पीड़िता ने बताया था कि आरोपी महिला ने उसे बहला-फुसलाकर अपने पास बुलाया। फिर नशा देकर जबरन गलत काम के लिए मजबूर किया। इसका विरोध करने पर जान से मार देने की धमकी देकर प्रताड़ित किया गया। पीड़िता ने महिला विकास केंद्र की एक सामाजिक कार्यकर्ता को अपनी आपबीती सुनाई। जिसके बाद केस दर्ज किया गया। लेकिन आरोपी फरार हो गए थे। हाल में पुलिस को इनके ठिकाने का पता चला, जिसके बाद छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। साक्ष्य के आधार पर आरोपी गिरफ्तार नगर थानेदार शरत कुमार ने बताया कि पुराना केस है। इसकी समीक्षा की गई तो पाया गया कि इसमें तो केस के बाद से ही कोई कार्रवाई नहीं हुई। साक्ष्य के आधार पर जांच कर मामले में दोनों महिला आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

हिंदू चेतना महासम्मेलन को ले निकाली शोभायात्रा

शेखपुरा। बिहार प्रदेश इकाई के द्वारा भारतीय अपना समाज पार्टी का स्थापना दिवस सनातन संस्कृति हिंदू चेतना महासम्मेलन एवं राष्ट्र गौरव सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया। इसका उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन सिंह सूर्यवंशी ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या धाम के संत शिरोमणि जगतगुरु करपात्री जी महाराज एवं अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय धरा धाम प्रमुख डॉ सौरव पांडेय के अलावा भारतीय अपना समाज पार्टी सहित विभिन्न हिंदू संगठन से जुड़े हिंदूवादी नेताओं एवं कार्यकताओं ने शिरकत किया। आगत अतिथियों का स्वागत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार, उपाध्यक्ष अजीत कुमार उर्फ मुन्ना सिंह, प्रदेश महासचिव सतीश कुमार, नगर अध्यक्ष कुंदन कुमार, अपना विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष विवेक कुमार ने अतिथियों को अंग वस्त्र, पुष्प गुच्छ, पुष्प माला एवं राष्ट्र गौरव का प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया। जबकि मंच का संचालन भारतीय अपना समाज पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मुकुल मोहन द्वारा किया गया। इसके पूर्व गाजे -बाजे, भगवा ध्वज एवं विभिन्न हिंदू देवी देवताओं की झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें काफी संख्या में महिला -पुरुष श्रद्धालु एवं बच्चे- बच्चियों ने माथे पर पगड़ी एवं भगवा लिवास में बरबीघा नगर परिषद के विभिन्न मोहल्ले का परिक्रमा किया। शोभा यात्रा जुलूस और झांकी श्री अवध बिहारी बड़ी ठाकुरबाड़ी से निकालकर शहर के डाकघर रोड पुरानी शहर थाना चौक टैक्सी स्टैंड अस्पताल रोड होते हुए डॉक्टर श्री कृष्ण जी चौक पहुंचा जहां पर बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री एवं बरबीघा धरती के पुत्र स्वर्गीय डॉक्टर श्री कृष्ण सिंह जी की आदमकद प्रतिमा पर पार्टी के संरक्षक एवं अयोध्या धाम के संत जगतगुरु करपात्री जी महाराज और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन सिंह सूर्यवंशी सहित अन्य लोगों ने माल्यार्पण किया।

वैशाली में महिला ने खुद को मारा चाकू, गंभीर

वैशाली। के सदर थाना क्षेत्र के रजौली गांव में एक महिला ने पति से फोन पर हुए विवाद के बाद खुद को चाकू मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। घटना के बाद जुटे परिजनों ने घायल महिला को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद महिला की स्थिति को नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। घायल महिला की पहचान प्रीति देवी (23) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रीति के पति राजकुमार महतो दूसरे प्रदेश में मजदूरी करते हैं। फोन पर बातचीत के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद प्रीति ने चाकू से खुद को घायल कर लिया।

खून से लथपथ महिला को देखकर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रीति को हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी स्थिति नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया है।

बाढ़ घोटाला को लेकर शिकायतकर्ता जाएंगे हाईकोर्ट

समस्तीपुर। जिले की मोहनपुर और मोहिउद्दीन नगर प्रखंड में बाढ़ राहत घोटाला मामले को शिकायतकर्ता हाईकोर्ट में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। जन शिकायत में पेशी के दौरान जन शिकायत पदाधिकारी ने इस मामले को यह कहते हुए क्लोज कर दिया कि डीएम ने मामले की जांच को लेकर 7 सदस्य कमेटी का गठन किया है। जन शिकायत पदाधिकारी के इस तर्क से शिकायतकर्ता अवनीश कुमार झा संतुष्ट नहीं दिखे और उन्होंने इस मामले को अब उच्च न्यायालय में ले जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बाढ के नाम पर इतना बड़ा घोटाला हुआ उनके द्वारा मामला उजागर करने के बाद 100 से अधिक लोगों ने करीब 12 से 15 लख रुपए लौट आया है। ऐसी स्थिति में यह मामला सिद्ध हो जाता है बावजूद इस मामले को सिर्फ टाल मटोल किया जा रहा है। गंभीरता से नहीं लिया जा रहा तो अब उनके पास हाई कोर्ट जाने के सिवा कोई चारा नहीं बचा है। बीते साल सितंबर महीने में मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के मदूदाबाद पंचायत में गंगा के बाढ़ का पानी नहीं आया था। बावजूद पंचायत के अधिकतर लोगों के अकाउंट में बाढ़ राहत की राशि ट्रांसफर की गई। इस मामले को लेकर गांव के ही अवनीश कुमार द्वारा जिलाधिकारी से लेकर आपदा के अधिकारी तक शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामला सामने आने के बाद इस मामले में पटोरी के डीएसपी विकास पांडे ने जांच का आदेश जारी किया था । वही इस मामले में मोहिउद्दीन नगर के सीईओ से जबाव तलब किया गया है। लेकिन इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक इस मामले में जांच कर रहे पटोरी के एसडीओ को भी कमेटी से हटा दिया गया और समस्तीपुर के डीसीएलआर को पूरे मामले की जांच का आदेश जारी किया गया। बीते वर्ष गंगा नदी में आई बाढ़ के कारण पटोरी अनुमंडल क्षेत्र के मोहनपुर, मोहिउद्दीन नगर के कई पंचायत वार्ड की चपेट में आए थे। लेकिन मोहिउद्दीन नगर का मदुदाबाद पंचायत बाढ प्रभावित नहीं था ।यहां बाढ़ का पानी नहीं आया था। सरकारी रिकॉर्ड में भी यह बाढ़ से मुक्त पंचायत है ।बावजूद इस पंचायत के लोगों के अकाउंट में बाढ़ राहत की सात - सात हजार रुपए की राशि बिचौलियों के माध्यम से भेजी गई। बताया गया है कि लोगों के अकाउंट में राशि आने के बाद पंचायत के एक जनप्रतिनिधि द्वारा इसे मनरेगा की राशि बताते हुए यूपीआई के माध्यम से वापस निजी अकाउंट में लिया गया इसके बाद यह मामला खुल गया

और चारों ओर चर्चा होने लगी। अकाउंट धारी के अकाउंट में मात्र पांच 500 छोड़ दिए गए और 6500 यूपीआई के माध्यम से जनप्रतिनिधि ने अपने अकाउंट में ले लिया। चर्चा है कि जनप्रतिनिधि की बहू ने ही अकाउंट की राशि इधर से उधर की है।

संक्षिप्त खबरें

गया-कोडरमा-गोमो-चन्द्रपुरा -बोकारो स्टील सिटी के रास्ते डीडीयू और रांची के मध्य परीक्षा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

धनबाद (बिभा): रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा कांस्टेबल पद हेतु आयोजित की जा रही परीक्षा के मद्देनजर गया-कोडरमा-गोमो-चन्द्रपुरा -बोकारो स्टील सिटी के रास्ते प.दीन दयाल उपाध्याय और रांची के मध्य एक जोड़ी परीक्षा स्पेशल ट्रेन 03640/03639 का परिचालन किया जाएगा ।

सीआईएसएफ जवान ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली, स्थिति गंभीर

धनबाद(बिभा) : धनसार थाना क्षेत्र के विश्वकर्मा प्रोजेक्ट के जे पैच में ड्यूटी के दौरान सीआईएसएफ के जवान केएस राव ने खुद को गोली मार ली. अपनी सर्विस रिवॉल्वर से जवान ने अपने सिर में गोली मार ली है. घटना के बाद इलाज के लिए जोड़ाफाटक रोड स्थित पाटलीपुत्र अस्पताल ले जाया गया. बाद में इलाज के लिए नवाडीह स्थित असर्फी अस्पताल ले जाया गया, जहां सीआईएसएफ जवान की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने दुगार्पुर रेफर कर दिया. सीआईएसएफ जवान केएस राव तेलांगना का रहने वाला है. वह धनसार स्थित सीआईएसएफ कैंप में रहता है. शनिवार की रात आठ बजे विश्वकर्मा परियोजना स्थित जे पैच में उसकी ड्यूटी थी. सहकर्मियों के अनुसार ड्यूटी के दौरान परियोजना के पास एकांत में जाकर उसने खुद को गोली मार ली. इसके बाद आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर देखते हुए दुगार्पुर रेफर किया गया है।

उपायुक्त गुमला ने हरी झंडी दिखाकर वाटरशेड यात्रा का किया शुभारंभ

गुमला(बिभा) : परिसदन गुमला से वाट'शेड यात्रा का शुभारंभ जिले के उपायुक्त गुमला एवं उप विकास आयुक्त गुमला ने हरी झंडी दिखाकर किया । इस यात्रा का आयोजन प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 के द्वारा प्रखण्ड जारी एवं विशुनपुर के 25 गवों में किया जा रहा है। जारी प्रखण्ड के सीसीकरम टोली एवं सिकरी पंचायत के 13 एवं विशुनपुर के तीन पंचयत विशुनपुर, सिकरी एवं बनारी के 14 गांवों मे प्रचार गाड़ी के माध्यम से लोगों को जल की उपयोगिता एवं संरक्षण जागरूक किया जाएगा। अंतिम 4 मार्च को विशुनपुर के चिंगरी गाँव मे आयोजित मुख्य आयोजन हेतु कृषि , मत्स्य , पशुपालन , हॉर्टिकल्चर एवं कृषि विज्ञान केंद्र सहित गैर सरकारी संगठन स्टाल लगाकर लोगों को सरकारी योजना की जानकारी प्रदान करेंगे। वाट'शेड यात्रा के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जारी एवं विशुनपुर के सभी पंचायत मुखिया को आमंत्रित किया गया है । उपायुक्त गुमला ने बताया की इस कार्यक्रम से लोगों मे जल संचय से किसानों सहित सभी को लंबे समय तक लाभ मिलेगा । यात्रा शुभारंभ के दौरान भूमि संरक्षण पदाधिकारी श्री आशीष प्रताप, जलछजन के जिला तकनीक विशेषज्ञ जुनूल समद, कृषि विशेषज्ञ श्री अटल बिहारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टीएसपीसी नक्सली संगठन का सेकंड सुप्रीमो आक्रमण गंझु हुआ गिरफ्तार

अमेरिकन राइफल सहित भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा हुआ बरामद

बिभा संवाददाता

चतरा, 2 मार्च (हि.स.)। झारखंड बिहार का मोस्ट वांटेड टीएसपीसी संगठन का सेकंड सुप्रीमो आक्रमण गंझु गिरफ्तार हो गया है। इसके निशानदेही पर चतरा पुलिस को अमेरिकन राइफल सहित हथियारों का जखीरा बरामद करने में सफलता मिली है। कुंभ स्नान से लौटने के क्रम में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।। उसके निशान देही पर अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हुई है और भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं।

रविवार को चतरा एसपी विकास पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी। आक्रमण गंझु पर झारखंड पुलिस 15 लाख और टेरर फंडिग के मामले में एनआईए ने तीन लाख का इनाम रखा हुआ था। उसके साथ उसकी पत्नी लावालौंग की पूर्व प्रमुख ममता देवी, चैनपुर, मांडू जिला रामगढ़ के सचिन कुमार गंझू, कुंदा के लुकुईया के अमित गंझू की भी गिरफ्तारी हुई है। आक्रमण की पत्नी लावालौंग ब्लॉक की पूर्व प्रमुख रह चुकी है। झारखंड के कई जिलों के थाने में उसपर 75 से अधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चतरा में 49, पलामू में 10, लातेहार में 14 और हजारीबाग में दो मामले शामिल हैं।

एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में गठित स्पेशल टीम ने बिहार और झारखंड के सीमा में हंटरगंज के पत्सुगिया पुल के पास से एक क्रेटा कार से उसकी गिरफ्तारी हुई है।

एसपी विकास पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कुख्यात उग्रवादी के पास से कई देशी और विदेशी हथियार बरामद किए गए हैं। झारखंड सरकार ने राज्य को नक्सली मुक्त राज्य बनाने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प को धरातल पर उतरने की दिशा में पुलिस कार्य कर रही है।

नक्सलियों के खिलाफ चौतरफा कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को प्रतिबंधित नक्सली संगठनों के विरुद्ध निरंतर सफलता भी मिल रही है। नक्सलियों के खिलाफ लागातर छापेमारी अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एक मार्च को सूचना मिली कि टीएसपीसी संगठन का कुख्यात उग्रवादी रीजनल कमांडर आक्रमण बिहार की ओर से झारखंड होते पलामू जाने वाला है। इसी को लेकर एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने अभियान के दौरान एक गाड़ी में सवार चार लोगों को गिरफ्तार की। गिरफ्तार लोगों के पास से हथियार मिले और उनके निशानदेही पर हथियारों का जखीरा मिला है। अभियान में सीडीपीओ संदीप सुमन, चतरा सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार, हंटरगंज थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा, सिमरिया थाना प्रभारी मानव मयंक पुलिस और सब इंस्पेक्टर हरिश्चंद्र सहित जिला बल के जवान शामिल थे।

ये हथियार हुए बरामद

गिरफ्तार नक्सली के पास और उसकी निशानदेही पर नाइन एमएम का तीन पिस्टल, एक देशी कट्टा, नाइन एमएम का 15 जिन्दा गोली, .315 का एक गोली, एक हुंडई क्रेटा गाड़ी, विभिन्न कंपनियों का सात मोबाईल, डोंगल (राउटर)तीन, एम-16 एआई राईफल (अमेरिकन)एक , एसएलआर राईफल, .315 बोर की देशी निर्मीत राइफल दो, 7.62 एम.एम. का देशी पिस्टल एक, 7.65 एम.एम. का देशी पिस्टल तीन, देशी कट्टा एक, एम-16 एआई राईफल का मैगजीन-03, एसएलआर का मैगजीन एक, अन्य पिस्टल का मैगजीन दो, नाइन एमएम का जिन्दा गोली 4597 पीस, 5.5 एमएम का जिन्दा गोली 172 पीस, .315 एमएम का जिन्दा गोली 100 पीस, एम-16 का जिन्दा गोली 90 पीस, 7.62एमएम का जिन्दा गोली-20 राउण्ड, चितकबरा रंग का 01 मैगजीन पाउच सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

आईसीएल में झारखंड से चार बने सीडब्लयूसी सदस्य

रांची। इंडियन कंफेडरेशन ऑफ लेबर आईसीएल के अभिनंदन समारोह का आयोजन रांची के आईसीएल के प्रदेश कार्यालय में रविवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीएल के उपाध्यक्ष इम्तियाज अहमद खान और संचालन सीएनजी ऑटो महासंघ के महासचिव राकेश सिंह ने किया। कार्यक्रम में आईसीएल और महासंघ के प्रदेश पदाधिकारी तथा सदस्यों की उपस्थिति में आईसीएल के राष्ट्रीय पदाधिकारी के रूप में झारखंड से चार नेताओं को राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य सीडब्लायूसी के लिए नामित किया गया। इनमें रांची के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद के लिए दिनेश सोनी, ललन सिंह राष्ट्रीय सचिव, तपन कुमार गोराई राष्ट्रीय सचिव तथा अजय प्रकाश वर्मा राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य शामिल हैं। इन सभी नेताओं को आईसीएल के प्रदेश पदाधिकारी और सीएनजी ऑटो महासंघ के पदाधिकारी ने फूल माला और चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर संघ के राष्ट्रीय सचिव ललन सिंह, तपन कुमार गोराई, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश सोनी, राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य अजय प्रकाश वर्मा, आईसीएल झारखंड प्रदेश के उपाध्यक्ष इम्तियाज अहमद खान, राम आशीष सिंह, प्रदेश महासचिव विनय कुमार ओझा, प्रदेश महासचिव जितेंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

स्पार्टन्स यूनाइटेड ने गोंदवाना क्लब क्रिकेट लीग का जीता खिताब

रांची(बिभा) : सीएमपीडीआई के खेल मैदान में आयोजित तीन-दिवसीय गोंदवाना क्लब क्रिकेट लीग-2025 टूर्नामेंट के फाइनल मैच में स्पार्टन्स यूनाइटेड का मुकाबला धरा योद्धा के बीच हुआ। स्पार्टन्स यूनाइटेड ने धरा योद्धा की टीम को 5 विकेट से पराजित कर टीम चैम्पियनशिप का खिताब प्राप्त किया। मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के निदेशक श्री शंकर नागाचारी ने टीम चैम्पियनशिप के विजेता टीम तथा विशिष्ट अतिथि संस्थान के वरीय सलाहकार (माइनिंग) श्री ए0के0 राणा ने उप-विजेता टीम को सम्मानित किया। इस अवसर पर बेस्ट बैट्समैन एवं बेस्ट बॉलर श्री किशन, बेस्ट फील्डर श्री विक्रांत त्रिवेदी, मैन ऑफ दी सीरिज श्री किशन तथा महिला खिलाड़ी सुश्री दीप्ति पिल्लै को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें शिरकत कीं। इस टूर्नामेंट में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक मैच में एक महिला खिलाड़ी अनिवार्य रूप से खेलने का अवसर प्रदान किया गया और एक ओवर महिलाओं को समर्पित था, जहां महिला खिलाड़ियों ने विशेष रूप से गेंदबाजी और बल्लेबाजी किया। इस अवसर पर संस्थान के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे।

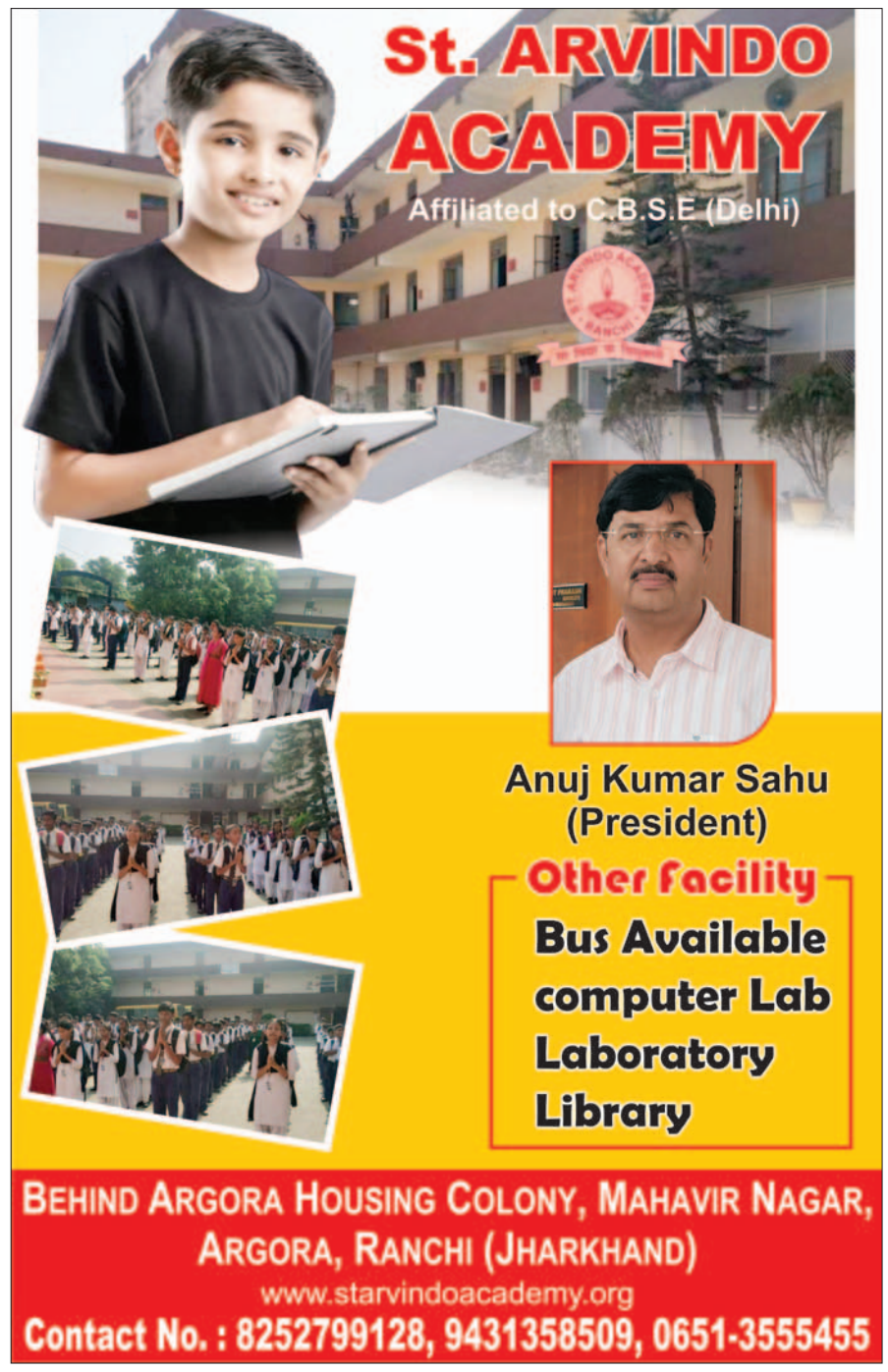

कुछ वसा जरूरी है स्वास्थ्य के लिए

वसा के सेवन को मधुमेह, हृदय रोगों व मोटापे के खतरे के साथ इतना जोड़ कर देखा जाने लगा है कि आम पढ़ा-लिखा व्यक्ति वसा को एक मोहक शत्रु के रूप में ही देखने लगा है। वसा ही खाद्य पदार्थों को स्वादिष्ट बनाता है पर पिछले कुछ वर्षों में डाक्टरों ने इसके खतरों से जनता को काफी आगाह किया है।

अब नए शोधों से पता चला है कि कुछ विशिष्ट प्रकार की वसा सीमित मात्रा में हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छी है जबकि कुछ विशिष्ट प्रकार की वसा से दूर रहना ही स्वास्थ्य के हित में है। यूं वसा को सीमित मात्रा में लेना ही हितकर है मगर उसमें भी लाभप्रद वसा और हानिप्रद वसा का प्रयोग छोड़ना स्वास्थ्य के लिए उचित है। अब तक हमें डाक्टर संतृप्त वसा न लेने और असंतृप्त वसा सूरजमुखी व मक्की लेने की सलाह देते रहे हैं पर अब पता चला है कि इन दोनों के स्थान पर कम संतृप्त वसा जैसे मछली, बादाम, अखरोट व तिल आदि सीमित मात्रा में लेना स्वास्थ्य के लिए हितकारी है। स्वीडन में हुए एक शोध के अनुसार कम संतृप्त वसा स्तन कैंसर के खतरे को भी कम करती है।

क्या खाएं : ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल) खाने हेतु सर्वश्रेष्ठ माना गया है। करडी तेल व सूरजमुखी के तेल में ओमेगा 6 अधिक मात्रा में होता है जिससे स्तन कैंसर व पाचन नली का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है जबकि ओमेगा थ्री से ट्राइग्लिसराइडस, उच्च रक्तचाप व रक्त में थक्के जमना कम होता है। शाकाहारी लोगों हेतु तिल के बीज सोयाबीन व अखरोट ओमेगा थ्री के अच्छे स्त्रोत हैं।

क्या न खाएं : जानवरों से पाई जाने वाली वसा जैसे मांस, मक्खन व चीज संतृप्त होती है जो शरीर में बुरे कोलैस्ट्रोल एल.डी.एल. को बढ़ाती है जिससे हृदय रोगों और पेट व प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ता है। इसी प्रकार हाइड्रोजिनेटिड तेल जिनसे पोटैटो वैफर्स, समोसे व पकौड़े आदि बनते हैं, अच्छे कोलैस्ट्रोल यानी एच.डी.एल. को कम करते हैं और शरीर में ट्राइग्लिसराइडस का स्तर बढ़ाते हैं जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ता है इसलिए हमें हर कीमत पर बाजार के नमकीन, बिस्कुट, मांस से बने खाद्य पदार्थ और मारग्रेन से दूर रहना चाहिए।

अच्छे स्वास्थ्य हेतु, आवश्यक है ऐसा भोजन जिसमें फल, सब्जियां व अनाज की समुचित मात्रा हो ताकि हमारा शरीर चुस्ती व स्फूर्ति से भरपूर रह सके। शरीर में कुछ चर्बी का होना हमारे मस्तिष्क, बालों व त्वचा, नाखून, पाचन, रोग प्रतिरोधी शक्ति, हृदय व नर्वस सिस्टम के सही कार्य करने के लिए आवश्यक है। वसा का बिल्कुल प्रयोग न करना हृदय रोग के खतरे को बढ़ा सकता है।

एक कैनेडियन विशेषज्ञ के अनुसार वसा रहित भोजन विशेषत: अनाज व चीनी लेने से शरीर में ट्राइग्लिसराइड का स्तर बढ़ सकता है और यदि शरीर में एल.डी.एल. अधिक हो तो इससे हृदय रोग का खतरा काफी बढ़ जाता है अत: शरीर को स्वस्थ और बीमारियों से दूर रखने के लिए अच्छी वसा का सीमित मात्रा में सेवन ही बेहतर हैं।

हेल्थ प्लस

शीतकाल में उपयोगी टमाटर

- शीतकाल में शरीर की वायु कुपित हो जाती है। टमाटर उत्तम वायुनाशक है, इस कारण भी यह शीतकाल में विशेष उपयोगी है। आहार में टमाटर का जूस, सूप, सलाद आदि के रूप में विधिपूर्वक सेवन करना चाहिए।
- पके हुए लाल टमाटर अग्निदीपक, पाचक, रूचिकर, बल एवं रक्तवर्धक, लघु, उष्ण, स्निग्ध और उत्तम रक्तशोधक होते हैं। उपरोक्त गुणों के साथ-साथ इसमें विटामिन ए, बी, सी तथा लोहा प्रचुर मात्रा में होता है।
- सौंदर्य विशेषज्ञ-टमाटर में त्वचा संबंधी नाना प्रकार के विटामिन, साइट्रिक एसिड, लवण, पोटाश, चूना, मैंगनीज, खनिज, क्षार आदि विद्यमान होने के कारण टमाटर एक प्रकार से सौंदर्य विशेषज्ञ भी है।
- टमाटर के सूप में काली मिर्च डालकर नियमित पीने से कब्जियत दूर होती है, जिससे चेहरे पर चमक और शरीर में चुस्ती बरकरार रहती है।
- टमाटर दूषित रक्त का शोधन कर चेहरे की त्वचा को गुलाबी आभा प्रदान करते हैं। इसके नियमित सेवन से सर्दी के मौसम में होने वाली त्वचा संबंध शिकायतें जैसे-कील-मुँहासे, झइयाँ, त्वचा का फटना, खुजली आदि नहीं होती है।
- टमाटर का जूस पीने से बाल चमकदार होते हैं। बड़े टमाटक की मोटी-मोटी फांके काट कर गालों और आँखों के नीचे रखने से झाइयाँ और आँखों के काले घेरे मिट जाते है।
- सावधानी-टमाटर गुणकारी होने के बावजूद अत्यधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर को हानि पहुँचाते हैं। टमाटर ही क्या, प्रत्येक चीज की अति खराब होती है। पथरी के रोगियों को टमाटर का सेवन हितकर नहीं होता। अगर आप टमाटर के लाभ उठाना चाहके हैं तो इसका सेवन उचित मात्रा में नियमित करना होगा।

किड्स मेडिसिन भी खतरनाक!

भारतीय मूल के एक ब्रिटिश वैज्ञानिक ने शोध के जरिए खुलासा किया है कि जिन नवजात शिशुओं को तरल दवाइयां दी जाती हैं, उन्हें उन दवाओं में इस्तेमाल किए गए रसायनों से खतरा है। लिसेस्टर यूनिवर्सिटी में बाल स्वास्थ्य विभाग के प्रख्याता डा. हितेश पांड्या के नेतृत्व में किए गए शोध में बताया गया है कि समय से पूर्व पैदा हुए नवजात शिशुओं की चिकित्सा देखरेख के तौर पर उन्हें जो तरल दवाइयां दी जाती हैं, उनमें मौजूद गैर औषधि सामग्री भी बच्चों के शरीर में चली जाती है।

शोध से पता चला है कि दवाओं का स्वाद बेहतर करने, उनकी समाहित होने की गति को तेज करने तथा उनकी अवधि बढ़ाने के लिए, जो रसायन दवाओं में मिलाए जाते हैं वे बहुत छोटे शिशुओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। ऐसी दवाओं में सामान्य तौर पर एथनाल, सोरबिटोल तथा पोन्सियू 4-आर (रंग प्रदान करने वाला तत्व) मिलाए जाते हैं। शोध रिपोर्ट कहती है कि समय से पूर्व पैदा हुए बच्चों को ये रसायन उतना ही नुकसान पहुंचाते हैं, जितना प्रति सप्ताह तीन पिंट बीयर के सेवन से होता है। शोध दल के सदस्य रहे यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ऑफ लिसेस्टर एनएचएस के कंसलटेंट डा. एंड्रयू केरी ने कहा, 'माता-पिता को इस रिपोर्ट से परेशान नहीं होना चाहिए। ये रसायन पूरी दुनिया में खाघ पदार्थों में भी पाए जा सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'कई बार दवाओं में ये रसायन मिलाना जरूरी हो जाता है और अधिकांश मामलों में यह दवा की क्रियाशीलता में सुधार करता है, लेकिन अब हम इनके प्रभावों की अधिक पड़ताल कर रहे हैं। यह अच्छी खबर है कि डा. पांड्या और उनकी टीम शोध जारी रखेगी।' केरी ने बताया, 'शिशुओं और बड़े बच्चों को कई बार ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जिनका औपचारिक परीक्षण केवल वयस्कों पर ही हुआ होता है। इसका मतलब यही हुआ कि हम शिशुओं और बच्चों को अनुमान के आधार पर दवा देते हैं।' वह कहते हैं, 'इसके पीछे कई कारण हैं, एक तो इतने छोटे बच्चों की दवाओं का अध्ययन करना अपने आप में एक बड़ी व्यावहारिक समस्या है।' केरी कहते हैं कि माता-पिता को यह समझना शुरू करना होगा कि दवाओं में मौजूद कौन से रसायन उनके बच्चे को दिए जा रहे हैं, लेकिन इससे अधिक परेशान होने की जरूरत नहीं है।

जड़ी बूटियों से बनी दवा हृदय रोगों में कारगर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में दो साल तक किए गए एक परीक्षण में जड़ी-बूटियों से बनी आयुर्वेदिक दवा 'लिपोमैप' हृदय रोग पैदा करने वाले कोलेस्ट्राल के नियंत्रण में कारगर पाई गई है। एम्स के औषधि विभाग में हुए इस परीक्षण में पाया गया है कि गुगलू, शिलाजीत, त्रिफला, अदरख और हल्दी जैसी 16 जड़ी-बूटियों और एक खनिज पदार्थ 'जस्ता' से निर्मित लिपोमैप हृदय के लिए नुकसानदायक एलडीएल, लो डेंसिटी लिपिड, कोलेस्ट्राल और ट्राइग्लिसेराइड के स्तर को घटाती है। लाभदायक एचडीएल, हाई डेंसिटी लिपिड, कालेस्ट्रोल के स्तर को बढ़ाती है तथा वसा उपापचय (मेटाबोलिज्म) में सुधार करती है। इस परीक्षण से यह भी पाया गया है कि लिपोमैप का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है, जबकि कोलेस्ट्रोल को कम करने वाली अन्य औषधियों के कब्ज, पेट दर्द, पेट में ऐंठन सहित आंत से संबंधित कई प्रकार के दुष्प्रभाव प्रकट होते हैं। लिपोमैप पर अध्ययन करने वाली टीम के प्रमुख विशेषज्ञ डा. अनूप मिश्रा के अनुसार इस अध्ययन से यह पता चला कि लिपोमैप रक्त वसा के एक रूप 'ट्राइग्लिसराइड' के स्तर को घटाने में कारगर है। ट्राइग्लिसेरायड रक्त प्रवाह में मौजूद वसा का एक रूप है। जिन लोगों में टाइग्लिसेरायड का स्तर अधिक होता है उनके रक्त में अक्सर कोलेस्ट्राल की मात्रा बहुत अधिक होती है।

गुस्सैल लोगों को बीमारी से उबरने में लगता है अधिक समय

अगर आपको अक्सर गुस्सा आता है और आप अपना आपा खो बैठते हैं तो अब समय आ गया है कि आप खुद को थोड़ा शांत चित्त बनाने की कोशिश करें। क्योंकि नए शोधों से यह बात सामने आई है कि बात बात पर गुस्सा करने वाले लोगों को बीमार होने की स्थिति में ठीक होने में अधिक समय लगता है।

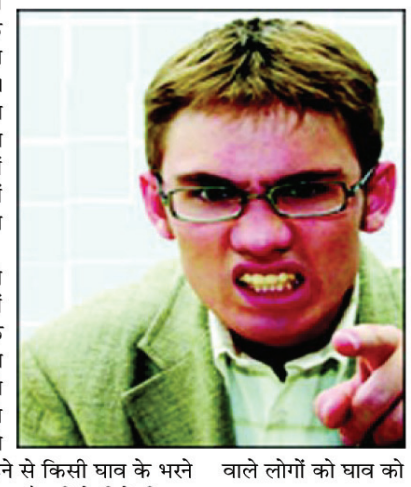

कोलंबस की आहियो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की अगुवाई में किए गए एक शोध के परिणामों से यह बात सामने आई है कि गुस्से को नियंत्रित करने में विफल रहने या गुस्से को उदार तरीकों से बाहर निकालने में नाकाम रहने से किसी घाव के भरने की प्रक्रिया को आघात पहुंचता है। दी डेली टेलीग्राफ ने आज यह रिपोर्ट प्रकाशित की है। अपने शोध में शोधकर्ताओं ने करीब 100 प्रतिभागियों का विश्लेषण किया। इनकी बांह पर एक वैक्यूम पम्प से एक-एक घाव बनाया गया।

शोधकर्ताओं ने इसके बाद घावों के भरने की प्रक्रिया की लगातार आठ दिन तक निगरानी की। इस दौरान तनाव पैदा करने वाले हारमोन कोर्टिसोल के स्राव की मात्रा को भी मापा गया ताकि यह पता लगाया जा सके कि घाव के भरने की प्रक्रिया में इसकी क्या भूमिका है। आठ दिन बाद पता चला कि अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने में नाकाम रहने वाले लोगों को घाव को भरने में 4.2 गुणा समय अधिक लगा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com